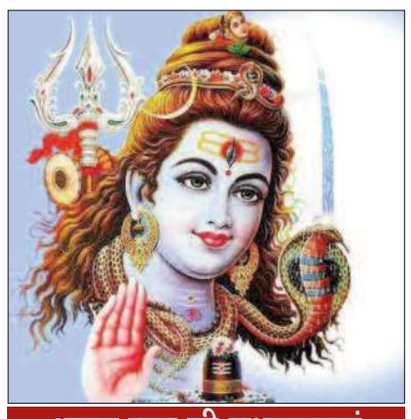


श्रावण मास की शुभकामनाएं

24 जुलाई 2024 बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर झुनझुना लेकर सदन पहुंचे राजद नेता

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बिहार को 58900 करोड़ की सौगात... तीन नए एक्सप्रेस वे पर खर्च होंगे 26 हजार करोड़ रु.

आम बजट 2024-25

- पटना-पूर्णिया, गया-बक्सर-भागलपुर और बोधगया-राजगीर एक्सप्रेस- वे पर इसी वित्तीय वर्ष में शुरू हो जाएगा काम
- वित्त मंत्री के ऐलान के साथ ही बिहार के लोगों में खुशी की लहर



एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला लेकिन केंद्र सरकार ने बिहार को कई सौगात दिया है। बजट में बिहार को विभिन्न योजनाओं के लिए 58900 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया गया है। वित्त मंत्री ने संसद में बिहार की सड़क-संपर्क परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ रुपये देने का एलान किया है। बिहार में तीन एक्सप्रेस-वे बनाने का एलान हुआ है। पटना-पूर्णिया, गया-बक्सर-भागलपुर और बोधगया-राजगीर एक्सप्रेस- वे पर इसी वित्तीय वर्ष में काम शुरू हो जाएगा। पटना-पूर्णिया 300 किमी और गया-बक्सर-भागलपुर 386 किमी के इन दोनों ही एक्सप्रेस वे पर 100-100 किमी के पैच में चालू वित्त वर्ष के अंदर ही काम शुरू हो जाएगा। इसी के साथ यह भी साफ हो गया है कि दोनों एक्सप्रेस वे राज्य सरकार की ओर से प्रस्तावित एक्सप्रेस वे से पहले ही बन जाएंगे। केंद्र सरकार के भारतमाला प्रोजेक्ट में शामिल इन दोनों एक्सप्रेस वे का प्रोजेक्ट काफी पहले ही तैयार किया गया था, लेकिन किसी कारणवश इस पर काम शुरू नहीं हो पाया। वित्त मंत्री के मुताबिक इन दोनों प्रोजेक्ट की दबी फाइल को बाहर निकालते हुए सड़क परिवहन विभाग से इनकी डीपीआर तलब की गई है. प्रयास किया जा रहा है कि चालू वित्त वर्ष में ही इन दोनों एक्सप्रेस के 100-100 किलोमीटर के पैच पर काम शुरू हो जाए। वित्त मंत्री के मुताबिक केंद्र सरकार विजन 2047 के तहत काम कर रही है। इसके लिए सड़कों का निर्माण कार्य तेजी से शुरू करने और समयवद्ध तरीके से पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है।

एक्सप्रेस वे से कई राज्यों से होगी सीधी कनेक्टिविटी

पटना पूर्णिया एक्सप्रेस वे से पटना, वैशाली, बेगुसराय, नालंदा, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, मधेपुरा और पूर्णिया के लोगों को फायदा होगा। वहीं, बक्सर, गया और भागलपुर को जोड़ने वाले एक्सप्रेस वे से बक्सर, भोजपुर, रोहतास, अरवल, औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, नवादा, जमुई, शेखपुरा, बांका और भागलपुर के लोगों को फायदा पहुंचेगा। वहीं भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बनने वाले गोरखपुर से सिलीगुड़ी एक्सप्रेस वे उप्र के गोरखपुर से शुरू होकर बिहार के पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई और बांका आदि जिलों से होते हुए बंगाल के सिलीगुड़ी में खत्म होगा। इससे गोरखपुर-पानीपत एक्सप्रेस-वे कनेक्ट होगा। इससे प. बंगाल से बिहार ही नहीं, उप्र और हरियाणा को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

काशी विश्वनाथ के तर्ज पर बोधगया में मंदिर कॉरिडोर

बिहार में पर्यटन बढ़ाने पर जोर दिया गया है। काशी विश्वनाथ के तर्ज बिहार में महाबोधी कॉरिडोर, नालंदा में सप्तऋषि कॉरिडोर और इसके साथ ही राजगीर बड़ा टूरिस्ट सेंटर बनेगा। नालंदा में पर्यटन का विकास होगा। नालंदा यूनिवर्सिटी के विकास के लिए भी बजट मिला है।

बाढ़ से बचाव के लिए बिहार को 11500 करोड़ की मदद

बिहार कई सालों से बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है। केंद्र सरकार बाढ़ नियंत्रण पर 11 हजार 500 करोड़ रुपये परियोजनाएं शुरू करेगी। इससे बैराज पर काम, नदी के गाद की समस्या, कोसी नदी पर बाढ़ के बचाव के उपाय, तटबंधों पर काम किया जाएगा। ताकि लोगों को बाढ़ का दंश न झेलना पड़े।

21 हजार करोड़ से शुरू की जाएंगी विद्युत परियोजनाएं

बिहार में 21 हजार 400 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इसमें पिरपैंती में 2400 मेगावॉट के एक नए संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। बिहार में दो नए एयरपोर्ट और मेडिकल कॉलेज बनाने का एलान किया गया है। पूंजीगत निवेशों में सहायता के लिए अतिरिक्त आवंटन उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार सरकार के बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाह्य सहायता के अनुरोध पर तेजी से कार्यवाही होगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया मोदी सरकार 3.0 का पहला आम बजट

किसानों को तोहफा, नौकरीपेशा को राहत

- 4800000 करोड़ के इस बजट में में गरीब, किसान, युवा, महिलाओं सभी के लिए किए गए खास ऐलान
- वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा
- ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान

एजेंसी/नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आम बजट 2024-25 को देश के सामने रख दिया। 4800000 करोड़ के इस बजट में सरकार ने कई मोर्चों पर लोगों को राहत दी, तो कहीं टैक्स का बोझ बढ़ाकर निराश कर दिया। बजट में गरीब, किसान और टैक्सपेयर्स सभी के लिए खास ऐलान किए गए हैं। नौकरीपेशा वर्ग को इनकम टैक्स में राहत मिली, तो कस्टम ड्यूटी कम होने से सोना-चांदी के सामान सस्ते किए गए। अब, नई टैक्स रिजीम के तहत 0 से 3 लाख रुपए तक की आय पर शून्य टैक्स लगेगा। 3 से 7 लाख रुपए तक की आय पर 5 प्रतिशत, 7 से 10 लाख रुपए तक की आय पर 10 प्रतिशत, 10 से 12 लाख रुपए तक की आय पर 15 प्रतिशत , 12 से 15 लाख रुपए तक की आय पर 20 प्रतिशत और 15 लाख रुपए से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत टैक्स लगेगा. टैक्स में हुए इस बदलाव के बाद नौकरीपेशा लोग आसानी से 17,500 रुपये की टैक्स की बचत कर पाएंगे। पहले नई टैक्स रिजीम के तहत 0 से 3 लाख रुपए तक की आय पर शून्य टैक्स था। 3 से 6 लाख रुपए तक की आय पर 5 प्रतिशत, 6 से 9 लाख रुपए तक की आय पर 10 प्रतिशत, 9 से 12 लाख रुपए तक की आय पर 15 प्रतिशत, 12 से 15 लाख रुपए तक की आय पर 20 प्रतिशत और 15 लाख रुपए से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत टैक्स था।



कैंसर की दवाएं और सोने-चांदी के दाम घटाने की घोषणा



कैंसर की 3 दवाओं ट्रैस्टुजुमैबडेरक्सटेकन, ओसिमर्टिनिब और दुवार्लुमाब झ्र को सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट दी गई। इससे यह दवाएं सस्ती हो गईं। मोबाइल फोन, मोबाइल सर्किट बोर्ड असेंबली और मोबाइल चार्जर पर सीमा शुल्क घटाकर 15 प्रतिशत किया गया है। सोने और चांदी पर सीमा शुल्क घटाकर 6 प्रतिशत और प्लैटिनम पर 6.4 प्रतिशत किया गया। इससे गोल्ड और सिल्वर आयटम के दाम कम हो जाएंगे। शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेड पर लगने वाले सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स को बढ़ाकर क्रमशः 0.02 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत किया गया।

दो वर्षों में 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के तहत लाने की पहल की घोषणा

एजेंसी/नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की। लोकसभा में 2024-25 का बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि अनुसंधान, टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने, तिलहन और दलहन उत्पादन को बढ़ाने और कृषि परिदृश्य में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए एक व्यापक योजना की रूपरेखा तैयार की गई है। सीतारमण ने घोषणा की कि किसानों की जल्द ही 32 खेत और बागवानी फसलों में 109 नई उच्च उपज वाली, जलवायु-सहिष्णु किस्मों तक पहुंच होगी।

महत्वपूर्ण फसलों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए, मंत्री ने दलहन और तिलहन पर केंद्रित मिशन की योजनाओं का खुलासा किया, जिसका उद्देश्य उनके उत्पादन, भंडारण और विपणन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। अनुसंधान और फसल विविधीकरण पर सरकार का जोर टिकाऊ खेती के तरीकों को बढ़ावा देने के साथ-साथ आता है। सीतारमण ने अगले दो वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के तहत लाने की पहल की घोषणा की, जिसे प्रमाणन और ब्रांडिंग प्रयासों द्वारा समर्थित किया जाएगा। इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए उन्होंने तीन वर्षों में किसानों और उनकी भूमि को कवर करते हुए कृषि में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को लागू करने की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की। इस पहल में डिजिटल फसल सर्वेक्षण और किसान और भूमि रजिस्ट्री का निर्माण शामिल है।

बजट में प्रमुख उपभोग केंद्रों के पास बड़े पैमाने पर सब्जी उत्पादन क्लस्टर विकसित करने, आपूर्ति श्रृंखला में किसान-उत्पादक संगठनों और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के प्रावधान भी शामिल हैं। मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सीतारमण ने झींगा मछली उत्पादन और निर्यात के लिए नाबार्ड के माध्यम से न्यूक्लियस प्रजनन केंद्रों का एक नेटवर्क स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की। उन्होंने कुछ ब्रूडस्टॉक, पॉलीचेट वर्म, झींगा और मछली चारे पर मूल सीमा शुल्क को घटाकर पांच प्रतिशत करने तथा झींगा एवं मछली चारे के निर्माण के लिए विभिन्न आदानों पर सीमा शुल्क में छूट देने का भी प्रस्ताव रखा।

बजट में रोजगार से जुड़ी तीन योजनाएं शुरू करने की घोषणा

- कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश में कामकाजी महिलाओं के लिए स्थापित किए जाएंगे छात्रावास

एजेंसी/नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह रोजगार से जुड़ी तीन योजनाएं शुरू करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि ये योजनाएं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में नामांकन पर आधारित होंगी। पहली योजना के तहत सभी क्षेत्रों में कार्यबल में प्रवेश करने वालों को एक महीने का वेतन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूसरी योजना में पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों के रोजगार से जुड़े विनिर्माण क्षेत्र में अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहित करेगी। वित्त मंत्री ने कहा, रोजगार के पहले चार वर्षों में ईपीएफओ अंशदान के संबंध में कर्मचारी और नियोक्ता को सीधे निर्दिष्ट पैमाने पर प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इस योजना से 30 लाख युवाओं और उनके नियोक्ताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।



सीतारमण ने कहा कि तीसरी योजना के तहत सभी क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार को लिया जाएगा। उन्होंने कहा, एक लाख रुपये तक मासिक वेतन के अंतर्गत सभी अतिरिक्त रोजगार को गिना जाएगा। सीतारमण ने कहा कि सरकार प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए ईएफपीओ अंशदान के रूप में नियोक्ताओं को दो वर्षों तक 3,000 रुपये प्रतिमाह तक की राशि प्रतिपूर्ति करेगी। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार जलवायु-अनुकूल बीज विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र, क्षेत्र विशेषज्ञों और अन्य को धन मुहैया कराएगी।

एक करोड़ शहरी गरीब तथा मध्यम वर्गीय परिवारों के आवास के लिए 2.2 लाख करोड़ रु. की सहायता

एजेंसी/नई दिल्ली

सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत एक करोड़ शहरी गरीब तथा मध्यम वर्गीय परिवारों की आवास आवश्यकता को पूरा करने के लिए अगले पांच वर्षों में 2.2 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता की घोषणा की तथा सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए ब्याज सब्सिडी का प्रस्ताव रखा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा, पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के तहत 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश से एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आवास जरूरतों को पूरा किया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बजट आवंटन में ढ़ाई प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी: वित्त वर्ष 2024-25 के लिए महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) मंत्रालय के केंद्रीय बजट में ढाई प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी की गयी है। मंत्रालय के लिए बजट में 26,092 करोड़ रुपये के प्रावधान किये गये हैं, जबकि पिछले वित्त वर्ष में संशोधित बजट राशि 25,448 करोड़ रुपये थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि महिला-नीत विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के तहत महिलाओं और लड़कियों से संबंधित योजनाओं के वास्ते तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किये गये हैं।

दिल्ली पुलिस को 11,400.81 करोड़ रुपये किए गए आवंटित

केंद्रीय बजट 2024-25 में दिल्ली पुलिस को 11,400.81 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष से छह प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए दिल्ली पुलिस को आवंटित बजट 11,932.03 करोड़ रुपये (4.45 प्रतिशत की कमी) था। हालांकि, बाद में आवंटन को संशोधित कर 12,128.83 करोड़ रुपये कर दिया गया।

हर साल एक लाख छात्रों को सीधे ई-वाउचर उपलब्ध कराएगी सरकार

एजेंसी/नई दिल्ली

पूर्वोत्तर राज्यों में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की 100 से अधिक शाखाएं स्थापित की जाएंगी। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना तैयार करेंगे। केंद्र सरकार देश के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान होगा। आंध्र प्रदेश को 15,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी, राज्य के पुनर्गठन के बाद से होने वाली वित्तीय कमियों को दुरुस्त करने के लिए राज्य को सहायता दी जाएगी।

केंद्र सरकार हर साल एक लाख छात्रों को सीधे ई-वाउचर उपलब्ध कराएगी, जिसमें ऋण राशि का तीन प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाएगा। सभी औपचारिक क्षेत्रों में नए-नए काम पर आने वाले सभी लोगों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। ईपीएफओ में पंजीकृत किया जाएगा। पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को 3 किस्तों में एक महीने का वेतन प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के तहत 15,000 रुपये तक दिया जाएगा। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत 5,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा, इसके तहत छात्रों को इंटर्नशिप दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। असम में बाढ़ नियंत्रण गतिविधियों के लिए केंद्र वित्तीय समर्थन देगा।



सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भविष्य में दुबारा धांधली ना हो इसके लिए हम दिशा निर्देश करेंगे

सुप्रीम कोर्ट का आदेश... दोबारा नहीं होगी नीट परीक्षा

एजेंसी/नई दिल्ली

नीट-यूजी 2024 धांधली मामले में दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दोबारा परीक्षा के आदेश देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा हम दागी और बेदागी छात्र को अलग कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि जांच के दौरान कोई दागी मिलता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर कोई छात्र इसमें शामिल पाया गया तो उसका दाखिला नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर सबूत नही मिला है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर हम दोबारा परीक्षा का आदेश देते हैं तो छात्रों को पता होना चाहिए कि उन्हें तैयारी शुरू करनी होगी और अगर हम नहीं करते हैं तो उन्हें यह भी जानना चाहिए।



सीजेआई ने कहा कि हम छात्रों को लटकाए नहीं रख सकते। इसलिए हमें सुनवाई आज ही खत्म करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भविष्य में इस तरह दुबारा धांधली ना हो इसके लिए हम दिशा निर्देश करेंगे ।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि मैं बहस के लिए 20-25 मिनट से ज्यादा नहीं लूंगा। अभी पेपर लीक लाभार्थियों का आंकड़ा 155 को पार नहीं करेगा। आईआईटी दिल्ली ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसके भौतिकी विशेषज्ञों की राय है कि एक प्रश्न के लिए सिर्फ एक विकल्प परमाणु विद्युत रूप से तटस्थ होते हैं क्योंकि उनमें समान संख्या में सकारात्मक और नकारात्मक चार्ज होते हैंह्व झ्र सही है। आईआईटी दिल्ली ने कहा कि दूसरा विकल्प प्रत्येक तत्व के परमाणु स्थिर हैं और अपने विशिष्ट स्पेक्ट्रम का उत्सर्जन करते हैं, सही है। NTA ने दोनों विकल्पों में से किसी एक को सही चुनने वालों को पूरे 4 अंक देने का फैसला किया था। करीब 9 लाख उम्मीदवारों ने पहला विकल्प चुना था। जबकि 4 लाख से अधिक ने दूसरा विकल्प चुना था। अब उन्हें 5 अंक (प्रश्न के लिए 4 प्लस 1 नकारात्मक अंक) का नुकसान होगा।

दफादार चौकीदार के हक में आवाज उठा रहे दलित सेना के कार्यकर्ताओं पर बरसीं लाठियां

केटी न्यूज/पटना

रामविलास पासवान की पुरानी विंग दलित सेना के कार्यकर्ता दफादार चौकीदार के आश्रितों को बहाली और दफादार चौकीदार की बहाली में प्रक्रिया पहले की तरह करने की मांग को लेकर मंगलवार सड़क उतरे। विधानसभा घेराव के लिए कार्यकर्ता गांधी मैदान के कारगिल चौक से निकले थे, लेकिन जेपी गोलंबर पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। काफी देर तक हंगामा करने के बाद अंत में पुलिस ने बल प्रयोग कर लाठीचार्ज किया, जिसमें दलित सेना के एक कार्यकर्ता घायल हो गए।



कार्यकताओं की मांग है कि दफादार चौकीदार की बहाली में 90% से ज्यादा पासवान समाज के लोग रहते हैं, लेकिन अब उसकी बहाली की प्रक्रिया जटिल कर दी गई है। उसे समाप्त करके पहले की तरह बहाली किया जाए। साथ ही जो दफादार चौकीदार की जो आश्रित हैं, उनको भी बहाल किया जाए। यह मांग पासवान समाज के लोग काफी पहले से उठते रहे हैं।

कुछ दिन पहले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इसी मुद्दे को लेकर मिले थे और आज दलित सेना के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। अपनी मांग को लेकर ये लोग विधानसभा का घेराव करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं कर सके. बीच में ही दलित सेना के कार्यकताओं और पुलिस में झड़प हो गई। पुलिस इन्हें रोकने लगी तो कार्यकर्ता विधानसभा जाने के लिए आगे बढ़ने लगे और बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने इन पर लाठियां बरसा दीं, जिसमें एक बुजुर्ग कार्यकर्ता घायल हो गए उनके सिर से खून निकलने लगा, किसी तरह उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बता दें मंगलवार को बिहार की राजधानी पटना में हंगामें का दिन रहा. सड़क से लेकर सदन तक बवाल मचा रहा। उधर सदन में मानसून सत्र के दौरान बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर विपक्ष की विधानसभा में नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी होती रही तो इधर सड़क पर पासवान समाज के लोग अपनी मांगों के लेकर विधानसभा घेराव पर अड़े रहे और जोरदार प्रदर्शन किया। होम गार्ड अभ्यर्थी, दफादार चौकीदार, और पासवान समाज के लोगों ने पटना के कारगिल चौक पर जमकर हंगामा किया।



वहीं छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) के कार्यकर्ता ने भी मंगलवार दोपहर अपनी मांगों के लिए जेपी गोलंबर पर प्रदर्शन किया। अग्निवीर योजना और नीट परीक्षा रद्द करने की मांग के लिए प्रदर्शनकारी विधानसभा जाने की मांग कर रहे थे। उन्हें भी पुलिस ने जेपी गोलंबर पर रोक दिया। इससे प्रर्दशनकारी उग्र हो गए और पुलिस से भिड़ गए। छात्र नेता और कार्यकताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। जिसके बाद पुलिस ने उनपर भी लाठियां चटकाईं। आंदोलनकारी कौशल रंजन ने बताया कि जब तक सरकार नीट रद्द नहीं करेगी और अग्निवीर योजना को समाप्त नहीं की जाएगी तब तक वे चुप नहीं बैठेंगे।

दूसरे दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ी बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र की कार्यवाही

विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर झुनझुना लेकर सदन पहुंचे राजद नेता

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र की कार्यवाही मंगलवार को शुरू होने के साथ ही विपक्षी सदस्य बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर बैनर-पोस्टर लहराने लगे। स्पीकर नंद किशोर यादव ने हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों को समझाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि समय मिलने पर विपक्षी सदस्य अपनी बातों को सदन में रख सकते हैं। लेकिन विपक्षी सदस्य सदन में कागज लहराते रहे और नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। स्पीकर नंद किशोर यादव विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सदन में इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

वहीं संसदीय कार्यमंत्री विजय चौधरी ने कहा कि विपक्षी सदस्यों के हर सवाल का जवाब देने के लिए सरकार तैयार है। लेकिन हंगामा जारी रहने के कारण स्पीकर ने 11.15 मिनट पर सदन की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले मॉनसून सत्र के दूसरे दिन भी सदन की



शुरूआत विपक्ष के हंगामे के साथ हुई। विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर विपक्ष ने सत्र की शुरूआत से पहले पोर्टिको के बाहर जमकर हंगामा किया। विपक्षी विधायक हाथ में झुनझुना लेकर आए और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता शकील अहमद ने कहा केंद्र की तरफ से बिहार सरकार को झुनझुना थमाया गया है। उन्होंने कहा बिहार की जनता और सरकार दोनों के साथ केंद्र ने धोखा किया है।

इधर राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने भी केंद्र सरकार पर बिहार को ठगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा बिहार को विशेष राज्य के दर्जे से कम कुछ भी नहीं चाहिए। यह बिहार की मांग है जिसे केंद्र को पूरा करना चाहिए।

इधर, आलोक मेहता ने भी सदन के बाहर पोर्टिको झुनझुना के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे विधायकों का साथ दिया। राजद विधायक ने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा बिहार की जरूरत है। लेकिन केंद्र की तरफ से आश्वासन दिए जाने के बाद भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया गया। आलोक मेहता ने कहा कि केंद्र की तरफ से किए गए इस व्यवहार की वह भर्त्सना करते हैं।

हम विशेष राज्य के दर्जे की मांग से इंच भर भी पीछे नहीं हटेंगे: तेजस्वी यादव

जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा बिहार को विशेष दर्जा की मांग को केंद्र सरकार ने सिरे से ठुकरा दिया। इसके बाद केंद्र सरकार ने बजट पेश किया जिसमें बिहार को लगभग 49 हजार करोड़ का स्पेशल पैकेज मिला है। बजट आने के बाद तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि आज के बजट ने बिहार के लोगों को फिर निराश किया है। बिहार को प्रगति पथ पर ले जाने के लिए एक रिवाइवल प्लान की जरूरत थी और जिसके लिए विशेष राज्य के दर्जे के साथ विशेष पैकेज की सख़्त जरूरत है। रूटीन आवंटन तथा पूर्व स्वीकृत, निर्धारित व आवंटित योजनाओं को नई सौगात बताने वाले बिहार का अपमान ना करें। पलायन रोकने, प्रदेश का पिछड़ापन हटाने तथा उद्योग धंधों के साथ साथ युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए हम विशेष राज्य के दर्जे की मांग से इंच भर भी पीछे नहीं हटेंगे।

पटना में बेखौफ अपराधियों ने दो युवकों को गोली मारकर किया घायल, हालत गंभीर

केटी न्यूज/पटना

पटना में बेखौफ अपराधियों ने दो युवकों को गोली मारकर घायल कर दिया है। घटना दीघा थाना क्षेत्र के राम जी चौक की है। घायलों में एक की पहचान नासरीगंज निवासी राजू के रूप में की गई है जबकि दूसरे की पहचान दीघा बाटा के निवासी नीरज कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में दीघा थानाध्यक्ष ब्रज किशोर सिंह ने बताया कि टेम्पू स्टैंड के पास दो बाइक सवार आये और दनादन राजू और नीरज पर गोली बरसाने लगे। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। गोली चलते ही राजू और नीरज भागने लगे, लेकिन अपराधी उन्हें खदेड़कर गोली मार दिया। गोली लगते ही दोनों गिर पड़े। तबतक आसपास के लोग उधर दौड़ पड़े। लोगों को अपनी ओर आते देख अपराधी वापस पीछे की ओर पलटकर वहां से फरार हो गये।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना दीघा थाना की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आननफानन में दोनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। थानाध्यक्ष ब्रज किशोर सिंह ने बताया कि दोनों की हालत गंभीर है।



रोहतास जिले में छापामारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर हमला, एक जवान घायल

- सासाराम मुफस्सिल थानाक्षेत्र के तारगंज की घटना, शराब माफियाओं ने जमकर बरसायी गोली
- गोली लगने से घायल जवान को इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया

केटी न्यूज/सासाराम

बिहार के रोहतास जिले में शराब बेचने की सूचना पर छापामारी करने गई उत्पाद विभाग की पुलिस पर शराब माफियाओं ने हमला कर दिया और जमकर फायरिंग भी की। गोलीबारी में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, घटना सासाराम मुफस्सिल थानाक्षेत्र के तारगंज की है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि मुफस्सिल थानाक्षेत्र के तारगंज में कुछ लोग शराब बेचने और खरीदने का काम कर रहे हैं। इसी सूचना पर जब टीम वहां पहुंची तो शराब बेचने वाले लोग एकजुट हो गए और पुलिस के साथ बदसलूकी करने लगे। जब उत्पाद विभाग की टीम सख्ती दिखाने की कोशिश की तो माफियाओं ने ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी।

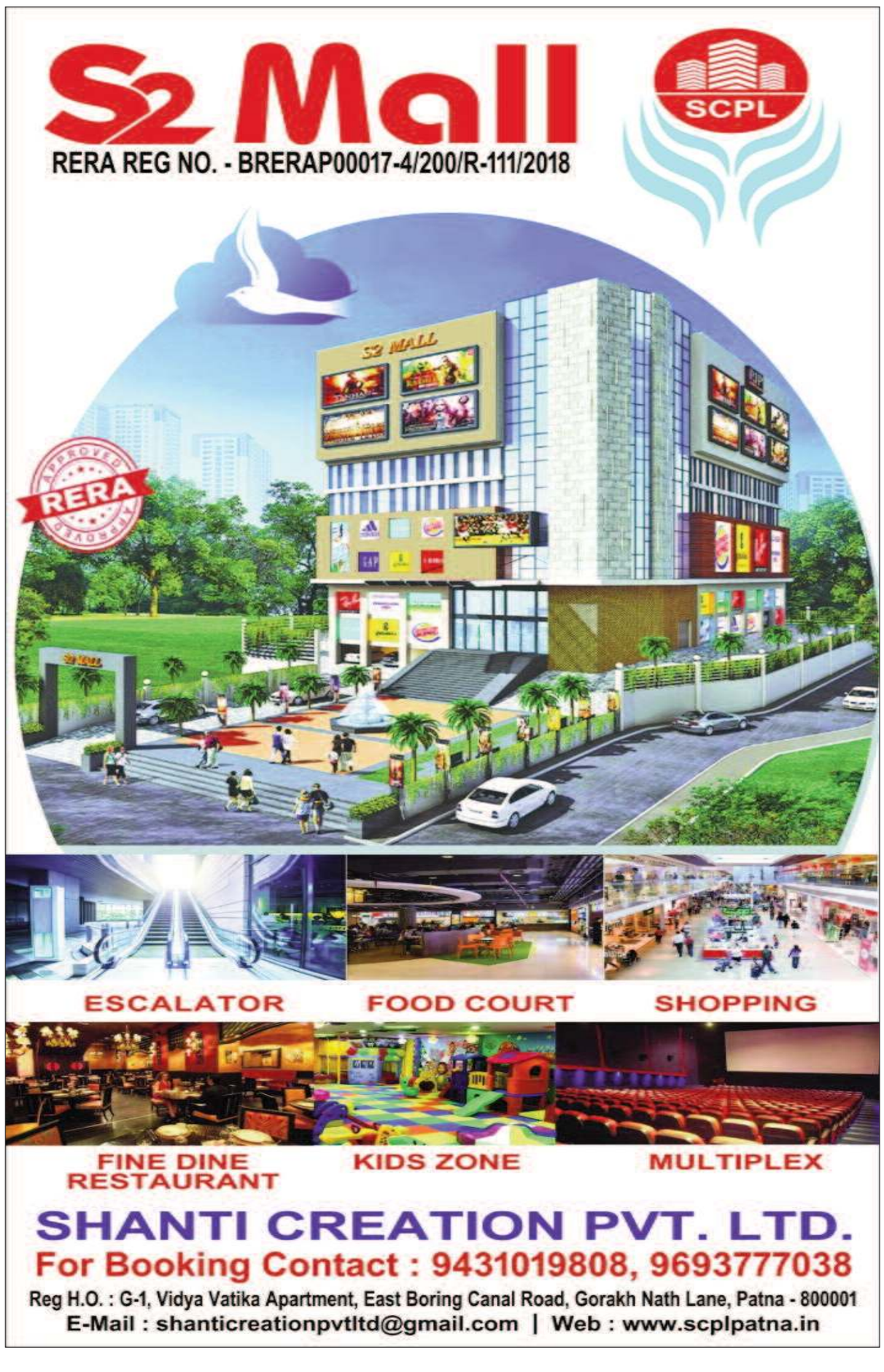


गोली लगने से उत्पाद विभाग का एक जवान गोविंद कुमार घायल हो गया।

गोली लगने के बाद जवान को इलाज के लिए सासाराम के सदर अस्पताल लाया गया है। डॉक्टर का कहना है कि गोली सिपाही के बाएं कंधे में फंसा हुआ है, जिसके बाद उसे इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया है। घायल जवान गोविंद कुमार भोजपुर जिला के आरा का रहने वाला है। बता दें कि जिले में पुलिस पर हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पिछले महीने अपराधियों ने दरिगांव थानाक्षेत्र में एक पुलिस को गोली मार दी थी। वहीं दो-तीन दिन पहले भी डेहरी थानाक्षेत्र में बाइक सवार युवकों की गैंग ने शराब की जांच कर रहे पुलिसकर्मियों पर लाठी डंडों से हमला कर दिया था।

खगड़िया में चाची ने 3 माह के एक मासूम की कर दी हत्या

पटना। खगड़िया जिले में तीन महीने के एक मासूम बच्चे की उसकी चाची ने हत्या कर दी। जबकि इस घटना में एक महिला भी घायल हुई है। यह घटना मंगलवार सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। बेलदौर थाना क्षेत्र के दिघौन गांव निवासी मोहम्मद अफजल और उसके भाई के बीच जमीन विवाद था। इसे लेकर दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होती थी। परिजन ने बताया कि मंगलवार को मासूम बच्चे मोहम्मद् सुहेल को उसकी मां नजनी खातून बिछावन पर सुलाकर घर के काम में लगी थी। इसी बीच उसके देवर मो. सज्जाम की पत्नी नविदा खातून ने मासूम का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में बेलदौर थाना प्रभारी परेंद्र कुमार ने बताया कि इस संबंध में नामित लोगों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, बच्चे की मौत की सूचना के बाद दोनों भाई के परिवारों में मारपीट भी हुई। उसमें मृतक बच्चे की मां के भी घायल होने की सूचना है।



शिक्षा विभाग के अपर सचिव ने सभी क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, डीइओ और डीपीओ को दिया आदेश

सभी नियमित और संविदा कर्मियों के वेतन का भुगतान 8 तारीख तक करें, नहीं तो होगी कार्रवाई

केटी न्यूज/पटना

बिहार के शिक्षा विभाग के अपर सचिव संजय कुमार द्वारा सभी क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, डीइओ और डीपीओ को आदेश दिया गया है कि वे अपने कार्यालयों में कार्यरत सभी नियमित और संविदा कर्मियों का वेतन/मानदेय का भुगतान संगत माह के प्रथम 08 कायार्लीय दिवसों में कराना सुनिश्चित करें। बता दें कि इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर सचिव संजय कुमार ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया कि विभाग में कार्यरत नियमित एवं ऑउटसोर्सिंग (संविदा) पर कार्यरत कर्मियों से प्रायः यह शिकायतें प्राप्त हो रही है कि उनका वेतन / मानदेय बिना समुचित कारणों के आपके द्वारा कई महीनों तक लंबित रखा जा रहा है।

आवंटन की अनुपलब्धता के अतिरिक्त अगर किन्हीं अन्य कारण से किसी भी कर्मी का वेतन लंबित रखा जाता है तो जितनी राशि का भुगतान लंबित है, उस पर सूद की देयता सहित सम्पूर्ण जवाबदेही संबंधित पदाधिकारी/ आउटसोर्सिंग एजेंसी पर निर्धारित करते हुए समुचित दंडात्मक/ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। यदि आपके कार्यालय में आवंटन का अभाव हो तो समय रहते इसकी माँग संबंधित निदेशालय एवं विभागीय बजट शाखा से करना सुनिश्चित करेंगे ताकि समय से वेतन / मानदेय का भुगतान किया जा सके। आगे पत्र में लिखा गया है कि आपको निर्देश दिया जाता है कि आप अपने कार्यालय में कार्यरत सभी नियमित कर्मियों के साथ-साथ संविदा पर कार्यरत कर्मियों के वेतन/मानदेय का भुगतान संगत माह के प्रथम 08 कायार्लीय दिवसों में कराना सुनिश्चित करें।

शिक्षकेत्तर कर्मियों के आवेदनों को लटकाने पर नाराजगी

पटना। बिहार शिक्षा विभाग ने पत्र के माध्यम से नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मियों से प्राप्त आवेदनों को पंजीकृत करते हुए उक्त आवेदनों पर प्राप्ति के क्रमानुसार कार्रवाई करने एवं कृत कार्रवाई का विवरण पंजीकरण नहीं होता है। विशेषकर मातृत्व अवकाश, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, बकाया वेतन भुगतान एवं सेवांत लाभ के भुगतान जैसे वित्तीय मामलों से संबंधित आवेदनों को लंबे समय तक अन्यान्य कारणों/गलत मंशा से लटका कर रखा जाता है। बिहार में शिक्षा विभाग के अपर सचिव सह निदेशक संजय कुमार ने सभी क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, डीइओ और डीपीओ को आदेश दिया है। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि अनुचित अपेक्षाओं की पूर्ति के उपरांत अचानक संदेहास्पद रूप से एक ही दिन में आवेदन का उपस्थापन उनकी स्वीकृति एवं उसी दिन भुगतान कर दिए जाने का मामला उच्च स्तर पर विभाग के संज्ञान में आया है। जबकि यह आवेदन उनके पास महीनों से अलमारी में बंद पड़े थे। यह पिक एंड चूज कर संदेहास्पद कारणों से मामलों को निष्पादित करने का स्पष्ट प्रमाण है।



ओआरएस है जीवन रक्षक घोल, बचाती है लोगों की जिंदगी: प्रभारी जिलाधिकारी

- डायरिया उन्मूलन अभियान के तहत जिले में 23 जुलाई से 22 सितंबर तक चलेगा स्टॉप डायरिया कैंपेन

केटी न्यूज/बक्सर



शिशु मृत्यु दर को शून्य स्तर पर लाने का है उद्देश्य

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने बताया कि डायरिया के प्रसार को कम करते हुए इससे होने वाली शिशु मृत्यु दर को शून्य स्तर पर लाने के उद्देश्य से वर्ष 2024 में आयोजित दस्त रोकथाम अभियान का शुरू हो चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत शिशु दस्त को शून्य स्तर तक लाने के लिए जिले में दो माह तक दस्त रोकथाम अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान जिले के 0 से 05 वर्ष तक के सभी बच्चों को ओआरएस पैकेट्स का वितरण करते हुए अभियान के दौरान दस्त से ग्रसित बच्चों को फ्रंटलाइन वर्कर्स के माध्यम से जिंक की गोलियां उपलब्ध कराई जाएगी। जिसका उपयोग करते हुए संबंधित बच्चे डायरिया बीमारी ग्रसित होने से सुरक्षित रह सकते हैं।

कम उम्र के बच्चों को ओआरएस का घोल पिलाकर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान यूपीएचसी में उपस्थित लोगों और लाभुकों को जीएनएम की छात्राओं के द्वारा ओआरएस घोल तैयार करने के साथ साथ हाथों की अच्छे से सफाई करने की विधि भी बताई गई। ताकि, लोग उन विधियों का अनुसरण कर स्वयं के साथ अपने परिजनों को डायरिया की चपेट में आने से बचा सकें।

इस क्रम में प्रभारी जिला पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त डॉ. महेंद्र पाल ने कहा कि सरकार लोगों विशेषकर बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए घर घर ओआरएस के पैकेट का वितरण करा रही है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि सुदूर ग्रामीण इलाकों में लोगों को ओआरएस के पैकेट नहीं मिल पाते। ऐसी स्थिति में वो अपने घर में ओआरएस का घोल तैयार कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें चीनी व नमक को पानी में अच्छे से घोलना होगा। जिसका इस्तेमाल हमारे पूर्वज कई सदियों से कर रहे हैं।

डायरिया से बचाव के लिए साफ सफाई जरूरी : प्रभारी जिला पदाधिकारी डॉ. महेंद्र पाल ने बताया कि डायरिया एक संक्रामक बीमारी है। जहां कहीं भी गंदगी होती है वहां इसके कीटाणुओं का वास रहता है। इसके साथ सफाई नहीं रहने के कारण भी इस यह बीमारी तेजी से फैलता है। जिसमें कई जानें भी चली जाती है। इस बीमारी में दस्त अधिक होता है। इसके साथ उल्टी भी होती है। धीरे-धीरे शरीर से पानी कम होता जाता है। डायरिया से बचने के लिए स्वच्छता जरूरी है। गर्मी या किसी भी मौसम में बासी खाना नहीं खाएं। पानी व भोजन सामग्री को ढंक कर रखें। जहां खाना बनता हो वहां सफाई रखें। जिससे वहां इसके कीड़े पनप नहीं सके। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, यूनिसेफ के एसएमसी कुमुद मिश्रा, यूएनडीपी के कोल्ड चेन मैनेजर मनीष कुमार सिन्हा, सदर प्रखंड के स्वास्थ्य प्रबंधक प्रिंस कुमार सिंह, सदर प्रखंड के बीएमएनई रवि श्रीवास्तव, चंदन कुमार, दीपक कुमार, जीएनएम ममता कुमारी, संध्या कुमारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

जिले के गंगा घाटों पर उचित सुरक्षा व्यवस्था की उठी मांग

बक्सर। भोजपुरी जनविकास परिषद के संयोजक व वरिष्ठ भाजपा नेता पुनीत सिंह ने जिला पदाधिकारी बक्सर को एक पत्र देकर मांग किया है कि पवित्र सावन माह की शुरूआत हो चुका है। बक्सर रामरेखा घाट, नाथबाबा घाट सहित अन्य घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण जिले के कोने कोने से गंगा जल उठाव को लेकर आते है। यही नहीं सावन माह में यहां रामेश्वर नाथ मंदिर में पूजा करने के लिए नेपाल सहित अन्य जिलों से भी लोग आते है। जिसके कारण गंगा घाटों पर काफी भीड़ रहता है। जिसके कारण कभी भी अप्रिय घटना घटने की सम्भावना बनी रहती है। उन्होंने डीएम से रामरेखा घाट, नाथबाबा घाट सहित सभी घाटो पर लाईफ जैकेट, रस्सी एवं ट्यूब के साथ सुरक्षा बल की व्यवस्था करने की मांग किया है। ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

चोरी से बिजली जलाते पकड़े गए तीन धराए, लगा जुर्माना

नावानगर। बिजली कंपनी के अधिकारी ने लगातार बिजली चोरी करने वाले पर कार्रवाई के लिए छापेमारी करने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी के तहत केसठ जेई अवनीश कुमार ने बैजनाथपुर गांव में छापेमारी किया। जहां तीन लोग चोरी से बिजली जलाते पकडे गए। पकड़े गए सभी लोग मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करने की जेई ने आरोप लगाया है। साथ ही सभी पर जुमार्ना की राशि निर्धारित कर नावानगर थाना में नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। जेई ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बैजनाथपुर गांव में कुछ लोग गलत तरीके से बिजली का उपभोग कर रहे है। सूचना पर तत्काल मानव बल बृजबिहारी सिंह, विश्वामित्र सिंह व राजेंद्र कुमार के साथ छापेमारी किया गया। छापेमारी के दौरान तीन लोग बिजली चोरी करते पकड़े गए। जेई ने बताया कि पकड़े गए लोगों में विशम्भर तिवारी पर 9248 रुपए, कश्मीरा देवी पति भरत तिवारी पर 9519 रुपए तथा विरेन्द्र यादव पर बकाया समेत 28874 रुपए की जुमार्ना लगाते हुए नावानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया है।

अपर समाहर्ता ने चौगाईं अंचल का किया निरीक्षण, कई मामलों पर जताई नाराजगी

दाखिल खारिज के लंबित मामलों को देख एडीएम ने लगाई सीओ की क्लास

- 63 दिनों से अधिक समय से दाखिल खारिज के 55 मामले लंबित
- एडीएम ने सीओ को तय समय में लक्ष्य पूरा करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/चौगाईं



अपर समाहर्ता के निर्देश के बाद चौगाईं में जगी अंचल व प्रखंड कार्यालय भवन की आस

निरीक्षण के दौरान एडीएम कुमारी अनुपम सिंह ने सीओ को अंचल कार्यालय व प्रखंड कार्यालय भवन निर्माण के लिए भूमि चयन कर इसका रिपोर्ट देने का निर्देश दे चौगाईं में प्रखंड व अंचल कार्यालय के लिए नये भवन निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। बता दें कि चौगाईं प्रखंड व अंचल कार्यालय अबतक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की जमीन में संचालित किया जाता है। प्रखंड व अंचल कार्यालय का अपना जमीन नहीं होने के कारण वहां कई भवनों का निर्माण नहीं किया जा सका है। जिस कारण प्रखंड व अंचल कर्मियों के साथ ही प्रखंडवासियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इसके लिए डीएम के निर्देश पर पूर्व में भी प्रयास हुआ था। लेकिन जिस जमीन का चयन सीओ ने किया था, उसके कुछ रैयत जमीन का एनओसी देने में आनाकानी कर रहे है। जिससे अबतक जमीन का चयन नहीं हो पाया है। हालांकि अपर समाहर्ता के निर्देश के बाद अब इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही चौगाईं अंचल व प्रखंड कार्यालय के लिए अपना भवन होगा। एडीएम के सामने सीओ गौतम कुमार ने कहा कि जल्दी ही जमीन का चयन कर इसकी रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इस खबर के बाद प्रखंडवासियों की खुशी बढ़ गई है।

आधार सीडिंग के लिए सप्ताह में तीन दिन आयोजित करें कैंप : निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने पाया कि आधार सीडिंग में मात्र 71 प्रतिशत रैयतों का आधार सीडिंग ही किया गया है। उन्होंने शत प्रतिशत आधार सीडिंग कराने के लिए सप्ताह में तीन दिन कैंप आयोजित कर लक्ष्य प्राप्त करने को कहा। जबकि, आम जनता को इसकी जानकारी दे उन्हें जागरूक करने के लिए त्वरित गति से प्रचार प्रसार कराने का निर्देश दिया गया। लगान वसूली के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध केवल 17 प्रतिशत की वसूली की गई है। अपर समाहर्ता ने विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली करने का निर्देश सीओ को दिया।

पंजी एवं लॉग बुक के संधारण में मिली गड़बड़ी : अपर समाहर्ता का यह निरीक्षण पूर्व निर्धारित था। बावजूद अंचल प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था। पंजी एवं लॉग बुक का संधारण सही ढंग से नहीं किया गया है। प्रभारी प्रधान लिपिक एवं अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि इसका संधारण सही ढंग से करेंगे। परिमार्जन संबंधी मामले में प्राप्त ऑनलाइन आवेदन को साक्ष्य के साथ निष्पादन कराने को कहा गया। साथ ही साक्ष्य नहीं रहने की स्थिति में साक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश भी अपर समाहर्ता ने सीओ को दिया।

33 भूमिहीन परिवारों को ही दिया गया है पर्चा : जांच के क्रम में अभियान बसेरा 2 के निरीक्षण के दौरान यह जानकारी मिली कि 67 चिन्हित भूमिहीन परिवार के विरुद्ध 33 लोगों का पर्चा निर्गत किया गया है। शेष पर्चा निर्गत करने का निर्देश दिया गया। जिसमें 19 पर्चा वासगीत के तहत एवं 14 पर्चा अनावाद बिहार सरकार के तहत भूमि सुधार उपसमाहर्ता डुमरांव एवं एसडीओ डुमरांव द्वारा स्वीकृति प्राप्त है। एडीएम ने अंचलाधिकारी चौगाई को निर्देशित किया कि अनावाद सर्वसाधारण की भूमि का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर अग्रेतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।

अतिक्रमण नहीं हटावाने पर सीओ से शो कॉज : लोक भूमि अतिक्रमण में अंचल अधिकारी द्वारा रुचि नहीं लेने के कारण अंचल अधिकारी को स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। ई मापी के द्वारा प्राप्त आवेदनों का निष्पादन ससमय करने का निर्देश दिया गया। अंचलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि अंचल चौगाई सह प्रखंड कार्यालय निर्माण के लिए भूमि संबंधित प्रस्ताव तत्काल भेजना सुनिश्चित करेंगे।

एनएच 922 पर दो टेलर में हुई टक्कर एक के चालक की इलाज के दौरान मौत

केटी न्यूज/बक्सर

एनएच 922 पर एक दो टेलर की टक्कर में एक टेलर चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसका इलाज के दौरान मौत हो गई है। घटना मंगलवार की सुबह कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के लेवाड़ गांव के पास की है। मृत टेलर चालक यूपी के अंबेडकर नगर जिले के राजे सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के मोलनपुर गांव निवासी सुखन राम पाल का 30 वर्षीय पुत्र सूर्यभान कुमार है।

मिली जानकारी के अनुसार वह कोईलवर से बालू लाद अंबेडकर नगर जा रहा था। इधर लेवाड़ गांव के पास एनएच पर पहले से एक टेलर खड़ी थी। जैसे ही सूर्यभान लेवाड़ के पास पहुंचा कि उसे झपकी आ गई तथा वह खड़ी टेलर में पीछे से टक्कर मार दिया। जिस वक्त यह हादसा हुआ उस वक्त टेलर की स्पीड बहुत अधिक थी। जिस कारण उसका इंजन आगे वाली टेलर के पिछले हिस्से से चिपक गया तथा चालक उसमें फंस गया। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच टेलर के इंजन में फंसे चालक को बाहर निकाल इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव पहुंचाई। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद उसकी बिगड़ती हालत को देख सदर अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन, वहा इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस द्वारा उसके परिजनों को इस घटना की जानकारी दी गई है। हालांकि, शाम तक इस मामले में किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी।

बैठक में अनुपस्थित रहने पर एसडीओ ने बीईओ का एक दिन का काटा वेतन

केटी न्यूज/बक्सर



चौसा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीडीओ कार्यालय में मंगलवार को एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय समन्वयक समिति की बैठक आयोजित की गई। जहा बैठक में विभिन्न योजनाओं व कार्य प्रणाली पर सबंधित सभी विभागों की समीक्षा की गई। वही, अनुपस्थित रहे बीईओ पर शो-कार्य करते हुए एक दिन का वेतन काटे जाने का निर्देश दिया।

बैठक में मुख्य रूप से आयुष्मान जन आयोग्य पर फोकस रहा। उन्होंने कहा इस योजना से सभी लाभार्थियों को जोड़ते हुए हेल्थ कार्ड बनवाने हेतु गांव-गांव में जन-जागरूकता फैलाया जाय। ताकि योजना से कोई वंचित न रह पाए। इस कार्य मे सभी आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदियों तथा पंचायत स्तरीय अन्य कर्मियों को अभियान से जोड़ने हेतु पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को विभागीय कार्यों को ससमय पूरा करने को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कार्यो में कोताही व लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। इसलिए सभी लोग अपने कार्यो व दायित्वों पर ध्यान दे। वही, बैठक से अनुपस्थित रहे प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया गया। बैठक में बीडीओ अशोक कुमार, सीओ आरती कुमारी, पीओ, प्रवीण कुमार, प्रखंड संख्याकि पदाधिकारी विकास पांडेय सहित प्रखंड स्तरीय अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

काम का इनाम : परिवार नियोजन में बेहतर करने वाले डुमरी मुखिया को राज्य स्वास्थ्य मंत्री ने किया सम्मानित

पुरुष नसबंदी व महिला बंध्याकरण में जिले में अव्वल रहा सिमरी प्रखंड

- मुखिया ने प्रखंड में परिवार नियोजन के क्षेत्र में किया बेहतर प्रयास

केटी न्यूज/सिमरी



जिले के अन्य प्रखंडों से रहा बेहतर आंकड़ा

जिला सामुदायिक उत्प्रेरक हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि इस वर्ष सिमरी प्रखंड के 77 पुरूषों का नसबंदी हुआ है तथा 476 महिलाओं का बंध्याकरण आऑपरेशन भी कराया गया है, जो जिले के अन्य प्रखंडों से बेहतर आंकड़ा है। परिवार नियोजन के क्षेत्र में डुमरी मुखिया को मिला सम्मान बक्सर जिला के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है। उन्होंने न सिर्फ स्वास्थ्यकर्मियों को सहयोग करते है बल्कि हर महीने आशा व एएनएम की बैठक कर उन्हें लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित भी करते है। उनके प्रयासों का नतीजा है कि पिछले वर्ष जिले में पुरूष नसबंदी व महिला बंध्याकरण में सिमरी प्रखंड का स्थान अव्वल रहा है। जिसका श्रेय डुमरी मुखिया प्रेम सागर कुंवर को जाता है।

बढ़ती आबादी के बोझ को कम करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा युद्ध स्तर पर परिवार नियोजन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में महिला बंध्याकरण व पुरूष नसबंदी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों को भी इसका सहभागी बनाया जा रहा है। कई पंचायत प्रतिनिधि न सिर्फ अपने पंचायत में बल्कि पूरे प्रखंड में जागरूकता अभियान में बेहतर काम कर रहे है। इसी कड़ी में सिमरी प्रखंड के डुमरी पंचायत के मुखिया प्रेम सागर कुंवर का नाम भी शामिल है। उन्होंने न सिर्फ अपने पंचायत बल्कि पूरे प्रखंड में परिवार नियोजन के क्षेत्र में बेहतर भूमिका निभाते हुए फ्रंट लाईन वर्करों, आशा कार्यकर्ता, एएनएम, बीसीएम समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को हमेशा सक्रिय सहयोग किया है। इस कारण उन्हें राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत किया गया है। सोमवार को बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने परिवार नियोजन संबंधी कार्यों में उनकी सकारात्मक भूमिका एवं सहयोग के लिए सम्मानित किया है।

वहीं, इस संबंध में मुखिया प्रेम सागर कुंवर ने बताया कि हमारे देश की आबादी चीन से भी अधिक हो गई है। यह सोंचनीय विषय है। यदि हम अभी से नहीं जागरूक हुए तथा परिवार नियोजन को नहीं अपनाएंगे तो आने वाले समय में बढ़ती आबादी के कारण कई संकटों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने जिलेवासियों को परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने तथा छोटा परिवार सुखी परिवार की परिकल्पना को साकार करने की अपील की। वही, उन्हें राज्य स्तर पर सम्मान मिलने के बाद प्रखंड सहित जिलेभर के पंचायत प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी है।

एक नजर

जन शिक्षण संस्थान में आयोजित हुई मेंहदी प्रतियोगिता, प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर



बक्सर। मंगलवार को जन शिक्षण संस्थान बक्सर के मुख्य कार्यलय में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए नगर थाना की सब इंस्पेक्टर जूही कुमारी ने कहा कि सावन में मेंहदी लगाना एवं बाग में झूले पर कजरी का गायन हमारी सदियों पुरानी परंपरा में है। उन्होंने इस प्रयास के लिए जन शिक्षण संस्थान के प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि परंपरा को मजबूती देना हम सबका दायित्व बनता है। साथ ही जन शिक्षण संस्थान बक्सर के संस्थापक चेयरमैन निर्मल कुमार सिंह ने कहा कि मेंहदी सकारात्मक भावनाओं और सौभाग्य का प्रतीक है। इसमें रोगाणुरोधी और सूजनरोधी गुण होते हैं। मेहंदी न सिर्फ आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाती है बल्कि हमारी संस्कृति में भी अहम भूमिका निभाती है। यह हमारे जीवन में खुशियों के आने का प्रतीक माना जाता है, इसीलिए शादी के समय मेहंदी का महत्व देखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि मेहंदी का रंग जितना खिलता है, उतना ही हमारे घर में खुशियां आती हैं। निदेशक मधु सिंह ने कहा कि मेहंदी प्रतियोगिता में केवल मेहंदी की कला की प्रशंसा की ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विनिमय और सराहना का भी एक मंच प्रदान किया। 22 प्रतिभागियों में प्रथम पुरस्कार काजल कुमारी, द्वितीय पुरस्कार, मानसी गुप्ता एवं तृतीय पुरस्कार रोशनी खातून को मिला। विजेताओं के चेहरे पर मुस्कान झलक रही थी। प्रतियोगिता का संचालन कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार ने किया। निर्णायक मंडल में अनुदेशिका कुमारी पिंकी नैनीजोर, पूजा कुमारी दुलहपुर, लड़की खातून नवानगर रही।

9वीं से 12वीं तक की मासिक परीक्षा के दूसरे दिन कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा संपन्न

डुमरांव। स्थानीय शहर के प्लस टू राज हाइस्कूल, सीपीएसस हाइस्कूल, महारानी उषारानी हाइस्कूल सहित क्षेत्र के विभिन्न हाई स्कूलों में वर्ग नवम, दशम व बारहवीं की मासिक परीक्षा सोमवार से प्रारंभ हो गयी हैं। इस दौरान परीक्षा के दूसरे दिन वर्ग नवम व दशम में प्रथम पाली में साइंस व द्वितीय पाली में सोशल साइंस की परीक्षा थी। बारहवीं में प्रथम पाली में गणित की परीक्षा हुई। जबकि द्वितीय पाली में जीव विज्ञान, बिजनेस स्टडीज व भूगोल की परीक्षा हुई। प्रथम पाली की परीक्षा 10 बजे से 11.30 बजे तक व द्वितीय पाली की परीक्षा 12.45 बजे से 2.15 बजे तक संचालित हो रही है। बारहवीं की जांच परीक्षा 29 जुलाई तक संचालित होगी। प्रथम पाली में परीक्षा देकर निकल रहे परीक्षार्थी राजेश्वर कुमार, अनिल कुमार व अमन कुमार ने बताया कि गणित के कुछ प्रश्नों का जवाब देने में परेशानी आयी। साकेत, रुपेश व सोनी ने बताया कि भूगोल के तीन-चार प्रश्नों ने मुश्किल में डाला। वहीं दसवीं के छात्र दुर्गेश कुमार, अभिषेक कुमार व सुशील कुमार ने बताया कि विज्ञान का प्रश्न पत्र थोड़ा कठिन था जबकि सामाजिक विज्ञान में कुछ प्रश्नों का जवाब थोड़ा सोच समझकर देना पड़ा। बोर्ड के दिशा निर्देश के अनुसार सभी केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा हुई। परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर एचएम और वीक्षकों को अलर्ट रहने का निर्देश जारी किया गया है। इस परीक्षा के लिए गोपनीय एजेंसी के द्वारा प्रश्न पत्र मुहैया कराया गया है। जारी निर्देश के अनुसार सभी शिक्षण संस्थानों से मासिक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों की मासिक परीक्षा आयोजित कर पहली अगस्त तक अनिवार्य रुप से परिणाम तैयार कर लिया जायेगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी: डॉ शोभा



डुमरांव। कॉलेज की छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए स्थानीय सुमित्रा महिला कॉलेज के परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत छात्राओं से पौधरोपण कराया गया। इस दौरान छात्राओं ने 50 फलदार और छायादार पौधे लगाये। दरअसल लगातार बढ़ रही वृक्षों की कटाई से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और तापमान में वृद्धि हो रही है। इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी ने लोगों से ह्लएक पेड़ मां के नामह्व अभियान से जुड़ कर एक-एक पेड़ लगाने की अपील की थी। राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के वालेंटियर्स द्वारा संयुक्त रूप से कॉलेज परिसर व आसपास के सड़क किनारे पौधरोपण किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या सह राष्ट्रीय सेवा योजना की अध्यक्ष डॉ शोभा सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी को अपनी मां के नाम पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही लगाए गए पौधे की सुरक्षा के लिए सजग रहने की हिदायत दी गई। देश मे दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है। इसका एकमात्र उपाय है की अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण करना। इस दौरान कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो शंभूनाथ शिवेंद्र ने कहा कि हर एक व्यक्ति अगर एक पौधा लगाएगा तो आने वाले समय में हमारी प्रकृति खुशहाल होगी। पेड़-पौधे से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता रहेगा। मौके पर राष्ट्रीय कैडेट कोर की लेफ्टिनेंट डॉ अमृता सिंह, प्रो डॉ सुभाष चंद्रशेखर डॉ किरण सिंह, ज्योति कुमारी, श्वेता कुमारी, स्वाति कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

पब्लिक साइट, अंजान कॉल व सोशल मीडिया पर न शेयर करें पर्सनल डिटेल: एसडीपीओ

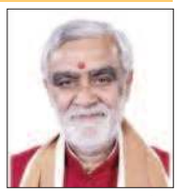
डुमरांव। मंगलवार को डीके कॉलेज में विधि व्यवस्था के विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आज सबसे ज्यादा साइबर क्राइम हो रहे हैं। उन्होंने इससे बचने के लिए टिप्स भी बताए। अंजान फोन कॉल और सोशल मीडिया पर पर्सनल जानकारी शेयर करने से मना किया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी विभिन्न माध्यमों से आपकी निजी जानकारी इक्ट्ठा करते हैं। जिसका उपयोग इंटरनेट पर आपकी झूठी पहचान बनाने में किया जा सकता है। इसलिए किसी भी सार्वजनिक साइट, ब्लॉग या सोशल मीडिया पर निजी जानकारी शेयर न करें। इनमें आईडी, पासवर्ड, बैंक खाता नम्बर और पिन आदि हैं। अपने पासवर्ड को जटिल रखें। विभिन्न साइटों और ऐप्स के लिए अलग-अलग पासवर्ड का प्रयोग करें। ऑनलाइन बैंकिंग या ऑनाइन लेनदेन के लिए कभी भी सार्वजनिक, मुफ्त वाईफाई का उपयोग न करें। साइबर अपराध होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। सिम ब्लाक या एक्सपायर का संदेश प्राप्त होने पर दिये गये नम्बरों पर बात न करें। फोन पर कैश रिवार्ड को अपने खाते में लेने के नाम पर अज्ञात व्यक्ति के बताये हुये नियमों का पालन न करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ राजू मोची ने किया। जबकि संचालन डॉ पूनम मौर्या ने किया। मौके पर डॉ रवि रंजन पांडेय, डॉ उषा रानी, डॉ रमेन्द्र कुमार सिंह, डॉ विनोद कुमार सिंह, डॉ अब्दुल कैश, अवनीश कुमार सिंह, डॉ रामसुभग सिंह, डॉ हरेराम सिंह , डॉ उमेश कुमार व अन्य मौजूद रहे।

नए बजट में बक्सर सहित बिहार को मिली हजारों करोड़ की सौगात, लोगों में छाई खुशी

सत्ता पक्ष ने बक्सर एवं बिहार के लिए बताया सौगात, विपक्ष ने कुर्सी बचाने वाला बजट कहा

बक्सर। मोदी -3 सरकार की नई बजट में बिहार और बक्सर को केन्द्र सरकार ने बड़ी सौगात दी है। खासकर बक्सर को बड़ा लाभ मिला है। बता दें कि नए बजट में बक्सर से भागलपुर तक नए एक्सप्रेस वे को मंजूरी मिलने के साथ ही गंगा नदी पर दो लेन के पुल बनाने की घोषणा की गई है। इसके बाद बक्सर वासियों में खुशी व्याप्त है। इस बजट पर प्रतिक्रया देते हुए सत्ता पक्ष के नेताओं ने जहां इसे बिहार व बक्सर के लिए सौगात बताया है तो विपक्ष ने इस बजट को कुर्सी बचाने वाला कहा है। केशव टाइम्स ने नए बजट पर लोगों की राय शुमारी ली हैं। पेश है उनकी प्रतिक्रियाएं...

बिहार को उसकी उम्मीदों से ज्यादा ही मिला



“ पूर्व केंद्रीय मंत्री सह बक्सर के पूर्व सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट की भरपूर सराहना करते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया है। इस बजट में सामान्य नागरिकों, महिलाओं, युवाओं के साथ टैक्स देने वालों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि बिहार को उसकी उम्मीदों से ज्यादा ही मिला है। उन्होंने कहा कि पूर्व में कई बार सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से गंगा पर अतिरिक्त दो लेन पुल तथा बक्सर से भागलपुर तक एक्सप्रेस वे की मांग की थी जिसे उन्होंने आचार संहिता के पूर्व ही स्वीकृत कर दिया था। इससे बक्सर से भागलपुर तक रोजगार बढ़ेगा।

बुनियादी विकास पर दिया गया विशेष ध्यान



“ वरिष्ठ भाजपा तथा होटल व्यवसायी प्रदीप राय ने नए बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। इस बजट में बिहार की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके तहत बिहार के मानव संसाधन विकास एवं बुनियादी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस बजट में बिहार की सड़क सम्पर्क परियोजनाओं, विद्युत परियोजनाओं, एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेजों और खेलकूद की संरचनाओं के लिये विशेष राशि का प्रावधान किया गया है। साथ ही, बजट में बिहार के पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिये विशेष सहायता की घोषणा की गयी है। बिहार को बाढ़ से बचाव के लिये भी बजट में बड़ा ऐलान किया गया है।

इस बजट के माध्यम से रखी गई मजबूत आधारशिला



“ लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि यह आम बजट अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट है। यह बिहार फर्स्ट की सोच को धरातल पर उतारने वाला बजट है साथ ही देश को विकास व प्रगति के पथ पर ले जाने वाला बजट है। देशवासियों के सपनों को पूरा करने के साथ विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने की मजबूत आधारशिला रखी गई है। जिससे अब देश और तेजी से कदम बढ़ाएगा। इस बजट की भारत के आर्थिक समृद्धि को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस बजट में गरीब, युवा, किसान, मध्यम वर्ग, नारीशक्ति सबका ख्याल रखा गया है। सभी के विश्वास के साथ सबका विकास करते हुए विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देने वाला यह बजट है।

गृहणी के लिए नहीं दी गई है कोई सुविधाएं



“ बजट पर राकांपा (शरद पवार) के बिनोधर ओझा ने कहा कि वर्तमान बजट कुर्सी बचानेवाला बजट है। इस बजट में बिहार के लिए विशेष पैकेज का कितना है यह नहीं बताया गया है। किसानों, छात्रों, नौकरी पेशा की महिलाओं के लिए और न गृहणी के लिए कोई सुविधाएं दी गई है। पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस का मूल्य कम नहीं किया गया है। परीक्षाओं में पेपर लिक नहीं होगा और यूपीएससी की परीक्षाओं में बिना परीक्षा दिये आईएएस बनने से रोकने का कोई उल्लेख नहीं है। महंगाई को कैसे कम किया जाएगा यह भी कुछ नही बताया गया है। बजट में वृद्ध लोगों के लिए भी कुछ नहीं है। यह सिर्फ कुर्सी बचाने वाला बजट है।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज



“ भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डा.राजेश सिन्हा ने आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा 2024 25 का बजट विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत की 5 ट्रिलियन इकोनॉमी के लक्ष्य को पूरा करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का जो आम बजट प्रस्तुत किया है वह बजट सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी तथा 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पों को पूर्ण करने वाला है। 2024-25 का यह बजट मोदी जी के नेतृत्व में छव। सरकार का देशवासियों की आशा,आकांक्षा व विश्वास पूर्ति के संकल्प का प्रतिबिम्ब है।

एक नजर

बजट पर प्रधानमंत्री ने बिहार में विकास कार्य के लिए दी बड़ी सौगात: अर्थशास्त्री डॉ. मनीष



बिक्रमगंज। मंगलवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में बिहार को विभिन्न योजनाओं के तहत 58900 करोड़ रुपये का सौगात मिलते ही अब बिहार में विकास कार्य के चार-चांद लगने की उम्मीद जग गई है। इनमें से 26 हजार करोड़ रुपये का फंड बिहार के अंदर सड़कों का जाल बिछाने के लिए, राज्य में तीन एक्सप्रेस-वे बनाने के लिए बजट पेस राशि खर्च होगी। वहीं, बजट पारित होने पर प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री अर्थशास्त्री डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में बिहार में बाढ़ नियंत्रण के लिए 11500 करोड़ सहित पावर प्लांट के लिए 21400 करोड़ रुपये जारी की गई है। जो बिहार के जनहित में इस बजट को ऐतिहासिक बजट माना जा रहा। इस बार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पारित बजट देश के जनहित में भी सबका साथ-सबका विकास तहत मजबूती प्रदान कर रही है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने बिहार में कई एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज, स्टेडियम, औद्योगिक हब, महाबोधि कॉरिडोर, नालंदा और राजगीर में पर्यटन सुविधा के विकास की घोषणाएं भी कीं। आम बजट को लेकर अर्थशास्त्री डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार के लिए विकास कार्य के लिए विशेष पैकेज देना देश के आजादी काल के बाद बिहार के लिए यह ऐतिहासिक पल है। केंद्र सरकार ने बिहार के विकास के लिए एक से एक योजनाओं के लिए जो राशि स्वीकृत की है। उससे बिहार में विकास के नए रास्ते खुलेंगे। बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार के चौहमुखी विकास के सपने सच होने लगे है।

नहीं रूक रहा स्कूली छात्रों का बस की छत पर चढ़ सफर करना, हादसे को दे रहे न्यौता



डुमरांव। बसों के छतों पर सफर करने का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन बसों की छते छात्रों से भरी रह रही हैं। कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, इस पर प्रशासन मौन बना हुआ है। मंगलवार को स्कूल खुलने का समय हो या स्कूल के छुट्टी होने का इन दोनों समयों पर बसों की छतों पर बच्चे चढ़कर सफर करते हुए दिखाई दिये। कोई एक या दो बच्चे नहीं सफर कर रहे थे, हर बसों के छत पर लगभग दो दर्जन बच्चों की संख्या होगी। सभी बच्चे ड्रेस में मौजूद थे, इससे पता भी चल जा रहा था कि किस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे हैं। प्रशासन की तरफ से इसे रोकने के लिए कोई पहल नहीं किया जा रहा है। विदित हो कि ग्रामीण क्षेत्र से शहर में पढ़ने के लिए आने वाले छात्रों की संख्या काफी ज्यादा है। अधिकांश बच्चे प्लस टू में नामांकित हैं। बच्चे स्कूल आने के वक्त यात्री बसों क छतों पर चढ़ जाते हैं और आपस में मस्ती करते रहते हैं। लोगों का कहना है कि यही मस्ती उनके लिए जानलेवा भी साबित हो सकती है। बस की छतों पर चढ़कर आने वाले बच्चों की बस डुमरांव थाना के पास से भी गुजरती है, लेकिन कोई कुछ कहने वाला नहीं है। लोगों द्वारा इसकी शिकायत स्कूल के प्रबंधन तक को की गई है, लेकिन इस पर लगाम नहीं लग पाया है। लोगों का कहना है कि किसी दिन कोई बड़ा हादसा हो जाएगा तभी प्रशासन की निंद खुलेगी।

सोवां व रेहियां गांव में पांच बिगहा में बनेगा डंपिंग यार्ड, स्थल का हुआ चयन



डुमरांव। शहर में अब डंप नहीं किये जाएंगे कूड़े, नगर परिषद इसके लिए सोवा रेहियां में डम्पिंग यार्ड बनाने जा रहा है। इस डंपिंग यार्ड में नगर में डम्प किये गए कूड़े को भी हटाकर वहीं पर भेजा जाएगा। इसकी प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। इसकी जानकारी चेयरमैन सुनीता गुप्ता व ईओ मनीष कुमार ने देते हुए बताया की एनजीओ को शहर में कूड़ा डम्प नहीं करन के लिये हिदायत दे दिया गया है। साथ ही जो कूड़ा यंत्र-तंत्र फेके गए हैं, उसका भी उठाव कर उसी यार्ड में भेजा जाएगा। मालूम हो की डुमरांव शहर कूड़े के ढेर पर खड़ा है। इसका कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां पर कूड़े को डम्फ नहीं किया गया है। शहर के नहर रोड, नहर गढ्ढा, काव नदी का किनारे, डुमरांव राजवाहा और सिकरौल-डुमरांव राजवाहा, या भागड़ नदी का किनारा हो हर जगह कूड़े को फेंका गया है। कहीं-कहीं तो कूड़ा इतना डम्फ है कि रोड के किनारे फैल प्रदूषण फैला रहे हैं। लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है। इतना ही नहीं उससे निकलने वाले दुर्गंध से भी लोगा काफी परेशान हैं। सोवां रेहियां में जो कूड़ा डम्पिंग यार्ड बन रहा है, वहीं पर कूड़ा से जैविक खाद सहित अन्य उपयोगी सामान बनाए जाएंगे। इसका फायदा सीधे ग्रामीणों को मिलेगा। एक तो उनकों ये रोजगार का अवसर भी मिलेगा और नप को आमदनी बढ़ेगी। इससे बने खाद और सामान की मार्केटिंग भी करेंगे और साइट पर काम करने का मौका भी मिलेगा। ईओ ने बताया की स्थल को फाइनल कर काम शीघ्र शुरू किया जाएगा।

डेहरी को जिला बनाने की मांग के लिए टीम डेहरियंस की एक और पहल



डेहरी। डेहरियंस के सदस्यों ने जिले के नासरीगंज , गोरारी प्रखंड और इतिम्हा में जा कर वहा घूम-घूम कर डेहरी को जिला बनाने के फायदे और आर्थिक मजबूती से संबंधित बातों को नुक्कड़ सभा करके स्थानीय जनता को विस्तृत रूप से बताया प्रखंड के अंतर्गत कई गांव में टीम डेहरियंस के दर्जनों कार्यकताओं ने प्रस्तावित डेहरी को जिला बनाने के लिए मुख्य बाजार चौक चौराहे पर नुक्कड़ सभा करते हुए जनसंपर्क अभियान चलाया। ज्ञात हो की आठ प्रखंड को जोड़कर जिसमें नौहाटा, रोहतास, तिलौथू, डेहरी, अकोदीगोला, नासरीगंज, राजपुर, और काराकाट को शामिल किया गया है जनसंपर्क अभियान के दौरान जनता ने भी इस में टीम को भरपूर सहयोग देने के लिए अस्वस्थ किया चौक चौराहे पर पोस्टर, पर्चा, प्रस्तावित नक्सा का स्टिकर एवं बैनर लगाया गया वही आपको बता दे की डेहरी आज भी बिहार के 21 जिला मुख्यालय से बड़ा है डेहरी क्षेत्रफल में बिहार का 11वां और जनसंख्या में 18 वा सबसे बड़ा शहर है इसी मुद्दे को लेकर के टीम डेहरियंस का कहना है कि इससे कम जनसंख्या एवं छोटे जगह वाले कई शहरों को कुछ साल पहले से ही जिला का दर्जा दिया जा चुका है। टीम डेहरियंस ने अभी हाल ही में कुछ दिनो पहले राजपुर प्रखंड समेत अन्य कई गांव में भी इसी तरीके के एक नुक्कड़ सभा किया था जिसमें लोगों के तरफ से भी बढ़ चढ़कर साथ देने के साथ सकारात्मक आश्वासन दिया गया था।

खबरें फटाफट

किसानों के लिए 16 घंटे बिजली देने के लिए डीएम से की मांग

केसठ। प्रखंड के आत्मा अध्यक्ष सत्येंद्र दुबे उर्फ भूलन दुबे ने किसानों के लिए 16 घंटे लगातार बिजली कृषि फीडर में उपलब्ध कराने को लेकर मांग किया है। उन्होंने कहा कि इस समय नहरों में पानी नहीं है और वर्षा भी नहीं हो रही है,जिससे किसानों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। जिससे उनकी खेती पिछड़ने की संभावना बढ़ गई है। इसके साथ ही फसल की उत्पादन क्षमता भी कमजोर होने की आशंका है। उन्होंने जिलाधिकारी एवं बिजली विभाग वरीय अधिकारियों से किसानों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्हें बिजली की नियमित और अधिकतम आपूर्ति सुनिश्चित कराने को लेकर मांग किया है। उन्होंने कहा कि किसान इस समय कठिनाईयों से गुजर रहे हैं और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए प्रशासन को तत्पर होना चाहिए। किसानों ने भी आत्मा अध्यक्ष की इस मांग का समर्थन किया और प्रशासन से जल्द से जल्द इस दिशा में कदम उठाने की अपील की है।

पैक्स अध्यक्षों के साथ सहायक निबंधक ने की बैठक

काराकाट। काराकाट प्रखंड अंतर्गत बाराडीह पैक्स मुख्यालय पर सहायक निबंधक (सस), बिक्रमगंज अंचल बिरेन्द्र प्रभाकर द्वारा सहकारिता प्रसार पदाधिकारी संजय कुमार मिश्रा एवं राजकु?मार के उपस्थिति में सभी पैक्स अध्यक्षों के साथ बैठक की गई। जिसमें सीएमआर आपूर्ति एवं अन्य विभागीय कार्यों से संबंधित चर्चा की गई। मुख्य रूप से सोनवर्षा पैक्स का 10.14 लौट, मोथा पैक्स का 7.19 लॉट सीएमआर आपूर्ति बकाया रहने पर नाराजगी व्यक्त की गई। साथ हीं सख्त हिदायत दी गई कि ससमय सीएमआर आपूर्ति नहीं करने की स्थिति में संबंधित पैक्स के अध्यक्ष, प्रबंधक के साथ कार्यकारिणी के सदस्यों पर विधि सम्मत प्राथमिकी दर्ज करते हुए विभागीय कार्रवाई की जाएगी। संबंधित वैक्स अध्यक्षों द्वारा 27 जुलाई तक शत-प्रतिशत सीएमआर आपूर्ति करने का आश्वासन दिया गया है। सहायक निबंधक ने आश्वासन दिया कि समिति हित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समितियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उत्साहवर्द्धन किया जाएगा।

दस्त रोकथाम अभियान की हुई शुरूआत, आशा घर घर जाकर बांटेंगी ओआरएस के पॉकेट एवं जिंक की गोलियां

- जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में बनाया गया ओआरएस एवं जिंक कॉर्नर

केटी न्यूज/सासाराम



डायरिया से होने वाले शिशु मृत्यु दर को शून्य करने के लिए मंगलवार को सदर अस्पताल स्थित एमसीएच से दस्त रोकथाम अभियान की शुरूआत की गई। अभियान की शुरूआत अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार सिंह ने जिंक कॉर्नर एवं ओ आर एस कॉर्नर का फीता काटकर किया और उसके बाद एसीएमओ ने जागरूकता रथ को रवाना किया। सरकार प्रत्येक वर्ष सघन दस्त नियंत्रण अभियान चला कर बच्चों को दस्त से बचाव करती है। वही इस वर्ष दस्त रोकथाम अभियान चलाकर दस्त से होने वाली शिशु मृत्यु को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। एसीएमओ डॉ अशोक कुमार ने बताया कि बरसात की शुरूआत होते ही बच्चों में निर्जलीकरण की भी समस्या उत्पन्न हो जाती है ऐसे में निर्जलीकरण को दूर करने के लिए ओ आर एस का घोल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि बच्चों में दस्त होने पर लगातार ओ आर एस के साथ-साथ जिंक की गोली दी जाती है। जिंक की गोली लगातार 14 दिनों तक बच्चों को देना जरूरी हो जाता है। इसके बावजूद यदि बच्चों में लगातार दस्त हो रहा हो तो उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। उन्होंने बताया कि जागरूकता को लेकर जागरूकता रथ भी रवाना किया गया है जो 14 दिनों तक घूम घूम कर दस्त रोकथाम अभियान की जानकारी देगा।

डायरिया के कारण और लक्षण : एसीएमओ ने बताया कि डायरिया होने का मुख्य कारण वायरल या बैक्टीरिया इन्फेक्शन होता है। इसके साथ भी डायरिया के कई अन्य कारण भी हो सकते हैं जिसमें दूषित पानी, दूषित भोजन का इस्तेमाल, तरल आहार लेना, भोजन न पचना भी डायरिया के कारण हो सकते हैं। यदि इस बीमारी के लक्षण की बात करें तो उसमें पानी जैसा मल होना, अत्यधिक मतली आना, पेट में दर्द और सूजन होना, शरीर में पानी की कमी होना, बार बार बुखार आना, पेट में ऐठन होना, दस्त (उलटी) होना डायरिया के लक्षण माने जाते हैं।

घर घर दिया ओआरएस बनाने का डेमो

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ आरकेपी साहू ने बताया कि दस्त रोकथाम अभियान 23 जुलाई से लगातार 2 महीना तक चलाया जाएगा। इस दौरान सभी घरों में ओआरएस की पैकेट का वितरण किया जाएगा। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 7 लाख 12 हजार 748 घरों में चार लाख 77 हजार 403 बच्चे लक्षित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 5 वर्ष से कम आयु वर्ग वाले बच्चे वाले सभी घरों में ओआरएस की पैकेट दी जाएगी। साथ ही यदि किसी घर में दस्त से पीड़ित बच्चा की जानकारी मिलती है तो उन्हें जिंक की गोली भी प्रदान की जाएगी। वहीं क्षेत्र की संबंधित आशा कर्मी समय-समय पर दस्त से पीड़ित उक्त बच्चे की मॉनीटरिंग भी करती रहेंगी। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, सीएचसी, एपीएचसी के अलावा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केदो पर जिंक और ओआरएस कॉर्नर बनाया जाएगा जहां से कोई भी व्यक्ति आसानी से इस दवा को ले सकेगा। मौके पर जिला लेखा प्रबंधक, जिला योजना समन्वयक संजीव मधुकर, अस्पताल प्रबंधक रितेश स्वरूप एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी उपस्थित थे।

खैरा भूधर में अखंड हरिकीर्तन में हुआ श्रद्धलुओं का जमावड़ा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज प्रखंड के खैरा भूधर ग्राम में अखंड हर कीर्तन का आयोजन किया गया। अखंड हर कीर्तन के समापन के शुभ अवसर पर इस कार्यक्रम की आयोजिका किरण प्रभाकर को भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा के संयोजक एवं ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष नवीन चंद्र शाह ने फूल माला एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी सारी विकासात्मक गतिविधियों के प्रतीक के रूप में रहा है। अभी उपस्थित भक्त जनों एवं श्रद्धालुओं को दुपट्टा से किरण प्रभाकर ने सम्मानित किया। तथा सभी से देश की समृद्धि एवं उन्नति हेतु मां के नाम एक पेड़ लगाने का आवाहन किया स्वयं अपने प्लॉट में आम का फलदार वृक्ष लगाए पेड़ का नाम कमला रखा गया। सभी उपस्थित जनों को प्रसाद के रूप में एक-एक पौधा दिया गया तथा अपने खेत खलिहानों में लगाने का आग्रह किया गया ताकि जीवन के लिए पर्यावरण संतुलित बना रहे। अखंड हर कीर्तन तथा वृक्षारोपण के समय उपस्थित कार्यकर्ता के रूप में उनके प्रभाखर के पिता कपिल मुनि तिवारी, मालती देवी ,दीनानाथ तिवारी, शिव कुमारी, गौतम तिवारी, मिथिलेश चौहान, राकेश शर्मा, पिंकी कुमारी, रूबी तिवारी, गीता महुआ, मीना तिवारी, शंभू नाथ तिवारी, गोरखनाथ तिवारी, सुनैना देवी, उर्मिला देवी, लाल मुनी देवी, रविंद्र कुमार तिवारी, भरा पांडेय, विमलेश सिंह, शैलेंद्र पांडेय, गणेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

छात्रा ने पंखे में लगा कर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

सासाराम। खबर रोहतास जिले के सासाराम नगर थाना क्षेत्र से हैं जहाँ फजलगंज में सोमवार रात को किराये के कमरे में रह रही छात्रा ने पंखे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया। मृतका की पहचान गंगा कुमारी 20 साल के रूप में की गई है, जो राजपुर थाना क्षेत्र के तुर्कवलिया गांव के विजेंद्र चौधरी की लड़की थी। बताते हैं कि वह किराये का कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। पोस्टमार्टम के लिए आए मृतका के भाई ने बताया कि उन लोगों को घटना की सूचना मिली, तो वो भागे—भागे आए, यहां देखा कि पंखे से लटकी हुई है।

10 अगस्त से अभियान चलाकर एमडीए के तहत खिलाई जाएगी फाइलेरिया रोधी दवाएं

केटी न्यूज/संझौली



प्रखंड स्थित बीआरसी में मंगलवार की 10 अगस्त से फाईलेरिया उन्मूलन को लेकर शुरूआत की जा रही अभियान को लेकर बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बीईओ परवेज आलम ने की। इस बैठक में प्रखंड के बिभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व शिक्षकों ने भाग लिया।

बताया गया कि 17 दिन तक चलने वाला फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सभी को दवा खिलाएं। सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों में दल बनाकर निशुल्क दवा खिलाई जाएगी। ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन घर-घर जाकर लोगों को फैमिली रजिस्टर के अनुसार दवा खिलाएंगे। बताया गया कि सर्वजन दवा सेवन के दौरान एल्बेंडाजोल व डीईसी की दवा सेवन को लेकर लोगों को प्रोत्साहित करें। पीसीआई से एसएमसी ज्योति सुमन ने बताया कि 10 अगस्त से मास ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम चलेगा। जिसके तहत लोगो को फाइलेरिया रोधी दवा निशुल्क खिलाई जाएगी। इसके अलावा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पर जोर दिया गया। मौके पर बीपीएम रवि कुमार, प्रधानाध्यापक आस पूजन,मनोज कुमार गुप्ता,सुनील कुमार सहित दर्जनों मौजूद थे।

सारण सदर अस्पताल सभागार में दस्त नियंत्रण का अभियान का हुआ शुभारंभ, बोले सीएस...

डायरिया से बचाव व सुरक्षित रहने के लिए जागरूक होना जरूरी

केटी न्यूज/छपरा



बच्चों में दस्त की रोकथाम को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इससे संबंधित प्रचार- प्रसार सामग्री एवं अभियान को शत प्रतिशत सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा- निर्देश दिया गया है। उक्त बातें सारण के सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने सदर अस्पताल परिसर स्थित ओपीडी के सभागार में आयोजित दस्त नियंत्रण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने कहा कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों पर ओआरएस एवं जिंक की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करा दिया गया है। वहीं इस अभियान के अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण को लेकर जिला स्तरीय टीम का गठन किया गया है। जबकि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर कार्यरत सीएचओ या जीएनएम का सहयोग लेने के लिए भी संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

डायरिया से बचाव और सुरक्षित रहने के लिए जागरूक होना जरूरी: सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने कहा कि गर्मी एवं बरसात के मौसम में छोटे छोटे बच्चों में दस्त के ज्यादा मामले सामने आते हैं। हालांकि इस तरह की बीमारी से बचाव के लिए आशा कार्यकर्ता, जीविका दीदी व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से बच्चों व अभिभावकों को हाथ धोने व साफ सफाई की जानकारी दी गई साथ ही पूरे जिले में इसको लेकर जन- जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। हालांकि दस्त होने पर बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों को भी मुस्तैद कर दिया गया है। लेकिन इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से ध्यान देने के आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है।

बच्चों की मौत की तीसरा बड़ी वजह डायरिया: जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ चंदेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि डायरिया एक गंभीर रोग है। जिस कारण पांच आयुवर्ष से नीचे के बच्चों की मौत की वजह डायरिया ही है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 01 से 59 माह के बीच के बच्चों की डायरिया से होने वाली मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। वहीं पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग चार लाख से अधिक बच्चों की मौत डायरिया की वजह से होती है। लेकिन शुद्ध पेयजल और अनिवार्य रूप से साफ- सफाई करने मात्र से डायरिया को आसानी से रोका जा सकता है। जिले की सभी आशा कार्यकर्ताओ द्वारा दस्त से ग्रसित बच्चों के उपचार के लिए जिंक टेबलेट, ओआरएस पैकेट का वितरण निः शुल्क दिया जाता है।

जन स्वास्थ्य, जन शिक्षा को लेकर अधिकारी जिम्मेदारी से करें कार्य : डीएम

- अभियान के दौरान कार्यों में लापरवाही करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

केटी न्यूज / मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की तृतीय समीक्षा बैठक जिलाधिकारी के कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक के दौरान पशु टीकाकरण, हैंडपंप, स्कूल चलो अभियान, पोषण मिशन, संचारी रोग एवं दस्तक अभियान की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त स्वास्थ्य अधीक्षकों को अभियान के दौरान किसी अन्य विभाग के कार्यों में अपेक्षित प्रगति न होने पर खंड विकास अधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर तत्काल समस्याओं का निदान करने को कहा। उन्होंने जन स्वास्थ्य, जन शिक्षा एवं जन पोषण पर अधिक ध्यान देने के निर्देश दिए, जिससे लोगों की जन आकांक्षाओं को पूर्ण किया जा सके। स्वच्छ भारत मिशन के तहत कई विकास खण्डों



में अभी तक शत प्रतिशत फैमिली मेंबर द्वारा शौचायलयों का प्रयोग न करने पर उन्होंने संबंधित विकास खंडों के ए डी ओ पंचायत को ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को कृषकों के साथ जागरूकता कार्यक्रमों एवं कृषक दुर्घटना से किसानो की मृत्यु की जानकारी संबंधित विकास खंडो से एकत्र करने को कहा। पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान विकासखंड बड़राव में 25 प्रतिशत, दोहरीघाट में 11 प्रतिशत, कोपागंज में 09 प्रतिशत, रानीपुर में 02 प्रतिशत, एवं रतनपुरा में अभी भी 17 प्रतिशत लोगों द्वारा शुद्ध पेयजल का प्रयोग न करने पर उन्होंने संबंधित ए डी ओ पंचायत को कड़ी फटकार लगाई तथा कम से कम एक ग्राम पंचायत में रैंडमली स्वयं जांच कर मुख्य विकास अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त स्वास्थ्य अधीक्षकों को अन्य विभागों के कार्यों की प्रगति पर भी नजर रखने तथा अपेक्षित प्रगति न होने पर खंड विकास अधिकारियों से संपर्क कर संबंधित विभागों के कार्यों को पूर्ण करने को कहा। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारी, स्वास्थ्य अधीक्षक एवं खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने विभाग के कार्यों का नियमित मॉनिटरिंग करने तथा स्वयं का मूल्यांकन करते हुए तत्काल अवशेष कार्यों को पूर्ण करें।

एक नजर

वाहन मालिक 25 जुलाई तक जमा करें लॉगबुक

बलिया। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में अपर जिलाधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को बताया कि जिले के समस्त वाहन मालिक अपना लॉगबुक 25 जुलाई तक अवश्य जमा करें। बताया कि लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु जिन वाहन स्वामियों के भारी व हल्का वाहन निर्वाचन कार्य में प्रयोग हुआ था तथा उन्होंने अपनी वाहन की लाग बुक अभी तक निर्वाचन कार्यालय व जिला पूर्ति कार्यालय में जमा नहीं की है। वे अपनी वाहन की लागबुक जिला पूर्ति अधिकारी अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में 25 जुलाई तक अनिवार्य रूप से जमा कर दें। जिससे उनके वाहन के किराये की धनराशि का आंकलन कर भुगतान सुनिश्चित किया जा सकें।

गाजीपुर डीएम ने की योजनाओं की समीक्षा

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन द्वारा निर्धारित विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की गई। इसमें मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली विकास कार्यों की मुख्य रूप से समीक्षा सीएम डैस बोर्ड पर कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिलाधिकारी ने विभागवार विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने` विद्युत, गो-आश्रय स्थल, पशु टीकाकरण, समाज कल्याण के अन्तर्गत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, ग्राम्य विकास के अन्तर्गत मुख्यमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी,` जिला सहकारी बैंक अल्पकालीन ऋण वितरण एवं वसूली, जल जीवन मिशन, पर्यटन, लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों का अनुरक्षण, सेतुओं का निर्माण, नई सड़कों का निर्माण, भवन निर्माण पंचायती राज, शादी अनुदान योजना, पशुओं में कृत्रिम गभार्धान, निराश्रित गोवंश का संरक्षण, पारिवारिक लाभ योजना, श्रम एवं सेवायोजना तथा अन्य विभागों से जुड़ी योजनाओं की माह प्रगति की बारी-बारी से समीक्षा की। समय सीमा के अंदर योजनाओं को पूरा न करने वाले अधिकारियों को फटकार लगाई गई। साथ ही चेतावनी दी गई कि आगे से अपना कार्य समय के अंदर कराएं।

महिला बंदियों की हुई टीबी व एचआईवी की जांच



गाजीपुर। बेहतर स्वास्थ्य हर इंसान की पहली जरूरत है और उसे पूरा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे ही बहुत सारे लोग जो विभिन्न मामलों में गाजीपुर के जिला जेल में निरुद्ध हैं, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए जिला जज के निर्देश व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देश दीपक पाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मंगलवार को जिला जेल पहुंचकर बंदियों की जांच की। इसके साथ ही उन्हें निःशुल्क दवाएं भी दी गईं। जेल अधीक्षक अरुण प्रताप सिंह, जेलर राकेश कुमार वर्मा और जेल चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में जिला जेल की 41 महिलाओं और 350 पुरुष बंदियों की टीबी और एचआईवी की जांच की गई। जेल अधीक्षक ने बताया कि जेल में बंदियों के स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए शासन स्तर से निर्देश आए थे। इसी क्रम में मंगलवार को डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ की टीम बनाकर जिला जेल भेजा गया। जिसमें वह स्वयं शामिल थे और वहां पर जेल में बंद करीब 400 बंदियों की जांच की गई। जांच के अनुसार उन्हें तत्काल दवा भी दी गई। शेष पुरुष बंदियों की जांच बुधवार को हुई। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मिथलेश कुमार ने बताया कि यह सुविधा शासन के निर्देश के क्रम में दी गई है। जिला अस्पताल की टीम ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। इलाज में जेलर और जेल अस्पताल के चिकित्सक के द्वारा संपूर्ण सहयोग किया गया। इस मौके पर डिप्टी जेलर रविन्द्र सिंह व सुभावति देवी मौजूद रहे। स्वास्थ्य टीम में फार्मासिस्ट भुनेश्वर कुमार, एसटीएस सुनील कुमार वर्मा, एसटीएलएस वैंकटेश शर्मा, काउंसलर स्वर्णलता सिंह, एलटी महेश, सपना व सलमान शामिल रहे।

जर्जर तार तत्काल बदले जाएं: उमाशंकर ओमर

मऊ। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कोपागंज की एक बैठक अमृतलाल जायसवाल के प्रतिष्ठान पर जिलाध्यक्ष उमाशंकर ओमर की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन अमृतलाल जायसवाल ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए श्री ओमर ने कहा की कोपागंज नगर में बिजली के तार पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं, जिसके कारण तारों का टूट कर गिरना स्पार्किंग करते रहना तथा लो वोल्टेज जैसी समस्या आम बात हो गई है। यहां बिजली की जबर्दस्त कटौती हो रही है। व्यापार मंडल बिजली विभाग से बाजार के जर्जर तारों को बदलने तथा बिजली आपूर्ति में तत्काल सुधार करने की मांग करती है। बैठक में व्यापारियों ने श्री ओमर को बताया कि कोपागंज बाजार में सड़क से लेकर ओड़ियाना बाजार तक पानी की निकासी की जबरदस्त समस्या है। थोड़ी सी बारिश हो जाने पर में सड़क से लेकर गलियों में भी पानी लग जाता है। जिस कारण व्यापारियों, बुनकरों तथा आमजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। व्यापार मंडल ने नगर पंचायत परिषद के अध्यक्ष से बाजार में जल निकासी की ठीक ढंग से व्यवस्थित करने की मांग किया है। बैठक में सर्वसम्मति से कोपागंज युवा व्यापार मंडल का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष रोहित उमर, विकास वर्मा ,रोहित जायसवाल को बनाया गया।

खबरें फटाफट

मारपीट में पांच लोग घायल

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के बहेरी गांव में मंगलवार को दो पक्षों में हुई मारपीट में पांच लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज चल रहा है। घायलों का नाम एक पक्ष से बिट्टू खान व दूसरे पक्ष से आतिफ खान, पिंटू खान, औरंगजेब व एहसान खान है। घटना के बाद पुलिस दोनों पक्षों से चार लोगों को हिरासत में लिया है।

स्वास्थ्य एवं बिजली को लेकर प्रदर्शन

बलिया। जनपद के मनियर में स्वास्थ्य एवं बिजली व्यवस्था में समस्या व भ्रष्टाचार को लेकर इंडिया गठबन्धन के लोगों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को दस सूत्रीय पत्रक दिया।लोगों ने कहा कि मनियर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर अनेक समस्याएं दृष्टिगत हो रही है। पूर्ण कार्य अवधि के दौरान मुख्य चिकित्सक का अनुपस्थित रहना, केवल ओपीडी का संचालन होना, महिला चिकित्सक की अनुपलब्धता आदि समस्याएं हैं। इसके साथ ही प्रसव केंद्र पर आर्थिक भ्रष्टाचार की समस्या तथा हर जरूरत के लिए अतरिक्त मूल्य की मांग करना, किसी भी प्रकार के उपचार के लिए ग्रुप डी के कर्मचारी मरीज को रेफर किया जाता है। मूलभूत दवाओं के साथ रैबीज,सांप का इंजेक्शन के साथ अन्य वैक्सीन पीएचसी पर उपलब्ध नहीं है। ऐसे में लगता है कि चिकित्सा केंद्र तो है लेकिन उपचार नहीं हैं। लोगों ने कहा कि क्षेत्र में बिजली की आघोषित कटौती, मीटर रीडिंग में अनेक अनियमितता,वर्षों से जर्जर तार व खम्भों का न बदला जाना आदि गंभीर समस्यायें हैं।कहा कि मीटर रीडर द्वारा रीडिंग बिल के अतिरिक्त बिल सेटलमेंट के नाम पर आधारित धन वसूली किया जाता है। घरेलू कनेक्शन की जगह का कमर्शियल कनेक्शन का बिल भेज दिया जा रहा है।और फर्जी मुकदमें भी कर दिया जा रहा है। लोगों ने कहा कि अवर अभियंता के द्वारा भ्रष्टचार किया जा रहा है। ऐसे में अवर अभियंता को तत्काल हटाया जाए। इस मौके पर भाजपा माले केन्द्रीय कमेटी के सदस्य श्रीराम सिंह, वशिष्ठ राजभर, धर्मेंद्र,कुमार, बसंत कुमार सिंह,रामाशंकर यादव, मदन पाठक,अशोक कुमार, रामेश्वर प्रसाद, विनय कुमार सिंह,राघवेंद्र कुमार, बबलू गुप्ता आदि रहे।

रोहित हत्याकांड के मुख्य आरोपी रोहित यादव का मकान तोड़ने गया था बुलडोजर

मुख्य आरोपी के घर कार्रवाई नहीं सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए गया था बुल्डोजर

- दरोगा से लेकर सिपाही तक फोटो खिंचवाने में रहे मशगुल
- मकान तोड़ने के नाम पर पुलिस ने तोड़ा सिर्फ दरवाजा और टिनशेड
- कोतवाली के ठीक सामने रोहित पांडेय की कर दी गई थी निर्मम

तिलक कुमार / बलिया



फरार चल रहे छह अभियुक्तों पर 25-25 हजार का इनाम है घोषित

बांसडीह कोतवाली के ठीक सामने रोहित पांडेय की दिनदहाड़े हुई हत्या के बाद आखिरकर बाबा का बुल्डोजर मंगलवार को मुख्य आरोपी के घर तक पहुंचा। लेकिन गांव की लोगों की मानें तो सिर्फ फोटो खिंचवाकर पुलिस वाले बुल्डोजर लेकर वापस हो लिए। हां थोड़ा बहुत दरवाजा और टिनशेड जरूर उजाड़ दिया गया है। उधर पुलिस की मानें तो आरोपी रोहित यादव के मकान का आधा हिस्सा उसके पट्टीदार का होने के कारण सिर्फ आधे हिस्से को ही जमींदोज किया गया। आप फोटो को भी जरा गौर से देखेंगे तो आपको मालूम चल जाएगा कि पुलिस वास्तव में बुल्डोजर लेकर मकान ध्वस्त करने गई था या फोटो खिंचवाने। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते शनिवार की सुबह बदमाशों ने बांसडीह कोतवाली के ठीक सामने दिनदहाड़े धारदार हथियार से रोहित पांडेय की निर्मम तरीके से हत्या कर दी थी।

मामले में सात नामजद और पांच अज्ञात पर भी मुकदमा दर्ज किया गया। मामले में अब तक पुलिस सिर्फ दो ही आरोपी की गिरफ्तारी कर सकी है। जबकि मुख्य आरोपी रोहित यादव अभी भी फरार चल रहा है। बलिया। शनिवार को बांसडीह कोतवाली गेट के सामने दिनदहाड़े रोहित पाण्डेय की हुई हत्याकांड मामले में मंगलवार को एसडीम बांसडीह अभिषेक प्रियदर्शी एवं सीओ बांसडीह प्रभात कुमार के नेतृत्व में भारी मात्रा में दो बुल्डोजर के साथ पहुँची फोर्स ने फरार चल रहे मुख्य आरोपी रोहित यादव उर्फ राइडर के मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दिया है। जिसके बाद हड़कंप मचा हुआ है। जबकि अंकित यादव पुत्र सुकुल यादव निवासी दराव थाना बांसडीह जनपद बलिया एवं ओम प्रकाश यादव उर्फ प्रकाश यादव पुत्र रमेश यादव निवासी पिंडहरा थाना बांसडीह बलिया को पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। वही तीन आरोपी अब भी फरार चल रहे हैं।बता दे कि पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा ने रविवार को फरार चल रहे छह अभियुक्तों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। एसपी द्वारा फरार चल रहे रोहित यादव उर्फ राइडर पुत्र भुट्टेलाल यादव निवासी दरांव थाना बांसडीह जनपद बलिया, शेखर यादव पुत्र कमलेश यादव निवासी दरांव थाना बांसडीह जनपद बलिया, अंकित यादव पुत्र शुकुल यादव निवासी दरांव थाना बांसडीह जनपद बलिया, बागी यादव पुत्र राजा यादव निवासी दरांव थाना बांसडीह जनपद बलिया, जवाहर गोड़ पुत्र विजय गोड़ निवासी पिण्डहरा थाना बासंडीह जनपद बलिया, प्रकाश यादव पुत्र रमेश यादव निवासी पिण्डहरा थाना बांसडीह जनपद बलिया के विरुद्ध 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। इनमें से मुख्य आरोपी रोहित यादव उर्फ राइडर के मकान पर मंगलवार को बांसडीह एसडीएम अभिषेक प्रियदर्शी एवं सीओ प्रभात कुमार के नेतृत्व में पहुंची फोर्स ने बुल्डोजर से मकान पर कार्रवाई शुरू कर दिया है।

चहूंओर किरकिरी के बाद पुलिस आखिरकार मंगलवार को बाबा का बुल्डोजर लेकर मुख्य आरोपी रोहित यादव के घर पहुंच गए और अवैध-अतिक्रमण का हवाला देते हुए महज बारजा और टिनशेड उजाड़ कर ही वापस हो लिए। इस दौरान तमाम पुलिसकर्मी फोटो खिंचते नजर आए। आमूमन जब भी पुलिस इस तरह की कार्रवाई करने जाती है तो पुलिस के हाथ में बंदूक होती है, लेकिन यहां तो पुलिसकर्मियों की हरकत क्या दारोगा क्या सिपाही सब के सब फोटो खिंचते हुए नजर आए। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी की धाक ही कुछ और है, लेकिन बलिया पुलिस की करतूत योगी की एस धाक को मानो कम करने पर तूली हुई है।

आपने आज तक यही सुना होगा कि पुलिस अपराधियों को दौड़ाकर पकड़ते हैं, लेकिन बीते शनिवार की सुबह बांसडीह कोतवाली के सामने जो हुआ वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। बांसडीह कोतवाली के ठीक सामने जिस तरह बदमाशों ने रोहित पांडेय को मौत की घाट उतारा, पुलिस चाहती तो दूर से फायर कर रोहित पांडेय की जान बचा सकती थी। लेकिन घटना के चश्मदीदों की मानें तो पुलिस उस वक्त कोतवाली के बाहर आना तक मुनासिब नही समझी और जो पुलिसकर्मी थे, वह खुद भागते हुए नजर आए। ऐसे में यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि योगी की ठोको नीति बलिया में फेल होता नजर आ रहा है। वहीं पुलिस की लापरवाही के कारण अब तक मुख्य हत्यारें पुलिस गिरफ्त से बाहर है। हद तो इस बात की है कि हत्या कोतवाली के सामने हुआ था। और शिथिल पड़ी है। वहीं सरकार इस मामले में चुप्पी साधे हुए है।

दो बहनों की हत्या के मामले की पुलिस कर रही लीपापोती, सपा कराएगी निष्पक्ष जांच

केटी न्यूज / गाजीपुर

मरदह थाना क्षेत्र के नखतपुर गांव में सपा मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा का एक प्रतिनिधि मंडल मंगलवार को नखतपुर गांव में पहुंचा, जहां बीते दिनों संदिग्ध परिस्थितियों में मृत दो किशोरियों के परिजनों को ढांढस बंधाया तथा परिजनों से पूरे घटना क्रम की सिलसिले-वार जानकारी हासिल की। इसकी रिपोर्ट तैयार कर सपा मुखिया अखिलेश यादव को प्रेषित करने का आश्वासन दिया। अंत में सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि पूरी समाजवादी पार्टी इस दुःख की घड़ी में परिजनों के साथ खड़ी है। आगे कहा कि परिजनों के अनुसार घटना हत्या की है, लेकिन क्षेत्रीय पुलिस और मऊ जनपद की पुलिस इसे आत्महत्या का रूप देने पर तूली है। वहीं मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार मृतकों के शरीर पर काफी गंभीर चोटों का निशान देखने को मिला है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के नखतपुर गांव निवासी शालू- 15 व रोशनी-13 का शव संदिग्ध



परिस्थितियों में बीते दो जून की मध्य रात्रि में मऊ जनपद के पनियरा गांव के पास स्थित रेलवे लाइन की पटरी पर संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला था। देर तक घर वापस न आने पर घर परिवार के लोग गांव के सिवान में दोनो को काफी समय तक ढूढते रहे लेकिन दोनों का कहीं अता-पता नही लग सका। रात्रि में दो बजे के लगभग पनियरा गांव के पास दोनों लड़कियों के शव ट्रेन की पटरी किनारे पर पड़ा मिला था। इसके बाद सरायलखंसी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया था।

केंद्रीय बजट गरीबों व किसानों के लिए हितकर : ओमप्रकाश राजभर

केटी न्यूज / गाजीपुर

उत्तर प्रदेश जनपद में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर का जखनियां विधानसभा में तूफानी दौरा कर लोगों से कुशल झेम जाने। इस दौरान सर्वप्रथम कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का जखनियां के विधायक बेनी राम ने अपने कार्यकताओं के साथ गर्म जोशी से स्वागत किया। उसके बाद हंसराजपुर विधायक बेनी राम की आवास पर पहुंचे, जहां विधायक बेनी राम सहित कार्यकताओं ने भूखे और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस समय ओके पर उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट पास होने का सराहना किए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट गरीबों किसानों के हित में है। इस बजट से देश की गरीबी दूर होगी। कच्चे मकान भी पक्के होंगे। पत्रकारों ने जब विधायक बेदी राम के आरोपों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कुछ मीडिया वालों ने गलत और भ्रामक खबर चलाया था। हालांकि विधायक का छवि पाक साफ है। इसके बाद उनका काफिला सुरहूरपुर पहुंचा, जहां भी कार्यकताओं ने जोरदार तरीके से स्वागत किया है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष लल्लन राजभर, मुकेश राजभर गुड्डू राजभर, अमरावती सिंह, रितेश कुमार, धर्मदेव यादव, अरविंद यादव पीयूष यादव, पंकज दुबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ट्रांसजेंडर समूह के लोगों ने स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली रैली

पौधरोपण पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखेगा : तिवारी

- एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण कर दिया संदेश, संचारी रोग से बचाव हेतु किया जागरूकता कार्यक्रम

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र के विशेष प्रयासों द्वारा ट्रांसजेंडर समूह के लोगों को समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को ट्रांसजेंडर समूह के लोगों ने स्कूल चलो अभियान, वृक्षारोपण, नवीन नामांकन एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसका नेतृत्व ट्रांसजेंडर पूजा ने किया। विकासखंड कोपागंज के पूर्व माध्यमिक



विद्यालय खुखुंदवा पर स्कूल चलो अभियान रैली का आयोजन ट्रांसजेंडर पूजा के नेतृत्व में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर समूह के अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा ट्रांसजेंडर पूजा ने पांच बच्चों का नवीन नामांकन कर उनका स्वागत भी किया। इस दौरान अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का कार्य भी ट्रांसजेंडर पूजा सहित ट्रांसजेंडर समूह के अन्य लोगों ने किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय खुखंदवा पर संचारी रोग नियंत्रण के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें भी ट्रांसजेंडर समूह के लोगों ने बढ़ चलकर हिस्सा लिया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूल चलो अभियान को हरी झंडी



दिखाकर रवाना किया गया। इस रैली में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय तथा खंड शिक्षा अधिकारी ओपी तिवारी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ भी शामिल रहे।

इसके अलावा नवीन नामांकन वृक्षारोपण एवं संचारी रोग के प्रति जागरूकता कार्यक्रम में भी उक्त अधिकारी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अभिभावकों को नवीन नामांकन हेतु प्रेरित किया तथा अपनी मां के नाम पर वृक्षारोपण कर समाज एवं पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने हेतु संदेश भी दिया। यह प्रयास सभी को मिलकर करना होगा। तभी पर्यावरण को बचाया जा सकता है। वरना ग्लोबल वार्मिन के कारण सभी परेशान होंगे।

नखतपुर में ट्रांसफार्मर जलने से एक हफ्ते से पसरा अंधेरा, ग्रामीण परेशान

केटी न्यूज / गाजीपुर

मरदह ब्लॉक के नखतपुर गांव में एक सप्ताह से 63 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर फुंका हुआ है। इससे भीषण गर्मी में उमस भरी रात गुजारना मुश्किल हो गया है। बिजली गुल होने से गांव में हाहाकार मचा है।शहर हो या देहात, बिजली न आने के चलते लोगों को दिन में आराम और न रात को सुकून मिल पा रहा है। गर्मी में कटौती से लोग पसीना-पसीना हो रहे हैं। इसको लेकर लोगों में आक्रोश पैदा होता जा रहा है। देहात में किसानों के सामने फसलों को बचाने का संकट खड़ा हो गया है।बिजली आपूर्ति की व्यवस्था गड़बड़ा रही है। नखतपुर गांव के दलित बस्ती व यादव बस्ती में एक सप्ताह से बिजली नहीं आ रही जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। दलित बस्ती व यादव बस्ती की आबादी दो हजार है। बस्ती के लोगों का कहना है कि कई बार बिजली निगम के भोजापुर सब- स्टेशन के जेई को लिखित व फोन के माध्यम से शिकायत की गई, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है। मंगलवार की शाम को बस्ती के लोग क्षुब्ध होकर जले हुए टांसफार्मर के पास खड़े होकर प्रदर्शन करते हुए चेतावनी दिया की अगर जल्द से जल्द टांसफार्मर नहीं



बदला गया तो हम सब- स्टेशन भोजापुर पर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन कर रहे लोगों में मनोज यादव, संदीप यादव, शिवनाथ राम, रमेश यादव, पिन्टु यादव, राजू अंसारी, पंकज यादव, रामप्रवेश यादव आदि ने बताया कि एक सप्ताह से 63 केवीए टांसफार्मर जल जाने के कारण खेतों में जहां धान की नर्सरी सूख रही है वहीं दूसरी ओर घर के सभी बिजली उपकरण शो पीस बन चुके हैं। उमस भरी गर्मी में छात्र छात्राओं सहित ग्राम वासियों का जीना मोहाल है। इस संबंध में उपखंड अधिकारी चंद्र मोहन के द्वारा बताया गया कि मामला संज्ञान में है जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा।

बजट किसानों, युवा, महिला शक्ति को समर्पित: प्रो. मानस

- प्रबंध अध्ययन संकाय में शिक्षक-विद्यार्थियों ने की बजट व रोजगार का अवसर पर की चर्चा
- यह आम बजट किसानों, युवाओं एवं महिला शक्ति को है समर्पित
- 500 बड़े उद्योगों में इंटर्नशिप अनिवार्य करके युवाओं को किया गया प्रेरित



केटी/ जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में केंद्रीय बजट का सीधा प्रसारण देखा गया। जिसमें शिक्षकों एवं विधार्थियों ने मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट पर विस्तार से चर्चा की। पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. मानस पांडेय ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट किसानों, युवाओं एवं महिला शक्ति को समर्पित है। उन्होंने कहा कि इस बार रोजगार पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें सरकार ने 500 बड़े उद्योगों में इंटर्नशिप अनिवार्य करके युवाओं को उद्योग के प्रति स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया है। दीर्घकालीन अर्थव्यवस्था के संचालन हेतु बजट में उठाए गए समग्र कदम दूरगामी परिणाम देने वाले हैं। विभाग के शिक्षक डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने बजट में स्लैब रेट में परिवर्तन की उम्मीद व्यक्त की थी, जो अपेक्षित रूप में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि डिडक्शन में परिवर्तन 50 हजार से 75 हजार किया गया। जो आम आदमी के लिए बहुत फायदेमंद नहीं है। इसे एक लाख तक किया जाना चाहिए। शिक्षक अंजनी कुमार मिश्र ने बजट में रोजगार के अवसरों में वृद्धि को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इससे गरीब, युवा और किसान को नौकरी में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।शिक्षक डॉ. रोहित पांडेय ने बीकॉम ऑनर्स के छात्रों के साथ पेंशनभोगियों के लिए डिडक्शन के आंकड़े को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार करने की चर्चा की। उन्होंने बजट में मुख्य रूप से कृषि और बाढ़ की समस्याओं के समाधान के लिए और भी धनराशि सरकार को देनी चाहिए। शोध छात्र नितिन चौहान ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि 1.52 लाख करोड़ रुपये की राशि महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए आवंटित की गई है। इसके साथ ही, शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। इस आम बजट में स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए कई दवाओं पर सीमा शुल्क में कटौती कर दी गई है। ऐसे में गरीब परिवार के लोग भी कैंसर की दवाओं को आसानी से ले सकते है। सांस्कृति धरोहर व पर्यटक को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार ने योजना लायी है। ताकि टूरिस्ट स्थल पर सैलानी आ सके। इससे रोजगार का भी सृजन होगा। इस अवसर पर डा. निशा पांडेय, डॉ. सुनील कुमार सिंह, शशिकांत मौर्य, उत्सव सिंह, नितीन सिंह, मुहम्मद तबीज, सुजीत कुमार, फरान अख्तर, गौरी सेठ, सलोनी साहु आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

एक नजर

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन



चंदौली। कारगिल विजय दिवस (रजत जयंती महोत्सव)के तहत 91 यूपी बटालियन एनसीसी मुगलसराय के समादेश अधिकारी कर्नल नारायण सिंह के आदेशानुसार अमर शहीद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शहीद गांव के एनसीसी कैडेटों ने कारगिल विजय दिवस पोस्टर प्रतियोगिता में उत्साह और लगन के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कैडेटों ने कारगिल युद्ध से संबंधित हर एक बिन्दुओं को बड़े ही मार्मिक ढंग से पेस्टिंग प्रस्तुत किया। इसमें 55 कैडेटों (बालक/बालिकाओं) ने हिस्सा लिया। इसमें प्रथम स्थान एन्जल शैलेश गुप्ता , द्वितीय स्थान निधि मौर्या एवं अंश प्रिया कश्यप, तृतीय स्थान हिना एवं शिवम् को मिला। विजेता कैडेटों को प्रधानाचार्य मोती हरिजन ने पुरस्कृत करके उत्साह वर्धन किया। एनसीसी आफिसर कैप्टन लाल बिहारी प्रसाद ने कहा कि "हमें अपने देश से उतना ही प्यार होना चाहिए जितना अपनी मां से"। मातृभूमि की रक्षा के लिए जिसकी जितनी जिम्मेदारी होती है उसे पूरी लगन व उत्साह से निभानी चाहिए। इसी से देश में अमन चैन का पुष्प खिलता है। इस अवसर पर संतोष कुमार, राम प्रकाश पाण्डेय आशुतोष सिंह, मृत्युंजय प्रताप मौर्या, समस्त स्टाफ एवं कैडेट उपस्थित रहे।

परिवार में किसी एक या मुखिया को ही पीएम किसान का मिलेगा लाभ : उप कृषि निदेशक

मऊ। कृषि उपनिदेशक सत्येंद्र सिंह चौहान ने बताया कि जनपद के समस्त कृषक भाइयों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु जन सेवा केन्द्र या स्वयं से पीएम किसान पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाता है। किसान भाई पंजीकरण कराते समय यह ध्यान दे कि जिन किसानो ने 01 फरवरी 2019 के बाद बैनामा रजिस्ट्री कराया है वह पी०एम० किसान सम्मान निधि लेने हेतु पात्र नहीं है, परन्तु ऐसे भी किसान भाई अपना पंजीकरण करा रहे हैं, जिसे तहसील/जनपद/राज्य द्वारा रिजेक्ट करना पड़ रहा है। इसी प्रकार पति-पत्नी दोनो का पंजीकरण कराकर पी०एम० किसान का लाभ प्राप्त कर रहे हैं या अपना पी०एम० किसान का लाभ पा रहे हैं और अब अपनी पत्नी का नया पंजीकरण करा रहे हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान आयोजन

बलिया। भारत सरकार द्वारा निर्गत कार्यक्रम संकल्प-एचईडब्लू के अंतर्गत 21 जून से 04 अक्टूबर 2024 तक 100 दिन का विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम अधोहस्ताक्षरी के निर्देशानुसार बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 100 डेज कैंप के अंतर्गत महिलाओं केंद्रित विधान सप्ताह थीम का आयोजन पीएम श्री विद्यालय अमृतपाली में आयोजित किया गया। केंद्र प्रशासक प्रिया सिंह ने 18 वर्ष से कम उम्र के बालक बालिकाओं के साथ हो रहे यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने तथा अपनी बात खुलकर रखने, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, प्रधानमन्त्री मातृत्व वंदना योजना, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिग उत्पीड़न अधिनियम 2013, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जिसमे वृद्धि की गयी।

खबरें फटाफट

आम आदमी पार्टी ने समस्या के निवारण का दिया आश्वासन

चंदौली। खगवल गांव में आम आदमी पार्टी के जिला चंदौली के जिलाअध्यक्ष अशोक सिंह के अध्यक्षता में एक विचार मंथन गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक जिला अध्यक्ष अशोक सिंह ने ग्रामीणों की समस्या को सुना जिसमे केब्रिस्तान की बाउंड्री, टूटी हुई सड़क और लाइट की समस्या को गंभीरता से लिया तथा निवारण करने का विचार विमर्श किया। आगे कहा कि गांव की जितनी भी सारी समस्याएं हैं, उनको जल्द से जल्द निवारण किया जाएगा, इसके लिए जिला अधिकारी के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर एवं निवेदन करके गांव के सारी समस्याओं को बताऊंगा और सांसद वीरेंद्र सिंह को भी अवगत कराऊंगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, डॉक्टर वकील, डॉक्टर गुलन यासीन,अब्दुल रशीद, पूर्व प्रधान अशोक मौर्या, लाल बाबू, राजकुमार शर्मा, मोहम्मद शमशाद, समीर खान, नाजिया बेगम, शाहिन बेगम, नजमा, मुन्नी, जरीना खातून, महजबी बेगम, सितारा शर्मा, सपना खान, कनाय, रूकसान, नगर अध्यक्ष रंजीत कुमार आदि भारी संख्या मे उपस्थित थे।

आपसी विवाद में गोली मारकर युवक को किया घायल

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के झांसी गांव में मंगलवार को आपसी विवाद में कुछ मनबढ़ युवकों ने एक 18 वर्षीय युवक को गोली मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिससे हड़कम्प मच गया। घायल युवक को परिजनों ने निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया है जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। मौके ओर एएसपी व सदर कोतवाल ने जाकर स्थिति का जायजा लिया। जानकारी के मुताबिक झांसी गांव निवासी 18 वर्षीय श्यामसुंदर पाल की कुछ लोगों से कहासुनी हुई थी। मंगलवार को जब वह खेत पर गया हुआ था तभी बाइक से पहुंचे तीन मनबढ़ युवकों ने तमंचे से फायर कर उसे गोली मार दी। गोली उसके पेट में लगी है। उसे डाफी स्थित निजी अस्पताल में परिजनों ने भर्ती कराया है।

यूपी के मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता की समस्या के निदान के लिए सदैव रहते है तत्पर

सीएम योगी की पहल पर 1.87 लाख मरीजों को उपलब्ध करायी गई 32.31 अरब की मदद

- वर्ष 2012-2017 की अपेक्षा कई गुना अधिक आवंटित की गई पीड़ितों के इलाज के लिए धनराशि
- सीएम योगी के निर्देश पर इलाज के लिए हर एक प्रार्थना पत्र पर की गई समुचित कार्रवाई



केटी न्यूज / वाराणसी

मुख्यमंत्री बनने के बाद से योगी आदित्यनाथ का हर एक दिन प्रदेशवासियों के लिए समर्पित रहा। कभी उन्होंने जनता दर्शन किया तो कभी संवाद साधकर आमजन की परेशानियों को दूर किया। यही नहीं, स्वस्थ उत्तर प्रदेश उनकी पहली प्राथमिकता रही, इसलिए इलाज के लिए आए एक प्रार्थना पत्र पर सीएम योगी के निर्देश पर समुचित कार्रवाई की गई। इसके परिणामस्वरूप साढ़े सात वर्ष में 1.87 लाख से अधिक मरीजों को 32.31 अरब की आर्थिक सहायता दी गई यानी 2012 से 2017 की अपेक्षा पीड़ितों के इलाज के लिए कई गुना धनराशि आवंटित की गई। सीएम योगी ने जनता दर्शन-जनप्रतिनिधियों, जनता द्वारा भेजे गए प्रार्थना पत्र के आधार पर पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। घर वालों के साथ सीएम योगी ने भी पकड़ा शिवम का हाथ गोरखपुर के शिवम शुक्ला की आयु महज 29 वर्ष है। एक दिन अचानक माता-पिता को पता चला कि शिवम को किडनी की समस्या हो गई। उनका इलाज दिल्ली में होने लगा। अपने सामर्थ्य के अनुरूप माता-पिता ने इलाज शुरू कराया। धीरे-धीरे जब पैसे की जरूरत पड़ने लगी तो अपने विधायक से पत्र लिखवाया। यह पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचा तो कागजी कार्रवाई के तत्काल बाद शिवम के इलाज के लिए धनराशि दी गई। शिवम के भाई शशांक कहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यालय में निश्चित समयावधि के भीतर ही सारी प्रक्रियाएं कर इलाज के लिए पैसे आवंटित कर दिए गए। ईश्वर की कृपा से भाई अब शानदार व सरल जीवन व्यतीत कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी की तरफ से सात वर्ष में सहायता की मांग करने वाले हर पीड़ित के इलाज के लिए राशि जारी की गई

वित्तीय वर्ष	लाभार्थी	स्वीकृत धनराशि
2017-2018	13093	1,71,35, 82, 000
2018-2019	17650	2, 44, 94, 49, 400
2019-2020	17940	2, 74, 17, 19, 500
2020-2021	15190	2, 66,82,35, 286
2021-2022	22176	3,90,52,50,365
2022-2023	31553	5, 66,38,92,349
2023-2024	53866	9, 93,44,22,665

नवनीत पांडेय के परिवार के लिए यह राशि बनी काफी कारगर

कप्तानगंज के नवनीत पांडेय को भी किडनी की बीमारी हुई। उनकी पत्नी ने उन्हें डोनेट किया। दोनों का छोटा बेटा है। इलाज में शारीरिक परेशानियों के अलावा आर्थिक परेशानी बड़ी टेंशन बनी तो मुख्यमंत्री राहत कोष की याद आई। नवनीत के परिजनों ने सारी कागजी कार्रवाई पूरी की, फिर निश्चित समयावधि में पीजीआई में उनके इलाज के लिए धन आवंटित किया गया। नवनीत और उनकी पत्नी दोनों सकुशल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बातचीत में उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के इस कार्य के प्रति आभार जताते हुए उनके लिए दुआएं भी कीं।

2012 से 2017 के दौरान इलाज के लिए दी गई धनराशि

2012 से लेकर 2017 तक मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से वित्तीय वर्ष 2012-13 में 3362 लोगों को 31 करोड़ 37 लाख नौ हजार 500 रुपये, वित्तीय वर्ष 2013-14 में 4361 लोगों को 31 करोड़ 37 लाख नौ हजार 500 रुपये, वित्तीय वर्ष 2014-15 में 5284 लोगों को 44 करोड़ 98 लाख 80 हजार 750 रुपये, वित्तीय वर्ष 2015-16 में 7762 लोगों को 98 करोड़ 34 लाख 42 हजार 747 और वित्तीय वर्ष 2016-17 में 10431 लोगों को एक अरब 64 करोड़ 94 लाख 17 हजार 732 रुपये की मदद दी गई थी। वहीं योगी सरकार बनने के बाद यह आंकड़ा काफी बढ़ गया।

ग्राम प्रधान के नौ पदों पर 36 का नामांकन दाखिल

जौनपुर। जनपद की ग्राम पंचायतों में रिक्त ग्राम प्रधान के नौ, बीडीसी के तीन और ग्राम पंचायत सदस्य के 72 पदों के लिए नामांकन का कार्य पूरा हो गया। इस दौरान ग्राम प्रधान में नौ पदों पर कुल 36 नामांकन दाखिल हुए। बीडीसी के तीन पदों पर तीन नामांकन दाखिल हुए हुए। इससे सभी का निर्विरोध निर्वाचन तय है। जनपद में कोयलसा विकास खंड की हिसामुद्दीनपुर ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान पद के लिए तीन और टहर किशुनदेव पुर के लिए चार नामांकन दाखिल हुए। लालगंज विकास खंड के कस्बा देवगांव में ग्राम प्रधान पद के लिए पांच और चेवार पश्चिम से प्रधान पद के लिए तीन लोगों ने नामांकन किया।

देश की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले युवक को यूपी एटीएस टीम ने किया गिरफ्तार, अवैध सामग्री जब्त

केटी न्यूज/जौनपुर



बक्शा थाना क्षेत्र के दुल्लीपुर गांव से अवैध रूप से विदेशी कॉल पर बात कराने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी असरफ अली के घर से सिम बॉक्स, 64 सिम व लैपटॉप व पांच मोबाइल सहित अन्य उपकरण को कब्जे में लेते हुए बक्शा थाने पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया गया। आरोपी घर की छत से ही टेलीफोन एक्सचेंज चलाता था जिससे लोग विदेश में बैठे लोगों से लोकल की दर पर बात किया करते थे।

एटीएस टीम ने सूचना जारी कर बताया कि थाना क्षेत्र के दुल्लीपुर गांव निवासी असरफ अली 1997 से 2012 तक मुंबई के भिवंडी में रहकर फेरी लगाने का कार्य किया करता था। असरफ की माने तो भिवंडी में ही इसकी मुलाकात जहांगीर नाम के युवक से हो गई। पैसा कमाने की लालच देकर जहांगीर ने असरफ को सऊदी में रहने वाले मोहम्मद अली से संपर्क करा दिया। मोहम्मद अली ने असरफ को कोरियर के माध्यम से सिम बॉक्स उपकरण भेज दिया। इधर असरफ अपने छत पर ही अवैध टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित कर राष्ट्र की सुरक्षा में सेंध लगाने व राजस्व क्षति करने वाले गैंग में शामिल हो गया। असरफ लोकल कॉल से अंतरराष्ट्रीय कॉल पर बात कराता था। असरफ को माह में करीब एक लाख रुपये की आय होती थी, जो उसके बैंक अकाउंट या हवाला के माध्यम से आ जाता था। एटीएस टीम ने आरोपी के पास से प्री-एक्टिवेटेड 65 सिम, सिमबॉक्स, एडाप्टर, फोर-जी राउटर, पांच मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य उपकरण बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजयपाल शर्मा ने बताया कि एटीएस वाराणसी की टीम ने दुल्लीपुर में छापा मारकर एक को गिरफ्तार किया है।

सेब खाकर दो सगी बहनों की बिगड़ी तबीयत, एक की मौत

संतकबीरनगर। मेंहदावल क्षेत्र के गोविंदपुर मईला गांव में सेब खाने के बाद अचानक दो सगी बहनों की तबीयत बिगड़ गई। घर में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में बच्चियों को मेंहदावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, जहां उपचार में दौरान एक की मौत हो गई। वहीं, दूसरी बहन की हालत नाजुक होने पर उसे उपचार के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक बच्ची का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। गोविंदपुर मईला निवासी शेखर यादव की दोनों पुत्री मनीता यादव (19) व संगीता यादव(8) है।



सड़क की लंबाई यूपी में 84.3 किमी, बिहार में 416.2 किमी व प. बंगाल में 18.97 किमी होगी

गोरखपुर-सिलीगुडी एक्सप्रेस-वे खातिर 115 गांव की भूमि का होगा अधिग्रहण

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण डीपीआर तैयार करने में जुटा
- एक्सप्रेस-वे की लंबाई भी 3-4 किमी और बढ़ेगी
- एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर करीब 32000 करोड़ रुपये खर्च होंगे



केटी न्यूज/चंदौली

गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए गोरखपुर मंडल के तीन जिलों के 115 गांवों की भूमि अधिग्रहित की जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) डीपीआर तैयार करने में जुटा है। पहले 111 गांवों की जमीन अधिग्रहित होनी थी, लेकिन बीच में ग्रीन लैंड एरिया पड़ने के चलते एक्सप्रेस-वे को घुमाया जा रहा है। गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस- में होगा मंडल का अहम रोल, 115 गांवों की भूमि होगी अधिग्रहित होगी। इससे चार और गांवों की भूमि भी इसकी जद में आएगी। इससे एक्सप्रेस-वे की लंबाई भी 3-4 किमी और बढ़ जाएगी।

गोरखपुर-कुशीनगर फोरलेन पर कोनी के पास से गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे शुरू होगा। यह सड़क फोरलेन बनाई जाएगी, लेकिन सिक्सलेन के हिसाब से 75 मीटर चौड़ाई में भूमि अधिग्रहित की जाएगी, ताकि भविष्य में इसे चौड़ी करनी पड़े तो दिक्कत न हो।भारत माला परियोजना के तहत गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर करीब 32000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका उत्तर प्रदेश में 84.3 किमी, बिहार में 416.2 किमी और पश्चिम बंगाल में 18.97 किमी हिस्सा पड़ेगा। सड़क की कुल लंबाई 519.58 किमी होगी। कुशीनगर-देवरिया में हरित क्षेत्र के चलते बदली डीपीआरएनएचएआई ने इसका प्रस्ताव वर्ष 2021 में देते हुए सर्वे की जिम्मेदारी भी एक फर्म को दे दी थी, लेकिन इस मार्ग पर हरित क्षेत्र होने के चलते वन विभाग की अड़चन से बचने के लिए दोबारा डीपीआर तैयार करने की योजना बनाई गई। इसके चलते एक्सप्रेस-वे देवरिया और कुशीनगर के कुछ हिस्सों में घूमकर जा रहा है। इसके चलते पहले यूपी में इसकी लंबाई करीब 81 किमी थी। अब बढ़कर करीब 85 किमी हो जाएगी। इन जिलों के गांव की जमीन होगी अधिग्रहित गोरखपुर के चौरीचौरा तहसील के 14, कुशीनगर के हाटा तहसील के 22, कुशीनगर के कसया तहसील के 14, कुशीनगर के तमकुहीराज के 45, देवरिया के सदर तहसील के 22, एनएचएआई के परियोजना निदेशक ललित प्रताप पाल ने बताया कि गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे की डीपीआर तैयार कराई जा रही है। बारिश के चलते काम में तेजी नहीं आ पा रही है। इस मार्ग में हरित क्षेत्र का कुछ हिस्सा पड़ने के चलते एक्सप्रेस-वे की लंबाई बढ़ रही है। जल्द डीपीआर का काम पूरा कर इसे शासन को भेज दिया जाएगा। इसके बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

सुभाषितम्

शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है।

- चाणक्य

मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट मोदी गारंटी की तरह

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार सातवीं बार लोकसभा में अपना बजट प्रस्तुत किया है। बजट में कई लोक-लुभावन घोषणाएं की गई हैं। घोषणाओं के लिए स्पष्ट बजट नहीं दिया गया है। बेरोजगारों, युवाओं और महिलाओं के लिए जिस तरीके की योजनाएं पेश की गईं हैं, उनमें कोई स्पष्टता नहीं है। बजट आवंटन भी स्पष्ट नहीं है। बजट में गरीब महिलाएं, युवा, बेरोजगार और किसानों की योजनाओं का बढ़-चढ़कर गुणगान किया गया है। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा लोन 10 लाख से बढ़कर 20 लाख कर दिया गया है। अन्न योजना को अगले 5 वर्ष के लिए बढ़ाया गया है। युवाओं के रोजगार और रोजगार मूलक प्रशिक्षण के लिए स्टाइफंड देने की व्यवस्था बजट में की गई है। मध्यवर्ग के लिए टैक्स स्लैब में परिवर्तन किया गया है। 3 लाख से 7 लाख रुपए तक की आय पर पांच फीसदी, 7 से 10 लाख की आय पर 10 फीसदी, 10 से 12 लाख रुपए की आय पर 15 फीसदी, 12 से 15 लाख रुपए की आय पर 20 फीसदी, 15 लाख से अधिक की आय पर 30 फीसदी आयकर का सिलेब बनाया गया है। किसानों के लिए दाल और तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देने की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने युवाओं को रोजगार देने के लिए 5 वर्षों में 4.01 करोड़ युवाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपए की योजना, शिक्षा रोजगार और कौशल प्रशिक्षण के लिए देने की घोषणा की गई है। बेरोजगार युवाओं को इंडस्ट्री में प्रशिक्षण मिले उन्हें 15000 रुपए प्रतिमाह की सहायता राशि, उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपए तक के ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। 30 लाख युवाओं को अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 3000 रुपए प्रति हितग्राही 2 साल तक देने, शहरी आवास योजना के लिए 10 लाख करोड, एक करोड़ घरों को फ्री बिजली, आदिवासियों के उन्नयन के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने के लिए 63000 करोड रुपए की सहायता, ग्रामीण अंचलों को प्रधानमंत्री सड़क योजना से जोड़ने के लिए 11500 करोड़ की वित्तीय मदद देने की घोषणा वित्त मंत्री ने की है। 2024-25 के बजट में मोबाइल फोन, चार्जर, आयातित सोने-चांदी, कैंसर की दवाएं इलेक्ट्रिक गाड़ियां, जूते-चप्पल, कपड़े, कॉपर, लोहे का स्क्रेप तथा महत्वपूर्ण खनिज के शुल्क को घटाया गया है। यह भी ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। इस बजट में जो चीजें महंगी होगी। उसमें प्लास्टिक का सामान, सिगरेट, पेट्रोकेमिकल तथा अमोनियम नाइट्रेट जैसी चीजों पर टैक्स बढ़ाया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया है। उसमें पारदर्शिता का अभाव है। चुनावी घोषणा की तरह इस बजट में घोषणाएं ज्यादा हैं। बजट में उसके लिए कितनी राशि आवंटित की गई है, इसका खुलासा नहीं है। बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उसमें भी कोई ऐसी स्पष्टता नहीं है, जिसमें यह कहा जा सके कि उन्हें एक निश्चित समय पर कोई बड़ी आर्थिक सहायता मिलने जा रही है। वर्ष 2024-25 का जो बजट बजट प्रस्तुत किया गया है। वह एक तरह से निराश करने वाला बजट है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, लोकसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत सारी गारंटी मतदाताओं को दी थी। इसी तरह से बजट में भी वित्तमंत्री ने गारंटी दी है। यह गारंटी किस तरह और कब पूरी होगी, इसके बारे में बजट में कोई आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए है। पिछले वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर केंद्र सरकार ने बजट में जो प्रावधान किए थे। वह राशि उन योजनाओं के लिए जारी नहीं हो पाई। जिसके कारण सैकड़ो प्रोजेक्ट कई वर्षों से लंबित पड़े हुए हैं। इनकी लागत लगातार बढ़ती जा रही है। उनको किस तरह से पूरा किया जाएगा, इसका उल्लेख भी बजट में नहीं किया गया। केंद्र सरकार ने कई विभागों के बजट को पिछले वर्ष की तुलना में कम कर दिया है।

चिंतन-मनन

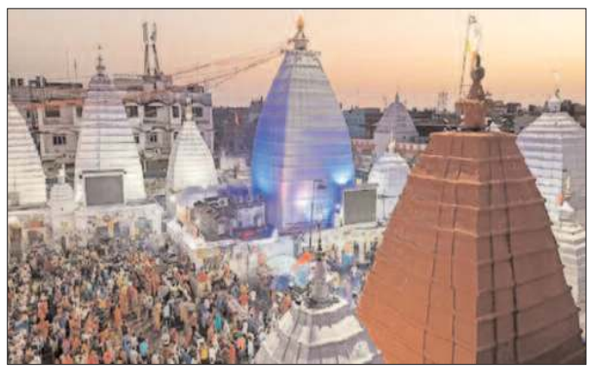
उपाय भी ठीक से हो



एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को से मिटाया जाता है क्या अंधेरा से मिटता है समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

श्रावण मास : शिव भक्ति की कांवड़ यात्रा का पर्व !

- डॉ श्रीगोपाल नारसन



भगवान शिव ही एक मात्र ऐसे परमात्मा है जिनकी देवचिन्ह के रूप में शिवलिगं की स्थापना कर पूजा की जाती है। लिगं शब्द का साधारण अर्थ चिन्ह अथवा लक्षण है। चूंकि भगवान शिव ध्यानमूर्ति के रूप में विराजमान ज्यादा होते है इसलिए प्रतीक रूप में अर्थात ध्यानमूर्ति के रूप शिवलिगं की पूजा की जाती है। पुराणों में लयनाल्तिमुच्चते अर्थात लय या प्रलय से लिगं की उत्पत्ति होना बताया गया है। जिनके प्रणेता भगवान शिव है। यही कारण है कि भगवान शिव को प्राय शिवलिगं के रूप अन्य सभी देवी देवताओं को मूर्ति रूप पूजा की जाती है। शिव स्तुति एक साधारण प्रक्रिया है। ओम नमः शिवाय का साधारण उच्चारण उसे आत्मसात कर लेने का नाम ही शिव अराधना है। श्रावण मास में शिव स्तुति मनोकामना पूर्ण करने वाली होती है। हर साल श्रावण मास में करोड़ो की तादाद में कांवडिये सुदूर स्थानों से आकर गंगा जल से भरी कांवड़ लेकर पदयात्रा करके अपने गांव कस्बे व शहर वापस लौटते हैं इस यात्राको कांवड़ यात्रा बोला जाता है। श्रावण की चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने निवास के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है। कहने को तो ये धार्मिक आयोजन भर है, लेकिन इसके सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। पानी आम आदमी के साथ साथ पेड पौधों, पशु - पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारो लाखों तरह के कीडे-मकोडों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक है। भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है।कांवड़ मेले में हरिद्वार में चारों ओर शिवभक्त नजर आएंगे । गंगोत्री, ऋषिकेश या फिर हरिद्वार में हर की पेडी से शुरू होकर गंगनहर के समानांतर कांवड़ियों की आस्था की धारा शुरू हो गई है । कांवड़ मेले में जगह-जगह आलोकिक दृश्य देखने को मिलता है।भारतीय लोगों के लिए कांवड़ मेला बिल्कुल अनसुना नहीं है। सावन प्रारंभ होते ही केसरी रंग के कपड़ों में कांवड़िए अपने कंधे पर कांवड़ लटकाकर उसमें गंगाजल भरकर लाते हैं और अपनी मन्नत के अनुसार किसी विशेष शिव मंदिर में उस गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।गंगाजल लाने और उससे शिवलिंग का अभिषेक करवाने तक का यह पूरा सफर पैदल और नंगे पांव किया जाता है। निश्चित तौर पर यह काम बहुत हिम्मत का है, लेकिन शिव भक्ति के सामने कोई भी मुश्किल नही रहती है।कांवड़ियों के पैरों में पड़ने वाले छाले ही कांवड़ यात्रा में एक बड़ी रुकावट बन जाते हैं लेकिन शिव भक्त हार नही मानते हैं। माना जाता है शिव का जलाभिषेक करने से शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की हर मनोकामना को पूरा करते हैं।सावन के महीने को शिव मास भी कहा जाता है, क्योंकि ये वह महीना होता है जब सारे देवता शयन करते हैं और शिव जाग्रत रहकर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।कांवड़ यात्रा हठयोग की प्रतीक है, लेकिन इस दौरान कावड़ियों को कुछ नियमों का पालन भी करना पड़ता है जो अत्यंत आवश्यक होता है।कांवड़ यात्रा शुरू करते ही कावड़ियों के लिए किसी भी प्रकार का नशा करना वर्जित होता है।कांवड़ यात्रा पूरी होने तक उस व्यक्ति को मांस, मदिरा और तामसिक भोजन से परहेज करना होता है। बिना स्नान किए कांवड़ को हाथ नहीं लगा सकते, इसलिए स्नान करने के बाद ही कांवड़िए अपनी कांवड को छू सकते है।चमड़े की किसी वस्तु का स्पर्श, वाहन का प्रयोग, चारपाई का उपयोग, ये सब कावड़ियों के लिए वर्जित कार्य है। इसके अलावा किसी वृक्ष या पौधे के नीचे भी कावड़ को रखना वर्जित है।कांवड़ ले जाने के पूरे रास्ते भर बोल बम और जय शिव-शंकर का उच्चारण करना फलदायी होता है। कांवड़ को अपने सिर के ऊपर से लेकर जाना भी वर्जित माना गया है। इन सभी नियमों का पालन करना आवश्यक है और इसके लिए कांवड़ियों की संकल्पशक्ति की मजबूती अनिवार्य है।श्रावण मास में कावंड में गंगाजल भरकर पदयात्रा करते हुए शिवालयो में जलाभिषेक करना पूण्यप्राप्ति होना माना जाता है। जिस कावंड में गंगाजल भरकर शिवालय में ले जाया जाता है। उस कावंड को बनाने वाले हिन्दू ही नही बल्कि मुस्लमान भी है।हरिद्वार नगरी के ज्वालापुर,सराय में रफीक के परिवार को साल भर की रोजी रोटी इसी कावंड से मिलती है।यह परिवार रंग बिरंगी कांवड़ तैयार कर अपने घर का चूल्हा जलाता है। कई मुस्लमान हिन्दूओं के इस कावंड मेले में कावंड सहायता शिविर लगाकर धार्मिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे का सन्देश भी देते है।वही इस कावंड मेले को बदरंग करते हुए कुछ कांवडिये भांग का सेवन करते है तो कुछ चरस गांजे का अवैध व्यापार भी इस कावंड मेले की आड में करते है। शिव भक्ति आषाड मास के बीस दिन बीतने के बाद से ही श्रावण मास पूरा होने तक 40 दिन के लिए किये जाने की परम्परा है। जिसकी शुरूआत हो चुकी है और हरिद्वार की सड़कों व हर की पैड़ी पर शिव भक्तो की भीड बढने लगी है। इस बार चार करोड से अधिक कांवडियों के हरिद्वार आकर गंगाजल अपनी कावंड में भरकर ले जाने की सम्भावना है। जिनके लिए हर बार की तरह इस बार भी गंगनहर पटरी मार्ग को कावंड मार्ग बनाया गया है।हालांकि कुछ कांवड़िये राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर भी जाने लगे है। कावंडियो के लाठी डन्डे लेकर व डीजे बजाकर चलने पर भी प्रतिबन्ध लगाया गया है। लेकिन हर बार की तरह इस बार भी यह प्रतिबन्ध हवा हवाई साबित होगा। क्योकि प्रतिबन्ध के बाद भी कावंडिये लाठी डन्डे लेकर व डीजे बजाकर चलने से नही रूक पाते है। कावंड मेले को सुगम व सुविधाजनक बनाने के लिए पुलिस को जहां कांवडियों के भेष में तैनात किया गया है वही स्वास्थ्य सेवाओ के लिए डाक्टरो की तैनाती,सफाई के लिए पुख्ता इन्तजाम व खादय पदार्थो की शुद्धता व सही रेट वसूलने की हिदायत दी जाती है। इस बार दुकानदारो को अपना नाम दुकान पर अंकित करने की बाध्यता भी की गई है।जिसे लेकर कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है।परन्तु वास्तव में जब कांवडियो की भीड उमडती है तो पुलिस प्रशासन कांवडियो के सामने बोने होते नजर आने लगते है। कांवडियो के कारण गंगनहर मार्ग तो आम जनता के लिए बन्द होगा ही और लोग पिरान कलियर तक भी नही जा सकेगे वही राष्ट्रीय राजमार्ग के भी कम से कम एक सप्ताह तक बन्द रहने की बाध्यता है। जिस कारण स्कूलो,न्यायालयों व सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों का कामकाज प्रभावित होना अवश्यसम्भावी है। सच यह भी है कि कावंड मेले के दिनों में हरिद्वार, रूडकी से लेकर मुज्जफरनगर, मेरठ तक के लोग बन्धक रहेगें। इस कांवड मेले में उत्तराखण्ड के साथ साथ उ0प्र0, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल व पंजाब तक के शिवभक्त कांवडियों के रूप में भाग लेते है।

पौधरोपण : अब नहीं तो कब

- तनवीर जाफरी



उस कोरोना काल को याद कीजिये जब कोविड प्रभावित लोग ऑक्सीजन के बिना तड़प तड़प कर मर रहे थे। पैसे खर्च करने पर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। देश के तमाम ऑक्सीजन प्लांट्स के फेल होने की खबरें सुनाई दे रही थीं। शमशान घाट लाशों से पटे पड़े थे। नदियों में लावारिस लाशें तैरती नजर आ रही थीं। उसी दौरान अनेक समझदार लोग ऐसे भी थे जिन्होंने पेड़ों पर अपना डेरा बना लिया था। कोई पेड़ के ऊपर चारपाई बांध कर लेटा बैठा रहता था तो तमाम लोग शुद्ध व ताजी ऑक्सीजन की चाह में पेड़ों के नीचे पनाह लेने को मजबूर थे। उस दौर में देश के लाखों ग्रामीणों ने तो बगीचों में ही अपना लगभग स्थाई अड्डा बना लिया था। गोया महामारी जैसे संकट के उस दौर में भी प्रकृति हमें पेड़ों व दरख़्तों के माध्यम से निःशुल्क ऑक्सीजन प्रदान कर रही थी। एक युवा पेड़ हमें एक वर्ष में लगभग 7 क्विंटल ऑक्सीजन प्रदान करता है जबकि हमारे लिये हानिकारक व हमारे ही द्वारा विभिन्न माध्यमों से छोड़ी जाने वाली लगभग 20 टन कॉर्बन डाई ऑक्साइड को भी खींच (सोख) लेता है। आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग का शिकार है। गत दस वर्षों से पृथ्वी के लगातार बढ़ते तापमान के कारण पूरे विश्व में ग्लेशियर पिघलने लगे हैं।आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीनों के अधिकार छीन कर उद्योगपतियों के हवाले किये जा रहे हैं। ब्राजील से लेकर भारत तक बड़े पैमाने पर विकास के नाम पर वृक्षों की कटाई की जा रही है।मिसाल के तौर पर मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य वन के लाखों पेड़ अडानी द्वारा संचालित परसा ईस्ट केते बासेन कोयला खदान के विस्तार के लिये स्थानीय ग्रामीणों व आदिवासियों के प्रबल विरोध के बावजूद पुलिस बल की निगरानी में काटे जा रहे हैं। जबकि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान का संकल्प लिया है। प्रचार के अनुसार इसी अभियान के तहत मध्यप्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाएंगे और इसी क्रम में 51 लाख पौधे केवल इंदौर में लगाये जाने की योजना है। इस समय देश का शायद ही कोई ऐसा विभाग हो जिसने वृक्षारोपण को लेकर सक्रियता न दिखाई हो। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि इस वर्ष गर्मी का जितना प्रकोप भारत सहित पूरी दुनिया ने झेला उतनी प्रचंड गर्मी पहले कभी नहीं देखनी व सहनी पड़ी। पूरे विश्व में लाखों लोग तेज गर्मी की तपिश सहन न करते हुये तड़प कर मर गये। इसलिये इस भीषण गर्मी में भी लोगों को वृक्षों ने आकर्षित किया तथा पेड़ों ने अपनी जरूरत का एहसास कराया। गौरतलब है कि एक बड़े वृक्ष के नीचे औसतन चार डिग्री तापमान कम रहता है। साथ ही यही वृक्ष तेज धूप की तपिश से भी बचाता है। वर्तमान युग में बढ़ती गर्मी का एक कारक प्रदूषण भी है। प्रदूषण में धुएं के अतिरिक्त धूल मिटटी शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण का भी अहम योगदान है। परन्तु एक स्वस्थ वृक्ष एक वर्ष में न केवल 20 किलोग्राम से अधिक धूल मिट्टी अपने आप में सोख लेता है बल्कि शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण को भी कम करता है। इतना ही नहीं बल्कि यही वृक्ष करीब 1 लाख वर्ग मीटर प्रदूषित हवा का भी निस्पंदन करता है। यही वृक्ष 80 किलोग्राम पारा, लीथियम व लेड जैसी जहरीली धातुओं के मिश्रण को भी सोखने की क्षमता रखता है। पेड़ पौधों की अहमियत को वैसा तो कोविड काल ने ही लोगों को ठीक से समझा दिया था। खासकर शहरी जीवन बिताने वाले लोगों को तो कुछ ज्यादा ही। क्योंकि कोविडकाल के बाद पूरे देश में शहरी इलाकों में गमलों व इनमें पौधे लगाने का चलन पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ गया है। पक्की फर्श वाले मकानों में रखे हुये पर्याप्त मात्रा में गमले में लगे पौधे बेशक एक घर के तापमान को तो नियंत्रित करने व ऑक्सीजन देने की क्षमता तो रखते ही हैं। यह कोविड काल की ही दहशत है जिसके चलते पूरे देश में प्लास्टिक,मिटटी व सीमेंट के गमलों तथा नर्सरीज में पौधों की बिक्री कोविड काल के बाद कई गुना अधिक हो चुकी है। वृक्षों का बादलों से भी गहरा नाता है। आम तौर पर रेगिस्तानी क्षेत्रों में बारिश इसलिए नहीं होती या अत्यधिक कम होती है क्योंकि वहां पर्याप्त संख्या में वृक्ष नहीं होते। जबकि दुनिया में अनेक घने जंगलों के इलाके ऐसे भी हैं जहाँ घने जंगलों के कारण अत्यधिक वर्षा होती है। ऐसे घने जंगलों को वर्षावन भी कहा जाता है। गोया वृक्ष,बादल ,बारिश हरियाली मानव जीवन और खुशहाली का आपस में एक दूसरे से सीधा नाता है। नदी नालों के कटाव को रोकने में भी वृक्ष अहम भूमिका अदा करते हैं। यानी बाढ़ रोकने में सहायक होते हैं। हमें अध्ययन करने से तो यहाँ तक पता चलता है कि समुद्री किनारों पर पाए जाने वाले मैंग्रोज के पेड़ व इन के घने जंगल सुनामी की गति को नियंत्रित करने तक का काम करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि यह समुद्री क्षेत्र के विस्तार को भी रोकते हैं। जबकि इन पेड़ों की आधी जड़ें भी धरातल के ऊपर होती हैं। बहरहाल, वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरुरत है। किसी सरकार,शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं,इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं,इसके नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा सकता है। और तो और लगे लगाये दरख़्तों व जंगलों को कापोरेट्स के हित में कटवाने की भागीदार भी हो सकती हैं। विज्ञापनों व साक्षात्कार के माध्यम से इसके महत्व का बखान कर सकती हैं परन्तु चूँकि यह वोट बैंक से जुड़ा विषय नहीं इसलिये इसके प्रति उतनी गंभीरता नहीं दिखातीं जितनी कि जरूरत है।

बच्चों में अच्छी आदतों का विकास

- हेमेन्द्र क्षीरसागर

बच्चे एक तरह से पौधे की तरह होते हैं। माता पिता माली की तरह, हम जिस तरह से उनकी देखभाल करेंगे हमें वैसा ही परिणाम देखने को मिलेगा। बच्चों में अच्छी आदतों का विकास तभी संभव है जब वे शरारतें कर रहे हों या कई छोटी-छोटी गलतियां कर रहे हों। लेकिन आप उन्हें सही मार्गदर्शन करते हों। कुछ माता-पिता बच्चों की शरारतों, गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं यह सोचकर कि बच्चा अभी छोटा है। फिर यही छोटी-छोटी गलतियाँ उनकी आदतें बन जाती हैं। बचपन की गलतियां उसके भविष्य को प्रभावित करती हैं। बच्चा बड़ा होने पर अपनी गलतियों को सुधार नहीं पाता। क्योंकि यह छोटी छोटी बातें उसकी आदत बन चुकी होती हैं और वह आदतों से मजबूर होता है। माता-पिता को बच्चों को बचपन से ही अच्छी तालीम देनी चाहिए। अगर छोटा बच्चा कोई गलती करता है तो उसे प्यार से समझाएं जैसे - अगर बच्चे ने कोई चीज खराब कर दी या तोड़ दी है तो उसे मारें नहीं।

अच्छे संस्कार

बच्चे में अच्छे संस्कार घर के माहौल से आते हैं। अगर आप बच्चों में शिक्षा, स्वास्थ्य, ईमानदारी, सादगी, विनम्रता, बड़ों का सम्मान आदि के लिए सुबह शाम एक घंटे का समय देते हैं, तो आपको अवश्य ही अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। अतः बच्चे को खिलौना ना दिया जाए, तो वह कुछ समय तक रोएगा। लेकिन संस्कार ना दिए जाएं तो वह जीवन भर रोएगा।।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत

बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, क्योंकि बच्चे अपने माता-पिता पर निर्भर होते हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमें संतुलित आहार देने की जरूरत होती है। बच्चों को आहार देते समय इसके फायदे भी बताएं। धीरे-धीरे बच्चे इसे अपने भोजन का हिस्सा बना लेंगे। यह उनकी आदत बन जाएगी जो भविष्य में अच्छे स्वास्थ्य में मददगार साबित होगी। बच्चों को बचपन से ही उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि बच्चों का बचपन शिक्षा से जुड़ा रहेगा तो आगे चलकर बच्चा उसी दिशा में अच्छा प्रदर्शन करेगा। मानव जीवन में एक उद्देश्य का होना बहुत ही आवश्यक है कोई भी व्यक्ति बिना लक्ष्य के बड़ा मुकाम हासिल नहीं कर सकता है।

बच्चों को नैतिक शिक्षा

प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चे को उच्च शिक्षा दिलाने का प्रयास करते हैं लेकिन सफलता तभी संभव है। जब विद्यार्थी शिक्षा के दौरान अपना लक्ष्य बनाए। बच्चों को उनके महापुरुषों के बारे में बताएं कि वे आज विश्वविख्यात क्यों हैं। उनका जीवन संघर्ष आदि। फलीभूत, महापुरुषों की प्रेरणा से बच्चों में एक नई ऊर्जा का संचार हो सके। बच्चों को नैतिक शिक्षा का ज्ञान देना। ईमानदारी का पाठ पढ़ाना। बच्चों में अच्छी सोच का प्रकाश डालना। बड़ों का सम्मान करना। अपने से कमजोर व्यक्ति को पहचानना। उनका सम्मान करना और समय पर उनकी मदद करना सिखाएं। ताकि बच्चों में मानवीय गुण बरकरार रह सकें।

आज का राशिफल

मेष आज करियर के मामले में प्रबल योग बन रहे हैं और कारोबार में आप कोई बड़ी डील फाइनल कर सकते हैं।

वृषभ आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा।

मिथुन आज दिन काफी क्रिएटिव है। आपको अपने कार्य समय से पूरे करने में सफलता मिलेगी।

कर्क दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है।

सिंह दिन व्यस्त वाला है और आपको धर्म और आध्यात्म के मामले कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं।

कन्या दिन सावधानी से बिताने का है। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आएं तो इस बात से बचें।

तुला आज दिन लाभ से भरा होगा। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं।

वृश्चिक आज दिन लाभ से भरा होगा और आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी।

धनु दिन सावधानी और सतर्कता का है। अगर थोड़ा सा रिस्क उठाएंगे तो आपको लाभ होगा।

मकर आपको भरपूर लाभ होगा। पार्टनरशिप में भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा।

कुंभ आज दिन सफलता से भरा होगा और आपके लिए लाभ के योग बन रहे हैं।

मीन आज दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा।

विशेष

असम के दांव-पेंच झारखंड में चलेंगे

भारतीय जनता पार्टी ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा को झारखंड का सह प्रभारी बनाया है। असम में चुनाव जीतने का उन्हें अनुभव है। वही अनुभव झारखंड में काम आएगा या नहीं, इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। असम में मुस्लिम आबादी बढी है। म्यांमार और बांग्लादेश के शरणार्थी पूर्वोत्तर राज्यों में बड़ी संख्या में है।असम के मुख्यमंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों में हिंदू मुसलमानों के बीच एक बड़ी दीवार खड़ी की है। वहां के आदिवासियों को भी बांटने में बड़ी भूमिका अदा की है। अब उन्हें झारखंड भेजा जा रहा है। निश्चित रूप से धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर झारखंड का चुनाव भाजपा जीतना चाहती है। इसलिए आदिवासियों और हिंदुओं का समर्थन पाने के लिए जिस तरह हेमंत विश्वा शर्मा की जरूर भाजपा को महसूस हुई।

इंडिया के घटक दल की राजनीति

इंडिया गठबंधन में जो सहयोगी दल शामिल हैं। उनमें उप समूह बन गए हैं। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव एक समूह में शामिल हो गए हैं। दोनों के पास संसद में कांग्रेस के बाद सबसे ज्यादा सांसद हैं।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी एक अलग समूह बनाकर इंडिया गठबंधन की राजनीति कर रहा है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ हरियाणा, दिल्ली और गुजरात में तालमेल किया था। लेकिन विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी हरियाणा में 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने जा रही है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1206: कुतुबुद्दीन ऐबक की ताजपोशी लाहोर में हुई. 1783: दक्षिण अमरीकी देशों की स्वतंत्रता के नायक साइमन बोलिवार का जन्म हुआ. 1799: फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट ने तुर्की के सैनिकों को अबूकिर मिस्त्र में शिकस्त दी. 1802: फ्रांसिसी उपन्यासकार अलेक्जेंडर ड्यूक का जन्म. 1847: पुर्तगाल में गृहयुद्ध समाप्त हुआ. 1942: द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटिश बमबारी ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट और मैनहीम शहर को तबाह किया. 1946: अमरीका ने पानी के भीतर परमाणु परीक्षण किया. 1969: अपोलो प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरा, 1974: सुडान में आपात स्थिति लागू. 1973: जापानी विमान के चार अपहताओं ने यात्रियों को रिहा कर विमान को उड़ा दिया बाद में उन्हें लीबिया में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया.

दैनिक पंचांग

24 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

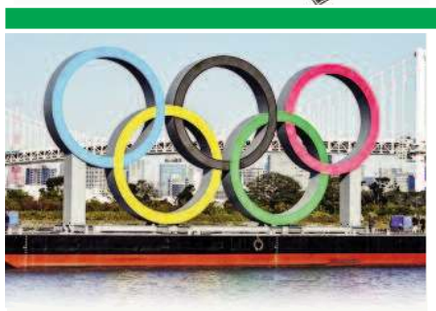


ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.13 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	09.25 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.36 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.51 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	16.07 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	18.12 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.58 बजे से
राहु	मीन में	मीन	21.31 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	23.02 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	00.42 बजे से
		मिथुन	02.40 बजे से
		कर्क	04.53 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 206 वां दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946 मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) पक्ष कृष्ण तिथि तृतीया 07.31 बजे तदनन्तर चतुर्थी 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। नक्षत्र शतभिषा 18.15 बजे को समाप्त। योग सौभाग्य 11.10 बजे को समाप्त। करण विष्टि 07.31 बजे, बव 18.05 बजे तदनन्तर बालव 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। चन्द्रायु 18.0 घण्टे रवि क्रान्ति उत्तर 19° 48' सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872050 जूलियन दिन 2460515.5 कलियुग संवत् 5125 कल्पारंभ संवत् 1972949123 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123 वीरनिर्वाण संवत् 2550 हिजरी सन् 1445 महीना मोहर्रम तारीख 17 विशेष जयापार्वती व्रत समाप्त, संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore



ओलंपिक रिंग्स में क्यों होते है 5 रंग, क्या है इसका मतलब

26 जुलाई 2024 से पेरिस ओलंपिक शुरू होने जा रहा है। भारतीय एथलीट एक बार फिर ओलंपिक में पदक जीतने पूरे जोश में है। इस बार पेरिस ओलंपिक में 117 भारतीय एथलीट भाग लेने वाले हैं। तीरंदाजी से खेल की शुरुआत होगी। इस बार भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए 6 तीरंदाजों के दल की घोषणा की है। 4 साल में एक बार खेला जाने वाला ओलंपिक खेल सबके लिए खास है। इस बार इसका आयोजन पेरिस में हो रहा है। इसके लिए ओलंपिक रिंगों को एफिल टॉवर की पहली मंजिल पर प्रदर्शित भी किया गया है। लेकिन खेल शुरू होने से पहले क्या आपके मन में यह सवाल आया है कि आखिर ओलंपिक खेल में रिंग्स केवल 5 ही क्यों होते हैं। साथ ही ओलंपिक रिंग्स के 5 रंगों का क्या मतलब है।

ओलंपिक रिंग्स में कौन-कौन से रंग होते हैं?

ओलंपिक रिंग्स में 5 रंग होते हैं, सफेद झंडे के ऊपर नीला, पीला, काला, हरा और लाल।

ओलंपिक रिंग्स में क्यों होते है 5 रंग

दरअसल, ओलंपिक रिंग्स के 5 रंग 5 द्वीपों को दर्शाते हैं। इसमें हर द्वीप का रंग अलग है। जैसे ऊपर की तरफ नीला, काला और लाल, इसके बाद नीचे पीला, हरा रंग है। इसकी संरचना अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ के पूर्व अध्यक्ष पिएर डू कूबर्टिन ने की थी। इन 5 रंगों का इस्तेमाल इसमें इसलिए किया गया है, क्योंकि हर देश के झंडे में आपको इनमें से कोई न कोई रंग देखने को मिल जाएगा। इस सिंबल को समानता के उद्देश्य से बनाया गया।

सबसे फेमस सिंबल में से एक है ओलंपिक रिंग्स

ओलंपिक रिंग्स का साइन दुनिया के सबसे प्रसिद्ध ट्रेडमार्क में से एक है। IOC की प्रॉपर्टी है, इसलिए कोई भी इस सिंबल का यूज नहीं कर सकता है। उनके पास ही इसके उपयोग का विशेष अधिकार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इसे लेकर 1981 में नैरोबी संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें लिखा गया था कि किसी के द्वारा अगर कोई किसी सिंबल या किसी भी तरह पर्सनल प्रॉपर्टी जो उसके द्वारा बनाई गई है, उसके यूज करने या उसे अपने नाम करने पर केस फाइल किया जाएगा।





दुनिया का सबसे अजीबोगरीब पुल, 3000 फीट है लंबाई, हर साल बनाकर फिर तोड़ देते हैं लोग

दुनिया में ऐसी कई अजीबोगरीब चीजें हैं जिनके बारे में जानकर लोग हैरान हो जाते हैं. इसी तरह एक पुल भी है जो बेहद अजीबोगरीब है. आप तो जानते होंगे कि पुलों को बनाने में कितना वक्त लगता है. सालों की मेहनत से उसे बनाया जाता है जिससे वो आने वाले कई सालों तक सही सलामत रहे. पर दुनिया में एक ऐसा भी पुल है जिसे हर साल बनाया जाता है और हर साल तोड़ दिया जाता है. अगले साल उसे दोबारा बनाया जाता है और फिर तोड़ दिया जाता है. ये प्रक्रिया सालों से चलती आ रही है. जब आप इसका कारण जानेंगे तो इस बनाने-तोड़ने की प्रक्रिया को सही मानेंगे.

रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी कंबोडिया के मेकॉन्ग नदी पर ये अनोखा ब्रिज बनाया जाता है. ये बांस से बना ब्रिज है. रिपोर्ट के अनुसार करीब 3300 फीट लंबा ये ब्रिज कोह पेन नाम के आइलैंड को कैंपॉन्ग चैम नाम के शहर से जोड़ता है. इसके बनाने में करीब 50 हजार बांस के डंडों का इस्तेमाल किया जाता है. पर सवाल ये उठता है कि जो ब्रिज इतना लंबा है, जिसे इतनी मुश्किल से बनाया जाता है, और जिसमें हजारों लकड़ियां लगी हैं, तो फिर उसे हर साल बनाकर तोड़ क्यों दिया जाता है?

इस वजह से चलती है बनाने-तोड़ने की प्रक्रिया

इसका प्रमुख कारण है मौसम. गर्मी के दिनों में मेकॉन्ग नदी का जलस्तर काफी कम हो जाता है. इतना कम कि इसमें नाव भी ठीक से नहीं चल पाती. तब यहां के लोग नदी के ऊपर पुल बना देते हैं जिससे कोह पेन द्वीप के लोग आसानी से शहर

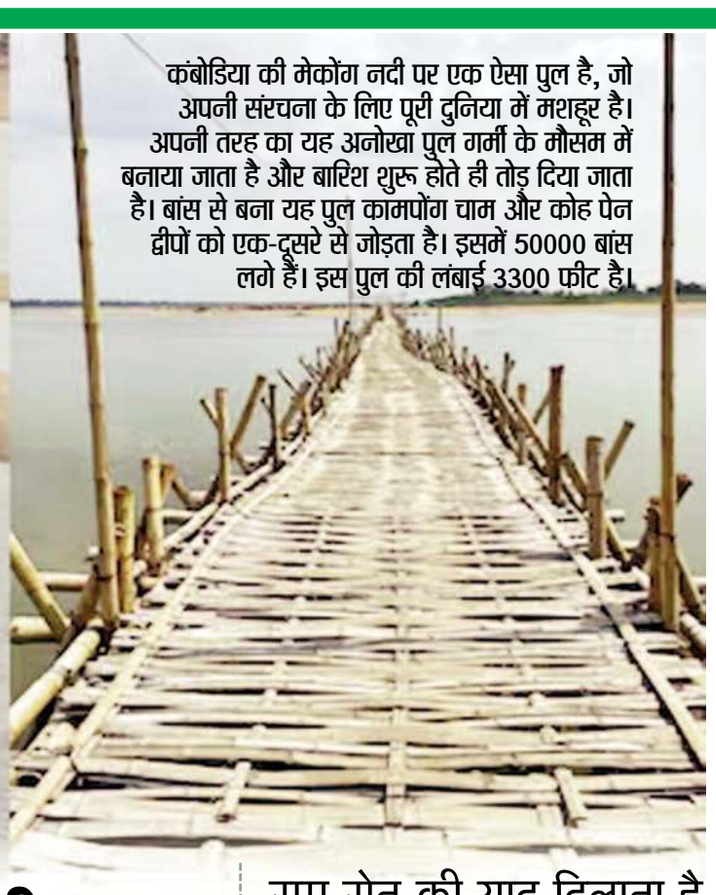


की ओर आ सकें. बारिश का सीजन मई से नवंबर का होता है. सीजन शुरू होने से कुछ वक्त पहले पुल को तोड़ना शुरू कर दिया जाता है क्योंकि नदी का बहाव इतना ज्यादा हो जाता है कि पानी की वजह से पुल टूट सकता है. तब लोग नाव से यात्रा करते हैं. पुल टूटने के बाद निकली हुई बांस की लकड़ी को या तो रख लिया जाता है या फिर किसी और चीज को बनाने के काम में लाया जाता है.

पुल पार करने के लिए चुकाने पड़ते हैं रुपये

सालों से इस पुल को बनाने और तोड़ने का काम जारी है. कंबोडिया के सिविल वॉर के वक्त इसके निर्माण पर कुछ समय तक रोक लग गई थी. पुल इतनी मजबूती से बनता है कि सिर्फ पैदल यात्री ही नहीं, बल्कि कार, बाइक आदि भी इससे आसानी से पार हो जाती है. जो लोकल लोग पुल को पार करना चाहते हैं, उन्हें 100 कंबोडियन रियाल (2 रुपये) चुकाने पड़ते हैं. वहीं जो विदेशी इस पुल को देखने आते हैं, उन्हें 4000 रियाल (80 रुपये) चुकाने पड़ते हैं.





कंबोडिया की मेकोंग नदी पर एक ऐसा पुल है, जो अपनी संरचना के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। अपनी तरह का यह अनोखा पुल गर्मी के मौसम में बनाया जाता है और बारिश शुरू होते ही तोड़ दिया जाता है। बांस से बना यह पुल कामपोंग चाम और कोह पेन द्वीपों को एक-दूसरे से जोड़ता है। इसमें 50000 बांस लगे हैं। इस पुल की लंबाई 3300 फीट है।

राम सेतु की याद दिलाता है 50,000 बांसों से बना यह पुल

वाल्मिकी की 'रामायण' में भी जब भगवान राम, पत्नी सीता को रावण से बचाने के लिए लंका पर चढ़ाई करते हैं, तो अपनी सेना के लिए लंका तक पत्थरों की मदद से एक सेतू का निर्माण करवाया था, जिसे 'राम सेतु' कहा जाता है। कंबोडिया में एक ऐसा ही ब्रिज है, जो इस सेतु की याद दिलाता है।

दुनिया में अलग-अलग तरह के पुल हैं। कुछ प्रकृति की मदद से बने हैं, तो कुछ इंसानों के दिमाग की ऊपज हैं। हालांकि, इन पुलों ने इंसानों की जिंदगी को आसान बनाने का काम किया है। वाल्मिकी की 'रामायण' में भी जब भगवान राम, पत्नी सीता को रावण से बचाने के लिए लंका पर चढ़ाई करते हैं, तो अपनी सेना के लिए लंका तक पत्थरों की मदद से एक सेतू का निर्माण करवाया था, जिसे 'राम सेतु' कहा जाता है। कंबोडिया में एक ऐसा ही ब्रिज है, जो इस सेतु की याद दिलाता है। हालांकि, उसे बांसों की मदद से बनाया गया है। इस 3,300 फीट लंबे पुल को 50 हजार बांसों की मदद से पानी में खड़ा किया गया है, जो दिखने में बेहद अद्भुत लगता है।

हर साल इसे बनाया जाता है दोबारा

बरसात के मौसम से ठीक पहले, स्थानीय लोग इस पुल को तोड़ देते हैं। ताकि? नदी में आने वाली बाढ़ इसमें लगे बांसों को बहा ना ले जाए। यह लोग ब्रिज के सभी बांसों को संभालकर रखते हैं। मौसम सही हो जाने के बाद हर साल वह इसे उन्हीं बांसों से दोबारा बनाते हैं। ऐसा हर साल किया जाता है। हालांकि, कंबोडिया में हुए गृह युद्ध के दौरान इस पुल को नहीं तोड़ा गया था। उस समय मजबूती से खड़ा रहा था।

इस पुल से गुजरते हैं ट्रक और गाड़ियां

यह पुल भले ही बांस के डंडों से बनाया गया हो। लेकिन इसकी मजबूती का सबूत इससे गुजरने वाले साइकिल, कार, मोटरसाइकिल और ट्रक देते हैं। बता दें, यह पुल मेकांग नदी पर बना है, जो कोह पेन के एक हजार परिवारों को काम्पोंग चम शहर से जोड़ता है।

इस पुल के इस्तेमाल पर देने पड़ते हैं पैसे

यह पुल निशुल्क नहीं है। इससे गुजरने के लिए स्थानीय लोगों को करीब 2 रुपये देने पड़ते हैं। जबकि विदेशी पर्यटकों से इसका 40 गुना लिया जाता है। अगर आपको यह ब्रिज देखना है, तो अप्रैल महीने में कंबोडिया हो आइए। और हां, जब यह ब्रिज हटा दिया जाता है, तो लोग नाव की मदद से एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं।

पिछले साल यहां की सरकार ने मेकोंग नदी पर इस पुल के पास में कंक्रीट का पुल भी बना दिया है। इससे लोगों में डर हो गया कि बांस के पुल की परंपरा खत्म हो जाएगी। मगर यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों का कहना है कि बांस का यह पुल अब भी पूरी मजबूती से बना हुआ है। हालांकि अब यह पहले की अपेक्षा संकरा हो गया है और सिर्फ पैदल यात्री इसका इस्तेमाल करते हैं।



लोगों की आंखों के सामने देखते ही गायब हो जाता है समुद्र

क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा समुद्र तट है जहां पहले समुद्र दिखाई देता है और फिर पलक झपकते ही गायब हो जाता है। यह समुद्र तट ओडिशा के चांदीपुर शहर में है। यह भुवनेश्वर से लगभग 200 किमी दूर है। यह प्राकृतिक घटना रोजाना कम से कम दो बार होती है। 5 से 6 किमी तक के इस 'हाइड एंड सीक' बीच पर पानी सेकंड्स में गायब हो जाता है और रेत के टीले दिखाई देने लगते हैं। लेकिन अन्य सभी चीजों की तरह इस घटना के पीछे भी विज्ञान है। क्षेत्र में उच्च और निम्न ज्वार में बड़े पैमाने पर अंतर के कारण रेत के टीले पानी पर हावी हो जाते हैं।

भारत में कई विचित्र स्थान देखने को मिल जाएंगे, जिनका रहस्य यकीनन सुलझा पाना कभी-कभी मुश्किल हो जाता है। ऐसे ही रहस्यों से घिरा हुआ है ओडिशा का चांदीपुर बीच। ओड़िशा राज्य में, चांदीपुर के एक छोटे से शहर में बालासोर गांव के नजदीक, चांदीपुर बीच एक ऐसी शांत जगह है, जो रहस्य में डूबी हुई है। इस बीच का एक अनोखा राज है, समुद्र का पानी समय-समय पर आंखों के सामने से गायब हो जाता है और कुछ समय बाद फिर से दिखाई देने लगता है।

चांदीपुर बीच

चांदीपुर बीच को अपने अलग ही प्राकृतिक खूबी के लिए जाना जाता है, इस बीच को हाइक एंड सीक बीस भी कहते हैं। भुवनेश्वर से करीबन 200 किमी दूर मौजूद, कम फेमस ये बीच बालासोर गांव के पास स्थित है, जिसकी कुछ दिलचस्प बातें जानकर हर किसी का यहां घूमने का मन कर जाता है। बता दें, ये समुद्र अगर आपको एक दिन पानी के साथ दिखाई देगा, तो दूसरे दिन गायब हो जाएगा।

इस समुद्र में पानी के कम होने की प्रक्रिया कम और ज्यादा प्रवाह की वजह से दिन में दो बार होती है। अगर आप इस बीच पर ज्यादा देर के लिए रुकेंगे, तो आपको बीच कुछ देर के लिए गायब और थोड़ी देर बाद फिर से उसी किनारे दिख जाएगा। हालांकि यहां रहने वाले निवासियों के लिए ये प्रक्रिया आम है, लेकिन यहां आने वाले पर्यटकों के लिए ये चीज वाकई में नई रहती है।

चांदीपुर बीच पर समुद्रीसीप

इस बीच की सैर पर जाने के लिए ये एक और कारण है, जो आपको यहां घूमने के लिए मजबूर कर देगा। कम प्रवाह के दौरान समुद्र के किनारे कई समुद्री मोती भी दिख जाते हैं, यही नहीं केकड़े और छोटी-छोटी मछलियां भी बीच के किनारे आ जाती हैं। वैसे ये चीज आपको हर बीच में दिखाई नहीं देगी। यहां फैले हुए कैसुअरिना पेड़ और रेत के टीलों इस जगह को और भी ज्यादा आकर्षक बना देते हैं।





जापान में स्थित है दुनिया का सबसे पुराना होटल

आज के इस दौर में ऐसे बहुत से किले हैं, जो होटल में तब्दील हो चुके हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं, जो कभी होटल हुआ करते थे और वो खाली वीरान नज़र आते हैं। मगर इन सबके बीच एक होटल ऐसा भी है, जो सदियों से ज्यों का त्यों बना हुआ है। यह दुनिया का सबसे पुराना होटल माना जाता है। जापान में स्थित इस होटल की खासियत ये है कि इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। इस होटल का नाम निशियामा ओनसेन कियूनकन है। इस होटल का निर्माण साल 705 में फुजिवारा महितो नाम के व्यक्ति ने करवाया था।

सदियों पहले बनकर तैयार हुआ ये होटल आज भी उसी तरह से चल रहा है। करीब 1316 साल पुराने इस होटल को फुजिवारा महितो की 52वीं पीढ़ी आज भी पूरी लगन से चला रही है। इस होटल के अनोखे इतिहास को जानने के लिए दुनियाभर के लोग यहां आते हैं। इस होटल के आलीशान गर्म झरने आकर्षण का केंद्र हैं, जिसे देखने लोग दूर-दूर से आते हैं। प्रकृति की गोद में समाए इस होटल के आसपास दूर-दूर तक खूबसूरत वादियां नज़र आती हैं। इसके अलावा होटल के एक ओर घना जंगल बना है, तो वहीं दूसरी ओर कल-कल करती खूबसूरत नदी बहती है, जो इस इलाके की खूबसूरती को चार चांद लगा रहे हैं। इन दिलकश नज़ारों का लुत्फ उठाने के लिए लोग दूर-दूर से यहां आते हैं। कुल 37 कमरों वाले इस होटल में एक रात ठहरने के लिए आपको करीब 35 हजार रुपये चुकाने पड़ते हैं।

रिटायर्ड इंजीनियर ने विमान को बनाया अपना आशियाना

अमेरिकी राज्य ओरेगन के हिल्सबोरो शहर का अनोखा घर काफी चर्चा में है, जिसे एक रिटायर्ड इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ब्रूस कैम्पबेल ने तैयार किया है। 64 वर्षीय ब्रूस कैम्पबेल का ये कदम वाकई सराहनीय है। दरअसल, कैम्पबेल जब तीस वर्षीय थे, तब उन्होंने दस एकड़ का एक प्लॉट खरीदा था। उसी वक्त उन्होंने इस प्रकार का नायाब कार्य करने का मन बना लिया था। योजना के मुताबिक ब्रूस कैम्पबेल ने एक पुराना बोईंग 727 एअरप्लेन खरीदा। उसे खरीदने के बाद अपने घर लाकर दुनिया का सबसे अनोखा घर तैयार किया।

विमान में कैंपबेल अपने फ़्यूटन पर आराम करते है, जहां वह आराम करते हैं और सोते भी है। उसके बगल में उसकी चप्पलें हैं। हवाई जहाज के अंदर धूल मिट्टी और गंदगी से बचने के लिए सभी आने जाने वाले लेग स्लीपर या मोजे पहनकर ही एंटर करते हैं। कैंपबेल के इस विमान में वॉशिंग मशीन, सिंक और अस्थायी शॉवर भी है। कैंपबेल विमान के अंदर अपना अधिकांश भोजन टोस्टर या माइक्रोवेव की सहायता से बनाते हैं। इसके अलावा वे ज्यादातर डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और अनाज ही खाते हैं।



संक्षिप्त समाचार

खुले 2 कंपनियों के आईपीओ, ग्रे मार्केट में मिले अच्छे



नई दिल्ली, एजेंसी। आज निवेशकों के पास दो कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका होगा। वी एल इंफ्राप्रोजेक्ट्स आईपीओ आज से खुल रहा है। कंपनी के आईपीओ का साइज 18.52 करोड़ रुपये का है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 44.10 लाख शेयर जारी करेगी। कंपनी ने प्राइस बैंड 39 रुपये से 42 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 3000 शेयरों का है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,26,000 रुपये का दांव लगाना होगा। यह आईपीओ निवेशकों के लिए आज से 25 जुलाई तक खुला रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 26 जुलाई को होगा। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 5.24 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 22 जुलाई को खुला था। बता दें, ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन अच्छा है। ग्रे मार्केट में वी एल इंफ्राप्रोजेक्ट्स आईपीओ 50 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि प्राइस बैंड से अधिक है। वी एल इंफ्राप्रोजेक्ट्स आईपीओ आज से खुल रहा है। कंपनी के आईपीओ का साइज 18.52 करोड़ रुपये का है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 44.10 लाख शेयर जारी करेगी। कंपनी ने प्राइस बैंड 39 रुपये से 42 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 3000 शेयरों का है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,26,000 रुपये का दांव लगाना होगा। यह आईपीओ निवेशकों के लिए आज से 25 जुलाई तक खुला रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 26 जुलाई को होगा। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 5.24 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 22 जुलाई को खुला था। बता दें, ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन अच्छा है। ग्रे मार्केट में वी एल इंफ्राप्रोजेक्ट्स आईपीओ 50 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।

1 शेयर पर 100 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी



नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में हनीवेल ऑटोमेशन इंडिया लिमिटेड के शेयर कल एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेंगे। कंपनी ने एक शेयर पर 100 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। पिछले कुछ सालों में एक बार में कंपनी सबसे अधिक डिविडेंड देने जा रही है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा था कि 1 शेयर पर 100 रुपये का डिविडेड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 24 जुलाई 2024 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इसी दिन कंपनी अपने रिकॉर्ड बुक को खंगालेगी। जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा। 2024 में हनीवेल ऑटोमेशन इंडिया लिमिटेड के शेयर पहली बार एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेंगे। कंपनी इससे पहले 3 अगस्त 2023 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी।

चप्पल से आदमी की औकात... जब दो महारथियों को रेस्तरां से लौटा दिया गया

बेंगलुरु में बीते दिनों मॉल में धोती पहने किसान को नहीं दी गई थी एंट्री

- फिडो के संस्थापक और सीईओ गणेश सोनवणे ने इस घटना का किया जिक्र
- गणेश का भी ऐसी ही घटना के साथ पड़ चुका पाला, चप्पलों के कारण लौटाए गए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु में बीते दिनों एक मॉल में धोती पहने किसान को एंट्री देने से मना कर दिया था। मामले के तूल पकड़ने पर मॉल को माफी मांगनी पड़ी। इस घटना के बाद फिडो के संस्थापक और सीईओ गणेश सोनवणे और एथर एनर्जी के सह-संस्थापक स्वप्निल जैन ने बताया कि उन्हें भी शहर के एक रेस्टोरेंट में चप्पल पहनने के कारण एंट्री नहीं दी गई थी। अक्सर ही चप्पलों को आदमी की औकात से जोड़ा जाता है। पिछले साल का ही उदाहरण लेते हैं। पूर्व बीजेपी सांसद वरुण गांधी का एक बयान खूब सुर्खियों में रहा था। तब उन्होंने एक स्थानीय नेता पर हमला करते हुए कहा था कि जो



हमारी चप्पल उठाने की औकात नहीं रखते थे आजकल पांच-पांच गाड़ियों के काफिले में चलते हैं।

सोनवणे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने साथ हुई उस घटना का जिक्र किया है। उन्होंने बताया, यह एक सच्ची कहानी है।एथर के सह-संस्थापक स्वप्निल और मैं एक बार बेंगलुरु के एक रेस्टोरेंट में गए थे। हमें चप्पल पहनने के कारण अंदर नहीं जाने दिया गया। वैसे उन्होंने यह नहीं बताया कि यह घटना कब हुई थी।

कैसा हुआ था दोनों को महसूस

हालांकि, सोनवणे ने किसान के अनुभव के उलट बेंगलुरु की घटना को भेदभावपूर्ण कहने से इनकार किया। उन्होंने बताया कि जब रेस्टोरेंट वालों ने उन्हें एंट्री नहीं दी तो दोनों ने उनकी बात का सम्मान किया। बात बढ़ाने के बजाय वे दूसरी जगह चले गए। दोनों ने इसे भेदभाव न कहकर ड्रेस कोड का मसला माना। उन्होंने महसूस किया कि शायद उस दिन उनसे बेवकूफी हुई।

किसान के साथ मॉल में क्या हुआ

70 वर्षीय किसान फकीरप्पा अपने बेटे के साथ एक फिल्म देखने बेंगलुरु के जीटी मॉल गए थे। लेकिन, उन्हें धोती पहनने के कारण प्रवेश नहीं दिया गया। खबरों के मुताबिक, सुरक्षाकर्मियों ने फकीरप्पा से कहा कि जब तक वह पैंट नहीं पहनेंगे, उन्हें अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। यह घटना 16 जुलाई की है। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया। बेटे का कहना है कि दोनों जीटी मॉल फिल्म देखने गए थे। यह घटना शाम 6 बजे की है। सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि वे उन्हें अंदर नहीं जाने देंगे क्योंकि उनके पिता धोती पहने हुए हैं। गार्ड ने यह भी कहा कहा कि उन्हें नियमों का पालन करना है। उनसे वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क करने को कहा गया। बहुत अनुरोध के बाद भी एंट्री नहीं दी गई।

वीडियो वायरल होने के बाद बीते हफ्ते कन्नड़ संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मॉल के सामने धोती पहनकर विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद मॉल प्रबंधन ने फकीरप्पा से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी।

पेनी स्टॉक ने महज एक साल में बदली किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में कुछ पेनी स्टॉक निवेशकों को दमदार रिटर्न देने में सफल हुए हैं। इन कुछ कंपनियों में पण्यम सीमेंट्स एंड मिनरल इंडस्ट्रीज भी एक है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 2986 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। 4 अक्टूबर 2023 को कंपनी के शेयर 11.32 रुपये के लेवल पर थे। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 1058 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। मौजूदा समय में इस स्टॉक का भाव 233 रुपये प्रति शेयर है। बता दें, इसी महीने की 10 तारीख को कंपनी के शेयर 263.25 रुपये के लेवल पर थे। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 11.50 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2024 में पण्यम सीमेंट्स एंड मिनरल इंडस्ट्रीज के प्रदर्शन की बात करें तो इस दौरान पोजीशनल निवेशकों को 185 प्रतिशत का फायदा हुआ है। दिसंबर 2023 में यह स्टॉक 81.80 रुपये के लेवल पर उपलब्ध था। इस साल अबतक के सात महीनों में 5 महीने में स्टॉक का रिटर्न पॉजिटिव रहा है। जून में यह पेनी स्टॉक 34 प्रतिशत चढ़ा था। जबकि जुलाई में यह 4 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है।

किस महीने में कैसा रहा है प्रदर्शन

मई का महीना कंपनी के पोजीशनल निवेशकों के लिए अच्छा नहीं रहा था। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 22 प्रतिशत टूट गया था। उससे पहले अप्रैल में भी कंपनी के शेयर 47 प्रतिशत चढ़े थे। मार्च का महीना भी निवेशकों के निराशाजनक ही रहा था।

वेदांता के एक अरब डॉलर के क्यूआईपी में गोल्डमैन सैश, मॉर्गन स्टेनली शीर्ष निवेशकों में

नयी दिल्ली , एजेंसी। खनन समूह वेदांता लिमिटेड ने 440 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 19.31 करोड़ इक्विटी शेयरों के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 8,500 करोड़ रुपये (1 अरब डॉलर से अधिक) जुटाए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 19 जुलाई को बंद हुए इस निर्गम में 461.26 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 4.61 प्रतिशत की छूट दी गई थी। वेदांता ने कहा कि उसने 19.31 करोड़ शेयर बेचकर 8,500 करोड़ रुपये जुटाए। क्यूआईपी के माध्यम से जिन प्रमुख निवेशकों को इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। उनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए), गोल्डमैन सैश एएमसी, निप्पॉन म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, यूटीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड और मिराए म्यूचुअल फंड शामिल हैं। निप्पॉन म्यूचुअल फंड द्वारा संचालित विभिन्न कोष को कुल निर्गम आकार का 9.11 प्रतिशत आवंटित किया गया, जबकि मॉर्गन स्टेनली और एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा प्रबंधित कोषों को क्रमशः



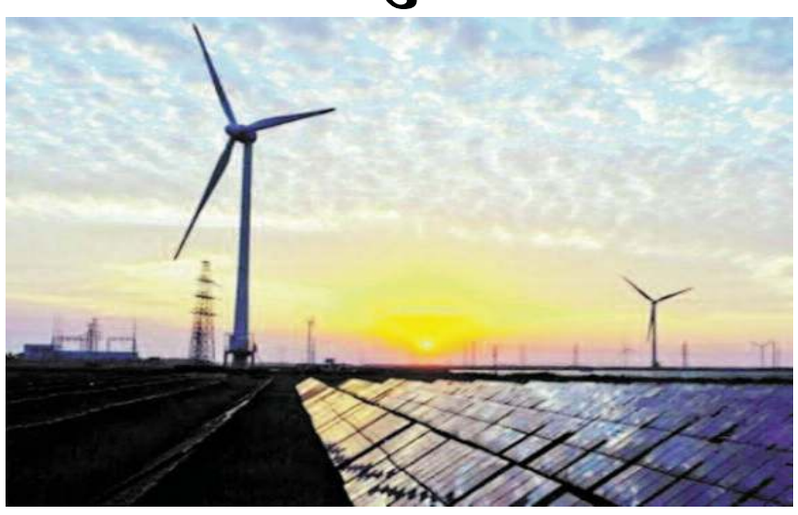
8.62 प्रतिशत और 7.88 प्रतिशत प्राप्त हुआ। इस अवसर पर वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बयान जारी कर कहा, ÷वेदांता क्यूआईपी को मिली जबर्दस्त प्रतिक्रिया वैश्विक निवेशक समुदाय के वेदांता में, हमारी अद्वितीय विश्व-अग्रणी परिसंपत्तियों के सेट, परिचालन और लागत उत्कृष्टता के लिए हमारी खोज, और हमारी रणनीतिक भविष्य की विकास परियोजनाओं की मजबूती में अत्यधिक विश्वास को रेखांकित करती है। क्यूआईपी में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई), म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और अन्य निवेशकों की ओर से उल्लेखनीय रुचि देखी गई। वेदांता की निदेशक समिति ने इस निर्गम के लिए 461.26 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य के साथ 15 जुलाई, 2024 को क्यूआईपी खोलने की अनुमति दी।

60 पर जाएगा विंड एनर्जी कंपनी सुजलॉन का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। विंड एनर्जी कंपनी सुजलॉन के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया और यह शेयर 57.82 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी खबर है। दरअसल, कंपनी को जून तिमाही में बंपर प्रॉफिट हुआ है। दरअसल, सुजलॉन एनर्जी को जून तिमाही में 200 प्रतिशत तक का नेट प्रॉफिट हुआ है। सुजलॉन एनर्जी ने कहा कि उसे अप्रैल से जून तिमाही में 200 प्रतिशत तक का नेट प्रॉफिट हुआ और यह 302 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले सुजलॉन एनर्जी का नेट प्रॉफिट पिछले साल की समान तिमाही में 101 करोड़ रुपये था। वहीं, जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 50 प्रतिशत बढ़ गया। यह पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1,348 करोड़ रुपये से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,016 करोड़ रुपये हो गया।

शेयरों में आएगी तेजी

घरेलू ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स सुजलॉन एनर्जी पर पॉजिटिव बने हुए हैं। ब्रोकरेज ने कहा कि कंपनी अच्छी स्थिति में है और बेहतर अवसरों के लिए तैयार है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म ने अपने हालिया प्लांट



दौरे के बाद स्टॉक पर अपनी बाय रेटिंग दोहराई है और टारगेट प्राइस भी बढ़ा दिया है। ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी ने कंपनी के शेयर पर 12 महीने के लिए टारगेट प्राइस 58 प्रति शेयर के साथ बाय रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज पहली तिमाही के नतीजों के बाद अपनी धारणाओं और अनुमानों पर दोबारा गौर करेगा। वहीं, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का सुजलॉन पर टारगेट प्राइस 60 रखा है। जबकि मॉर्गन स्टेनली ने इस पर 58.5 का टारगेट प्राइस तय किया है।

सुजलॉन एनर्जी के शेयर इस साल 2024 में अब तक स्टॉक 50 प्रतिशत ह्यद्ध बढ़ चुका है। वहीं, पिछले 12 महीनों में यह शेयर 190 प्रतिशत बढ़ गया है। पांच साल में कंपनी के शेयर में 1300 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। इस दौरान इसकी कीमत 4 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 57.82 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 17.43 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 78,302.21 करोड़ रुपये है।

208 प्रतिशत चढ़ गए एयरोस्पेस कंपोनेंट और टर्बाइन निर्माता आजाद इंजीनियरिंग के शेयर

खरीदने की लूट, सचिन तेंदुलकर के पास हैं कंपनी के 4 लाख शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस कंपोनेंट और टर्बाइन निर्माता आजाद इंजीनियरिंग के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर कल सोमवार को कारोबार के दौरान 2 प्रतिशत तक चढ़ गए थे और 1618.70 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि आजाद इंजीनियरिंग के शेयर लिस्टिंग के बाद से लगातार चढ़ रहा था, हालांकि बाद में डिफेंस सेक्टर के इस शेयर में कुछ मुनाफावसूली हुई



और यह शेयर मजबूत रैली के बाद 22.45 प्रतिशत तक गिर गया। बता दें कि केवल 22 सेशन में 2,080 रुपये के हाई से 1,613 रुपये प्रति शेयर तक गिर गया।

क्या है डिटेल

दिसंबर 2023 में भारतीय एक्सचेंज पर 677 प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ था। यह आईपीओ प्राइस 524 रुपये के मुकाबले 29.3 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था। स्टॉक हाल ही में सेल-ऑफ के बावजूद, वर्तमान में आईपीओ की कीमत से 208 प्रतिशत ट्रेडिंग कर रहा है। अब मार्केट एक्सपर्ट भी इस शेयर पर बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। घरेलू ब्रोकरेज आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का सुझाव है कि स्टॉक अपने मौजूदा डाउनट्रेंड को उलट सकता है और संभावित रूप से अपने ऊपर की ओर प्रक्षेपवक्र को फिर से शुरू कर सकता है। ब्रोकरेज ने कहा कि पिछले पांच महीनों में कई क्षेत्रों में जबरदस्त तेजी आई है। उद्योग, विशेष रूप से एयरोस्पेस और रक्षा (ए एंड डी) ने मजबूत वृद्धि दिखाई है। कंपनी की बढ़ी हुई लागत क्षमता और उत्पाद की गुणवत्ता ने ग्राहकों से वॉलेट का एक बड़ा हिस्सा लिया है। बता दें कि आजाद ने हाल ही में एनर्जी सेगमेंट में जीई वर्नोवा और सीमेंस एनर्जी से विदेशी ऑर्डर जीते हैं। इसमें गैस, थर्मल, परमाणु और औद्योगिक डोमेन शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी को ओ एंड जी सेगमेंट में बेकर ह्यूजेस और इसकी एक सहायक कंपनी से ऑर्डर मिला है। बता दें कि आजाद इंजीनियरिंग के शेयर में सचिन तेंदुलकर का भी बड़ा दांव है। मार्च 2023 में तेंदुलकर ने 5 करोड़ रुपये का निवेश किया था। उनके पास कंपनी के करीबन 4 लाख शेयर हैं।

खांसी के सिरप में मिला जहर ! 100 से ज्यादा कंपनियां क्वॉलिटी टेस्ट में फेल, रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली, एजेंसी। खांसी सही करने के लिए आप जिस सिरप का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह मौत के मुंह में ले जा सकता है। दरअसल, 100 से ज्यादा कंपनियों के खांसी के सिरप क्वॉलिटी टेस्ट में फेल हो गए हैं। ये टेस्ट केंद्र सरकार की ओर से कराए गए थे। कई सिरप में जहरीले पदार्थ पाए गए हैं। ये वे पदार्थ हैं जो गाम्बिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून में बच्चों की मौतों से जुड़े कफ सिरप में पाए गए थे। इस बात का खुलासा सरकार की एक रिपोर्ट में सामने आया है। यह रिपोर्ट केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की ओर से स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपी गई है। इसमें बताया गया है कि ये सिरप डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे मापदंडों पर खरे नहीं उतरे और क्वॉलिटी में फेल हो गए। स्टैंडर्ड क्वॉलिटी पर खरे न उतर पाने के कारण इन्हें ह्स्क कहा गया है। रिपोर्ट में इसे चिंता का विषय बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कफ सिरप के बैचों को डीईजी/ईजी, परख, माइक्रोबियल ग्रोथ, पीएच और वॉल्यूम जैसे मापदंडों के लिए



ह्स्कके रूप में घोषित किया गया था यानी इनकी क्वॉलिटी खराब पाई गई।

रिपोर्ट के मुताबिक कुल 7087 बैचों दवाओं का क्वॉलिटी टेस्ट किया गया था। इनमें से 353 की क्वॉलिटी बेकार पाई गई। वहीं 9 सिरप डीईजी और ईजी की उपस्थिति के कारण फेल हो गए। बता दें कि डीईजी और ईजी वे केमिकल हैं जो खांसी के सिरप में मिलाए जाते हैं। इनकी एक निश्चित मात्रा सिरप में मिलाने के लिए तय की गई है। ज्यादा मात्रा होने के कारण सिरप जहरीला हो जाता है, जिससे इसे इस्तेमाल करने वाले शख्स की मौत हो सकती है। भारत में बने कफ सिरप पर आरोप लगे हैं कि इन्हें इस्तेमाल करने से दुनिया में 141 बच्चों की मौत हुई है। इसके बाद भारत सरकार हरकत में आई और कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों के सिरप का क्वॉलिटी टेस्ट शुरू कर दिया। इन सिरप का टेस्ट सरकारी और प्राइवेट लैब में किया गया। अक्टूबर 2022 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि गाम्बिया में करीब 70 बच्चों की मौत किडनी की वजह से हुई। इसका कारण भारत में बने कफ एंड कोल्ड सिरप से जुड़ा हुआ हो सकता है, क्योंकि इन बच्चों ने इन सिरप का इस्तेमाल किया था। इसके बाद भारत की वे दवा निर्माता कंपनियां निशाने पर आ गईं जो कफ सिरप बना रही हैं।

दवा का टेस्ट किया था अनिवार्य

पिछले साल मई में भारतीय औषधि महानियंत्रक ने राज्य औषधि नियंत्रकों से कहा था कि वे अपने राज्य के स्वामित्व वाली एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं को निर्देश दें कि वे निर्यात के उद्देश्य से कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों से प्राप्त नमूनों का सर्वोच्च प्राथमिकता पर क्वॉलिटी टेस्ट करें और जल्द से जल्द रिपोर्ट जारी करें। वहीं विदेश व्यापार महानिदेशालय ने भी कफ सिरप के निर्यातकों के लिए सरकारी प्रयोगशालाओं में उनका परीक्षण करवाना और विश्लेषण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया था।

बिजली क्षेत्र के लिए कोयले की कोई कमी नहीं, केंद्र माँग को पूरा करने को प्रतिबद्धः जी किशन रेड्डी

कोलकाता , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि बिजली क्षेत्र के लिए कोयले की 'कोई कमी' नहीं है और केंद्र मांग को पूरा करने के लिए शुष्क ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया और वाणिज्यिक खदानों की उत्पादकता बढ़ाकर दीर्घकालिक मांग को पूरा किया जाएगा। कोयला एवं खान मंत्री रेड्डी ने पीटीआई-से कहा, ÷हम सभी ताप विद्युत संयंत्रों को कोयला उपलब्ध करा रहे हैं। हमने आयातित कोयले पर आधारित संयंत्रों से अनुरोध किया है कि वे अपनी तकनीक बदलकर घरेलू ईंधन का उपयोग करें। देश में कोयले की कोई कमी नहीं है।÷

कोयला उत्पादन में आमतौर पर मानसून के मौसम में बाधा आती है। उन्होंने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि वाणिज्यिक खदानों से संबंधित कुछ तकनीकी मुद्दों का समाधान किया जा रहा है। घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों के लिए चार



प्रतिशत आयातित कोयला मिश्रण से संबंधित बिजली मंत्रालय की सलाह पर मंत्री ने कहा कि कोल इंडिया सफलतापूर्वक उत्पादन बढ़ा रही है, लेकिन मिश्रण की सलाह 'बिजली की मांग में अचानक वृद्धि के कारण 'ब्लैकआउट' के जोखिम को कम करने' के लिए दी गई है। इस महीने की शुरुआत में कोयला मंत्रालय के नामित प्राधिकरण ने परिचालन और गैर-परिचालन दोनों प्रकार की निजी और वाणिज्यिक कोयला खदानों की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की थी। बैठक के दौरान प्राधिकरण ने उन कोयला ब्लॉक को चालू करने की आवश्यकता पर जोर दिया जो विकास के उन्नत चरणों में हैं। विभाग ने कोयला उत्पादन बढ़ाने में सभी आवंटियों के प्रयासों की सराहना की और उनसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिबद्ध उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने का आग्रह किया। कोयला मंत्रालय ने 57.5 करोड़ टन की अधिकतम क्षमता वाली 161 खदानों का आवंटन या नीलामी की है।

संक्षिप्त समाचार

युनियन की बैठक में चार सूत्री आंदोलन का श्रेय ऑपरेटर एवं ड्राइवर को दिया

चाईबासा/गुवा , एजेंसी। रविवार संध्या 6.00 बजे गुवा राम नगर स्थित बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन इंटक के कार्यालय में एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में सर्वप्रथम इंटक के पूर्व जोनल सचिव स्वर्गीय दुचा टोप्पो को श्रद्धांजलि देकर सभा की शुरुआत की गई। उसके बाद जोनल सचिव जयसिंह नायक ने पिछले कई दिनों से संयुक्त यूनियन के चार सूत्री मांगों को लेकर गुवा सेल में चलें आंदोलन की सफलता के लिए माइनिंग विभाग के सभी ऑपरेटर,मोटर गेरेज के बस ड्राइवरों एवं अन्य विभागों के सभी कर्मियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा की आप सभी के सहयोग के बिना यह आंदोलन कभी सफल नही हो सकता था। इंटक यूनियन मजदुरों के हितों एवं अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा लड़ती रही है और आगे भी लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रांच सचिव विश्वजीत तांती ने प्रबंधन के साथ हुए समझौते की विस्तार से जानकारी दी। सभा का समापन के दौरान धन्यवाद ज्ञापन सिकन्दर महतो के द्वारा किया गया। इस सभा में जोनल सचिव जयसिंह नायक, ब्रांच सचिव विश्वजीत तांती, कमलजीत सिंह, अनुप नाग, सिकंदर महतो, दशरथ पान,मनोज सिंह, गुरुचरण पान, शम्भू पूर्ति, सूरेश गोप, मंगलू साहू, सुरेंद्र सिन्हा,यशपाल सिंह, सुशील हेंब्रम,भादो टोप्पो, सुरेंद्र मांझी, गगन साहू, अयान गुन, कुंभकरण सामंता, सुदाम चंद्र गिरी सहित काफी संख्या में स्थाई एवं अस्थाई कर्मी उपस्थित थे।

नक्सलियों ने 25 जुलाई को बुलाया झारखंड-बिहार बंद, पोस्टर-बैनर लगाकर किया ऐलान

बंदगांव, एजेंसी। भाकपा माओवादी नक्सलियों ने कराइकेला थाना क्षेत्र में बैनर, पोस्टर लगाकर 25 जुलाई को झारखंड–बिहार बंद और 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाने का ऐलान किया हैं. पोस्टर लगाने के बाद से क्षेत्र में काफी दहशत है. इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार भाकपा माओवादी नक्सलियों ने सोमवार देर रात कराईकेला थाना के ओटार पंचायत के महाली साई और चौक समेत आस पास क्षेत्रों में विभिन्न जगह में नक्सलियों ने बैनर और पोस्टरबाजी लगाया गया हैं, जबकि नक्सली बुकलेट भी छोड़ गया है. नक्सलियों द्वारा बैनर व पोस्टर लगाये जाने के कारण के आसपास क्षेत्र के गांवों में दहशत कायम है. नक्सलियों द्वारा बैनर पोस्टर लगाने का सूचना मिलने के बाद कराईकेला थाना प्रभारी अंकित कुमार अपने पुलिस दल के साथ गांव पहुंच कर बैनर व पोस्टर और बुकलेट को जब्त कर लिया है. नक्सली नेता कॉमरेड जया हेम्ब्रम समेत तीन नक्सलियों के गिरफ्तारी के विरोध में नक्सली संगठन भाकपा माओवादी द्वारा आगामी 25 जुलाई को बिहार झारखंड बंद बुलाया हैं.जब कि नक्सली हर साल 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाते हैं. इस दौरान वे पुलिस की गोलियों से अपने मारे गए साथियों को याद करते हैं और अपने अमर शहीदों के आशयों को पूरा करने और पूंजीवाद, सम्राज्यवाद, नौकरशाही का विरोध करते है.

स्वर्णरेखा नदी की चट्टानों पर है 21 शिवलिंग, नागवंशी राजाओं ने करायी थी स्थापना

रांची , एजेंसी। रांची के चुटिया स्थित स्वर्णरेखा नदी की चट्टानों पर 21 शिवलिंग है. ऐसी मान्यता है कि इन 21 शिवलिंगों पर जलाभिषेक से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. इसी इलाके के निवासी गौतम देब ने बताया कि इन शिवलिंगों की स्थापना नागवंशी राजाओं ने करीब 400 साल पहले करायी थी. उस समय स्वर्णरेखा नदी यहां बहुत निर्मल हुआ करती थी. नागवंशी राजाओं ने अपनी रानियों के लिए इन 21 शिवलिंगों की स्थापना करायी थी. नदी में स्नान के बाद रानियां इनकी पूजा करती थीं. यहां हर कार्तिक पूर्णिमा पर मेला लगता है. वर्तमान में प्रदूषण के कारण यहां नदी की हालत खराब है. इसके संरक्षण की जरूरत है.रविवार 21 जुलाई से देवघर में श्रावणी मेला का शुभारंभ हो गया. झारखंड सरकार के पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संयुक्त रूप से मेला का उद्घाटन किया. दोनों मंत्री ने कहा कि इस वर्ष पूरी व्यवस्था की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्रावणी मेला में लगभग 60 लाख श्रद्धालु देवघर आ सकते हैं. इस बार सावन माह का शुभारंभ और समापन दोनों ही सोमवार को हो रहा है. विद्वानों के अनुसार यह दुर्लभ संयोग 72 वर्ष बाद बना है.

वैद्यनाथ धाम में रिकॉर्ड 1 लाख कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

बासुकीनाथ में भी 50 हजार भक्तों ने किए दर्शन

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर में स्थित वैद्यनाथ धाम में सावन की पहली सोमवारी के मौके पर एक लाख से आधिक कांवड़िया भक्तों ने जलाभिषेक किया। इसके साथ ही देवघर में एक महीने तक चलने वाला श्रावणी मेला शुरू हो गया है।देवघर के पास में ही स्थित बासुकीनाथ धाम में भी सोमवार शाम तक 50 हजार से अधिक भक्तों ने दर्शन-पूजन किया है। देवघर में जलाभिषेक करने के बाद भगवान बासुकी को भी जल चढ़ाने की परंपरा है।

सावन महीने में श्रद्धालु भागलपुर के अजगैबीनाथ में उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा तय करते हुए देवघर में बाबा वैद्यनाथ को जल चढ़ाते हैं। पूरे कांवड़िया पथ में बोल बम और हर-हर महादेव के घोष गूंज रहे हैं। केसरिया रंग के वस्त्र पहने कांवड़िया कांधे पर कांवर लेकर जयकारों के साथ चलते हुए पूरे वातावरण में श्रद्धा का रस घोल रहे हैं।

अजगैबीनाथ से बाबाधाम तक की कांवर यात्रा अद्भुत है। देवघर में सुबह मंदिर का पट खुलते ही सरदार पंडा गुलाब



नंद ओझा ने बाबा की प्रातःकालीन पूजा की। इसके बाद आम भक्तों के लिए पट खोल दिया गया। चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच भक्तों ने अरघा के जरिये भोलेनाथ को जलार्पण किया।

दिनभर हल्की वर्षा भी होती रही, लेकिन श्रद्धालुओं पर इसका कोई असर नहीं देखा गया। सावन शुरू होते ही बाबा नगरी में हर ओर केसरिया वस्त्र पहने और कांधे पर गंगाजल बंधा कांवर लेकर चलते कांवड़िया नजर आने लगे हैं। बाबा नगरी में बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष दिन-रात गूंज रहे हैं।

सावन की पहली सोमवारी के अवसर पर कांवरियों के जलार्पण, भीड़ व कतार नियंत्रण, निगरानी तथा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। वहीं कांवरियों की सुविधा के लिए भी प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। सोमवार सुबह से ही जलार्पण के लिए कांवरियों का तांता लगा रहा।सोमवार को जल चढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में कांवड़िया दो दिन पहले ही सुल्तानगंज से जल लेकर पैदल चल पड़े थे। इनमें ज्यादातर देवघर पहुंचने के बाद रविवार रात से ही कतार में लग गए थे।

सोमवार को देर रात तक कांवड़िया जलार्पण करते रहे। देवघर में हर बार की तरह इस बार भी पूरे सावन अरघा के माध्यम से ही जलार्पण की व्यवस्था की गई है।वीआइपी पूजा की सुविधा भी सावन में उपलब्ध नहीं रहेगी। वहीं, शीघ्र दर्शनम कूपन की व्यवस्था सोमवार को छोड़कर शेष दिनों के लिए बरकरार है।

दुमका में बाबा बासुकीनाथ के दरबार में सावन महीने की पहली सोमवारी पर सुबह तीन बजे ही बाबा मंदिर के कपाट खोल दिए गए। इंद्रदेव ने भी बाबा फौजदारी के दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दिनभर रुक-रुककर इंद्रदेव ने रिमझिम फुहारों से कांवरियों पर कृपा की बौछारें की। श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलाभिषेक कराने के लिए मंदिर प्रबंधन व जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर रखी थी।हर-हर महादेव व बोल-बम का नारा हर ओर दिन-रात सुनाई दे रहा है। जलार्पण करने के लिए श्रद्धालु रविवार रात से ही कतारबद्ध होने लगे थे। मंदिर के सरकारी पुजारी ने रात्रि दो बजे के करीब गर्भगृह के कपाट खोले। पुरोहित पूजन के बाद करीब तीन बजे आम लोगों ने अरघा के जरिये जलार्पण किया।

सड़क दुर्घटना, जाम पर नियंत्रण के लिए काम करे सड़क सुरक्षा समिति : डीसी



झारिया, एजेंसी। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाएं, ट्रैफिक जाम, रॉन्ग साइड पर चलने वाले वाहन, शहरी क्षेत्रों और राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क अवरुद्ध करने वाले आवारा व पालतू पशुओं तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सड़क सुरक्षा समिति गंभीरता से काम करें. यह कहना है उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा का. वह सोमवार को समाहरणालय में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहीं थीं. उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए सभी विभाग समन्वय बनाकर काम करें.

बैठक में गोविंदपुर और निरसा में सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने, कोर्ट मोड़ तथा सरायढेला स्टील गेट में सड़क जाम को दूर करने, जोड़ापीपल मोड़ के पास रंबल स्ट्रिप लगाने, गोविंदपुर मोहन पेट्रोल पंप के पास डिवाइडर में क्रॉसिंग के दोनों ओर रंबल स्ट्रिप लगाने, झरिया से डिगवाडीह रोड में बने स्पीड ब्रेकर्स पर पेंट करने सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई. जिला परिवहन पदाधिकारी सीपी द्विवेदी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए लगातार समिति द्वारा काम किया जा रहा है. इसके तहत 18 ब्लैक स्पॉट में नियमित सुधार किया गया है. सुधार के बाद 13 स्थान ब्लैक स्पॉट के दायरे से बाहर हो गये हैं. छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है. बैठक में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, एनएचएआई दुर्गापुर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर मनीष कुमार, एनएचएआइ धनबाद से राजीव रंजन, एनएच धनबाद के सहायक अभियंता अशोक प्रसाद, आरसीडी के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद, सहायक अभियंता पंकज कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे.

हटिया-बर्धमान मेमू रद्द, 30 मिनट विलंब से चलेगी धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल

धनबाद, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल में ब्लॉक लिया जाना है. इस कारण धनबाद स्टेशन होकर चलने वाली 13504 व 13503 हटिया-बर्धमान मेमू एक्सप्रेस 23, 25 और 29 जुलाई को रद्द रहेगी. 25 और 29 जुलाई को धनबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 02831 धनबाद- भुवनेश्वर स्पेशल को धनबाद से 30 मिनट विलंब से चलेगी. वहीं उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के प्रयागराज स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्यों के कारण ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने वाला है.

गोमो स्टेशन होकर चलने वाली ट्रेन संख्या 18609 रांची-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस को पं. दीन दयाल उपाध्याय- मिर्जापुर-प्रयागराज छिवकी- माणिकपुर होकर 24 जुलाई तक चलाया जाना था. इसकी अवधि में विस्तार किया गया है. अब यह ट्रेन 14 अगस्त तक इसी परिवर्तित मार्ग से चलेगी. इस दौरान प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ट्रेन का अतिरिक्त ठहराव होगा. ट्रेन संख्या 18610 लोकमान्य तिलक- रांची एक्सप्रेस माणिकपुर-प्रयागराज छिवकी- मिर्जापुर- पंडित दीन दयाल उपाध्याय होकर 19 जुलाई तक चलाना था. लेकिन इस अवधि में विस्तार किया गया है, यह ट्रेन नौ अगस्त तक परिवर्तित मार्ग से चलेगी. इस दौरान इसका भी अतिरिक्त ठहराव प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर होगा. वहीं ट्रेन संख्या 12816 आनंद विहार- पुरी एक्सप्रेस को कानपुर- लखनऊ-पंडित दीन दयाल उपाध्याय होकर 25 जुलाई तक चलाया जाना था. अब यह ट्रेन 15 अगस्त तक परिवर्तित मार्ग से ही चलेगी.

धनबाद स्टेशन होकर चलने वाली ट्रेन संख्या 12495 बीकानेर-कोलकाता एक्सप्रेस आगरा कैंट-बीरांगना लक्ष्मीबाइ झांसी-मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पंडित दीनदयाल उपाध्याय होकर 25 जुलाई तक चलना था. लेकिन अब यह ट्रेन आठ अगस्त तक परिवर्तित मार्ग से चलेगी. आगरा कैंट और प्रयागराज छिवकी पर इसका अतिरिक्त ठहराव होगा.

प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाते हुए एसटी आयोग की सदस्य ने की डीसी पर कारवाई की अनुशंसा

दुमका, एजेंसी। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने दुमका उपायुक्त ए. दोड्डे के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की है। आशा लकड़ा ने बताया कि वह पिछले 24 घंटा से वे दुमका में हैं। सोमवार की दोपहर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उसकी उपायुक्त के साथ बैठक होनी थी, पर उपायुक्त बैठक में नहीं पहुंचे और न ही कल से एक बार कॉल कर अपनी व्यवस्तता से संबंधित कोई जानकारी ही शेयर किया है।

एसटी आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने कहा कि यहां प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाई गई है। इसलिए मैंने उपायुक्त के खिलाफ कारवाई के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को लिखा है। पत्र लिखे जाने के बाद पत्र झारखंड के मुख्य सचिव को भी मिल चूका है और इसकी सूचना उपायुक्त दुमका को भी हो गई है। इधर उपायुक्त से इस मामले में बात करने का प्रयास किया गया पर श्रावणी मेला में व्यस्त होने के वजह से बात नहीं हो सकी।

इधर मामले को लेकर राष्ट्रीय



अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने प्रेस कॉफ्रेंस कर जिला प्रशासन पर कई आरोप लगए हैं। प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान आशा लकड़ा ने कहा कि आदिवासियों के हित में चल रही सरकारी योजना का हाल जीरो बटा सन्नाटा है। कहा मैंने दुमका के एसटी छात्र -छात्राओं के लिए संचालित आदिवासी कल्याण छात्रावास को देखा, जिसकी स्थिति काफी दयनीय है। साथ ही कल्याण विभाग के द्वारा आदिवासियों के हित में जो विकास योजनाएं चलाई जा रही है, वह सही ढंग से जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रही है। इन्हीं सब बिंदुओं पर मैंने जिला प्रशासन के साथ बैठक रखी थी, पर उपायुक्त ने इसका रिस्पॉन्स नहीं लिया।

कहा कि जिला प्रशासन ने आयोग का समय बर्बाद किया है। आयोग ने पहले से ही बैठक तय कर रखी थी, पर उस तय समय तक न तो जिला के उपायुक्त पहुंचे, न अधिकारी। जबकि उन्हें इससे संबंधित पत्राचार कर पहले से ही सूचित किया गया था। आशा लकड़ा ने कहा कि संतालपरगना के पाकुड़ व साहिबगंज जिले में आदिवासियों की जमीन को मुस्लिम समाज के लोग हड़प रहे हैं। यहां की कई ऐसी महिला जनप्रतिनिधि है जिनके पति मुस्लिम समाज के हैं। इसका अर्थ यह है कि वह रोटी-बेटी व माटी तीनों को निशाना बना रहे हैं।

छात्रावास का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली की सदस्य डॉ आशा लकड़ा सोमवार को बालक एवं बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में छात्र छात्राओं से वार्ता कर उनकी समस्याओं के विषय में जानकारी ली एवं जल्द ही समस्याओं से निराकरण के लिए आश्वासन दी। निरीक्षण के दौरान मीडिया कर्मियों से वार्ता के दौरान कहा कि बालिकाओं के छात्रावास के ठीक समीप में ही उपायुक्त का आवास है। छात्रावास में पानी, बिजली सहित अन्य समस्या है। उपायुक्त को इस मामले में संज्ञान लेनी चाहिए। बालक छात्रावास की भी स्थिति दयनीय है। 100 बेड के जगह 250 छात्र रह रहे है। ऐसे में राज्य सरकार व जिला प्रशासन को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए। निरीक्षण में मिली गड़बड़ी को लेकर सरकार को लिखा जाएगा।

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने मांगी 32 सीटें

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी राजनीतिक दलों ने शुरू कर दी है। एनडीए जहां चुनावी मैदान में कूद पड़ा है, वहीं महागठबंधन अभी रणनीति को लेकर मशक्कत करता दिख रहा है। महागठबंधन इस बार इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है।

2019 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के घटक दल झामुमो-कांग्रेस और राजद ने एक साथ चुनाव लड़ा था, लेकिन 2024 के चुनाव में भाकपा माले समेत अन्य दलों के शामिल होने की संभावना दिख रही है। झारखंड सरकार के तीनों घटक दल 2019 के परिणाम और जिन सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, उसे आधार बनाकर सीटों की दावेदारी करेंगे।

32 सीटों पर कांग्रेस का दावा

2019 में झामुमो ने 43, कांग्रेस ने 31 और राजद ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें झामुमो को 30, कांग्रेस को 16 और राजद को एक सीट पर सफलता मिली और विधायक जीत कर आए। कई उपचुनाव भी हुए, जिसमें मांडर सीट कांग्रेस के खाते में आ गई, जबकि रामगढ़ सीट हाथ से चली गई। हालांकि कांग्रेस जिस 31 सीट पर चुनाव लड़ी थी, उसके साथ-साथ झाविमो



की सीट मांडर व पोड़ैयाहाट पर प्रत्याशी उतारने का दावा कर रही है। कांग्रेस ने मांडर के तत्कालीन प्रत्याशी बंधु तिर्की के खिलाफ प्रत्याशी उतारा, जिसमें उसे हार मिली। बाद में जेवीएम के दोनों विधायक बंधु तिर्की व प्रदीप यादव कांग्रेस में शामिल हो गए थे। वर्तमान में कांग्रेस की 32 सीटों पर दावा है। वहीं, लोकसभा चुनाव के समय मांडू के भाजपा विधायक जयप्रकाश भाई पटेल को शामिल कराया। इस सीट पर झामुमो प्रत्याशी उतारता है। ऐसे में जयप्रकाश पटेल के लिए झामुमो बलिदान देगा या फिर वे झामुमो के प्रत्याशी बन चुनाव लड़ेंगे, यह देखना होगा।

हारी हुई सीटों पर मंथन कर रहीं पार्टियां

झामुमो, कांग्रेस और राजद 2019 विधानसभा चुनाव में हारी हुई सीटों की समीक्षा कर रहे हैं। जिन सीटों पर दूसरे स्थान पर अगर पार्टी रही होगी तो वहां उसका स्वभाविक दावा बन सकता है, वहीं जिन सीटों पर तीसरा या फिर उससे नीचे का स्थान रहा होगा, वहां गठबंधन के घटक दल के दावों पर भी विचार किया जाएगा। वहीं, भाकपा माले या अन्य वाम दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ते हैं तो घटक दलों को सीटों की दावेदारी कम करनी होगी, ताकि उन्हें भी विधानसभा सीट मिल सके। ऐसे में कौन दल अपनी लड़ी हुई सीटें छोड़ता है, इसका निर्णय इंडिया गठबंधन के आला नेताओं की बैठक में लिया जाएगा।

छात्रों को ड्रेस खरीदने के लिए मिलेंगे 2000 हजार रुपये, कैबिनेट की बैठक में आज लगेगी मुहर

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक बुधवार को होगी। सभी विभागों को इससे संबंधित जानकारी भेज दी गई है। विभागों ने अपने-अपने स्तर से तैयारियां भी शुरू कर दी है।

सूत्रों के अनुसार, नए मंत्रियों के पास जो विभाग हैं, उनमें सर्वाधिक काम हो रहा है। कृषि मंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री के विभागों से आधा दर्जन के करीब प्रस्ताव कैबिनेट में आ रहे हैं।

कृषि विभाग से किसानों को दूध पर मिलनेवाली प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी होगी और वर्तमान में प्रति लीटर तीन रुपये की दर को पांच रुपये प्रति लीटर करने का प्रस्ताव है।

इसी प्रकार झारखंड मिल्क फेडरेशन का संचालन करनेवाली संस्था नेशनल डेयरी विकास बोर्ड का कार्यकाल झारखंड में बढ़ाने का भी प्रस्ताव तैयार है।

ग्रामीण विकास विभाग से कई सड़कों के चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार हो रहा है। शिक्षा विभाग से नौवीं से बारहवीं के छात्रों के लिए प्रति सेट पोशाक के लिए मिलनेवाली राशि का 600 से बढ़ाकर दो हजार करने की तैयारी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन



सभागार में नगर विकास एवं आवास विभाग अंतर्गत सहायक नगर निवेशक, नियोजक, कनीय अभियंता, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर, पाइपलाइन इंस्पेक्टर, खान निरीक्षक एवं मोटरयान निरीक्षक को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे।

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मंत्री चम्पाई सोरेन, रामेश्वर उराँव, सत्यानंद भोक्ता, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल हसनए एवं दीपक बिरुवा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

इसके बाद वह प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित मुड़मा कुष्ठाश्रम परियोजना का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम रांची के मुड़मा, नगड़ी में होगा।

झारखण्ड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग कर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

चाईबासा, एजेंसी। झारखण्ड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के राज्य नेतृत्व के आह्वान पर नौ सूत्री मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। राज्य स्तरीय संघ के द्वारा 2 वर्षों से अपनी मांगों के प्रति सरकार को ध्यानाकर्षित करते रहे हैं। मुख्य सचिव, झारखण्ड सरकार से भी पत्र के माध्यम से अपनी जायज मांगों से अवगत करते रहे हैं। सरकार के स्तर से किसी तरह की 2 वर्षों तक कोई पहल नहीं होने के पश्चात पूरे राज्य के समाहरणालय कर्मियों ने 14 जुलाई को राजभवन स्थित महाधरना देते हुए एकजुट हुए सर्वसहमति से निर्णय लिया था कि यदि सरकार 21 जुलाई तक हमारी मांगों के प्रति सकरात्मक पहल नहीं करती है तो हम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे।

इस बीच कालाबिल्ला लगाकर कार्य करना, कलमबंद हड़ताल करना, कैंडल मार्च निकाल कर सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष ललितेश्वर महतो ने कहा की सरकार से हमें बहुत उम्मीद है परन्तु हमारी जायज मांग के प्रति उदासीन रवैय से हम सभी समाहरणालय कर्मी आहात हैं। जिला सचिव मनोज कुंटिया ने कहा की हमारी सभी मांगें जायज है परन्तु सरकार इस पर कोई विचार नहीं कर रही है, जिससे विवशतापूर्ण होकर हमें हड़ताल ही एकमात्र विकल्प दिखाई दे रहा है। जिला उपाध्यक्ष अतुल कुमार ने कहा की विगत 2 वर्षों तक राज्य संघ के प्रतिनिधियों द्वारा सरकार से अपनी मांगो को अवगत करने तथा उसे लागु करने का अनुरोध है स्तर पर किया गया। सरकार संघ के प्रति समन्वय स्थापित करने को तैयार हीं नहीं है ऐसे में मजबूरन हड़ताल हीं हम कर्मियों का एक मात्र विकल्प दिखाई दे रहा है। वहीं, जिला



कोषाध्यक्ष सुनील बड़ाईक ने कहा की सरकार हमारी मांगों पर जबतक सकारात्मक पहल नहीं करती है तब तक हड़ताल रहेगा। हमारी सभी मांग जायज है और हमारी लड़ाई पूरी तरह संवैधानिक है। हड़ताल के दौरान कार्यालय अधीक्षक रूप सिंह बानरा, नाथूलाल नाग, श्याम प्रसाद, छवि कर, हरि कृष्णा सिंह लागुरी, प्रधान लिपिक वील्सन डांहगा, ऋषि बोईपाई, दिलीप बिरुआ, कृष्णा चंद्र गागराई, माधव चंद्र हेमब्रोम, सुनील बड़ाइक, निरल केरकेट्टा, सदानंद रजक, अतुल कुमार, मोहन सिंह बानरा, सुशील प्रधान, कुंती पत्रों बेंजामीन बोईपाई लिपिकों मे देवाशीष डे, मयंक कुमार, रोब्बट वादुला, अरुण महाराणा, मनीषा कुमारी, ओम प्रकाश महतो, कुणाल कुंडू, रमेश गोप, मनीषा गोप, सुनीता सुंडी, स्मृति एक्का, तपन कुमार साहू, सबीना जोजो, आयशा रेयाज़, शुभम कुमार, तरुण कुमार, वसीमउद्दीन सहित प्रखंड, अंचल, अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के सभी शाखाओं के कर्मी उपस्थित शामिल थे।

ये कार्य होंगे प्रभावित : पूरे राज्य में एक साथ समाहरणालय कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से आम जनमानस को काफी कठनाइयों का सामना करना पड़ेगा। प्रखंड, अंचल, अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के कार्यालयों में सम्पादित होने वाले कार्य पूरी तरह से ठप रहेंगे। ऐसे में आय, आवसीय, ईडब्लूएस, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, वृद्धा पेंशन, अबुआ आवास, मनरेगा योजना, विकास संबंधित कार्य सहित अनुमंडल एवं जिला मुख्यालय के विधि-व्यवस्था समन्धित कार्य प्रभावित रहेंगे।

नौ सूत्री मांग : जिला सयुंक्त सचिव मयंक कुमार ने बताया कि न्यूनतम नियुक्ति ग्रेड वेतन 2400 किया जायेगा तथा अन्य प्रोन्नत पद के वेतनमानों मे संशोधन, निम्नवर्गीय लिपिक से लेकर कार्यालय अधीक्षक तक के पदनामों मे परिवर्तन, विभिन्न शाखाओं मे पद सृजन किया जाना, प्रोन्नति मे कालावधि 8 वर्ष के बजाय 4 वर्ष किया जाय, एमएसीपी 10 के जगह 8 वर्षों मे स्वीकृत किया जाय, अनुसेवियों को लिपिक मे बिना किसी विभागीय परीक्षा के वरीयता के आधार पर प्रोन्नति प्रदान की जाय, अनुबंध कर्मियों को स्थायी किया जाय, सविंदा कर्मियों को सीधे सरकार के स्तर से अनुबंध पर रखते हुए समय सीमा पूर्ण करने के उपरांत उन्हें नियमित किया जाना हमारी नौ सूत्री मांग में शामिल है।

पेरिस ओलंपिक से पहले सुमित नागल की शानदार जीत



नई दिल्ली, एजेंसी। नागल ने पहला सेट जीता लेकिन क्लेन ने दबदबा बनाकर दूसरे सेट को आसानी से अपने नाम कर लिया। विश्व रैंकिंग में 80वें स्थान पर काबिज नागल निर्णायक तीसरे सेट में 3-5 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए मैच को टाई-ब्रेक तक खींचा।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। इससे पहले भारत के शीर्ष एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने सोमवार को ऑस्ट्रिया में एटीपी 250 कित्जबुहेल ओपन के शुरुआती दौर में स्लोवाकिया के लुकास क्लेन को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हरा दिया। ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नागल ने 6-4, 1-6, 7-6 (3) से जीत दर्ज की। आगामी टूर्नामेंट से पहले यह उनकी शानदार जीत है। नागल ने पहला सेट जीता लेकिन क्लेन ने दबदबा बनाकर दूसरे सेट को आसानी से अपने नाम कर लिया। विश्व रैंकिंग में 80वें स्थान पर काबिज नागल निर्णायक तीसरे सेट में 3-5 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए मैच को टाई-ब्रेक तक खींचा।टाई-ब्रेक में नागल एक बारे फिर लय हासिल करने में सफल रहे और 7-3 की जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। अंतिम 16 में उनके सामने स्पेन के चौथी वरीयता प्राप्त पेड्रो मार्टिनेज की चुनौती होगी। मार्टिनेज विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर है।

महिला प्रशंसक के कंधे पर लगा कीरोन पोलार्ड का सिक्स, मिलकर मांगी माफी



नईदिल्ली, एजेंसी। एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने अपने व्यवहार से दर्शकों का दिल जीत लिया। दरअसल, इस समय अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट 2024 चल रही है। टूर्नामेंट का 19वां मैच एलए नाइट राइडर्स और एमआई न्यूयॉर्क के बीच हुआ। मैच के दौरान पोलार्ड द्वारा स्टैंड में लगाया गया छक्का एक महिला प्रशंसक को लगा। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान उन्होंने न सिर्फ फैन के बारे में पूछताछ की, बल्कि उससे मिलने भी गए। टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम में आई एमआई न्यूयॉर्क की फैन के हाथ में झंडा भी था। महिला फैन जब चोटिल हो गई तो मैच के बाद पोलार्ड उससे मिलने पहुंचे। उन्होंने ऑटोग्राफ दिया और महिला और उसके पति के साथ सेल्फी ली। इस दिल छू लेने वाली बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। पोलार्ड ने प्रशंसक से मुलाकात करते हुए कहा कि मैं विनम्रतापूर्वक माफी मांगता हूं। मैं कम से कम इतना तो कर ही सकता हूं।उन्होंने महिला के पति से भी बातचीत की और उसका ख्याल रखने और एक पति के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि मुझे खेद है।

स्कॉटलैंड के चार्ली कैसल ने तोड़ा कगिसो रबाडा का रिकॉर्ड, डेब्यू पर 7 विकेट लेकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। स्कॉटलैंड के तेज गेंदबाज चार्ली कैसल ने सोमवार को अपने डेब्यू मैच में ही एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रच दिया। चार्ली कैसल ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 के एक मैच में ओमान के खिलाफ 5.4 ओवर में 21 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का 9 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। कैसल को टीम में एक अन्य तेज गेंदबाज क्रिस सोल की जगह पर लिया गया था। क्रिस सोल व्यक्तिगत कारणों से उपलब्ध नहीं थे। कैसल ने अपनी पहली ही गेंद पर पूर्व ओमान कप्तान जीशान मसूद को एलबीडब्ल्यू आउट कर धमाकेदार शुरुआत की। अपनी दूसरी गेंद पर उन्होंने अयान खान को बोल्ड कर दिया। यह पहला मौका था, जब किसी गेंदबाज ने एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहली दो गेंदों पर दो विकेट लिए हो। कैसल का शानदार डेब्यू जारी रहा और उन्होंने 18वें ओवर में महरान खान को आउट कर पांच विकेट पूरे किए। इसी के साथ वह उन चुनिंदा 15 गेंदबाजों की लिस्ट में



शामिल हो गए, जिन्होंने एकदिवसीय डेब्यू पर पांच विकेट लिए हैं। लेकिन कैसल की गेंदबाजी यहीं नहीं रुकी, उन्होंने ओमान के निचले क्रम के बल्लेबाजों को भी जल्द आउट कर दिया, और अपने पहले वनडे मैच में 21 रन देकर 7 विकेट चटकाए। यह एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा के नाम था, जिन्होंने 2015 में बांग्लादेश के खिलाफ अपने डेब्यू मैच पर 6 विकेट लिए थे। रबाडा ने तब 16 रन देकर 6 विकेट लिए थे। कैसल अब एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन की सूची में सातवें स्थान पर हैं। ओमान की पूरी टीम 21.4 ओवर में 91 रन पर सिमट गई। ओमान की ओर से प्रतीक अठावले ने सर्वाधिक 34 रन बनाए, और उनके अलावा केवल दो ही बल्लेबाज ऐसे रहे, जिन्होंने दहाई का आंकड़ा छुआ। स्कॉटलैंड की टीम ने यह लक्ष्य 8 विकेट और 196 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया।

राहुल द्रविड़ की बतौर मुख्य कोच आईपीएल में हो सकती है वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टीम इंडिया के साथ टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो गया है। अब वो एक बार फिर मुख्य कोच की भूमिका में आ सकते हैं, हालांकि इस बार वो आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स की कमान संभालने वाले हैं।

भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2024 में मुख्य कोच के रूप में सफलतापूर्वक जीत दिलाने के बाद राहुल द्रविड़ कथित तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक नए रोमांचक सफर की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद द्रविड़ से टी20 लीग में कई फ्रेंचाइजियों ने संपर्क किया। हाल ही में उनके केकेआर से भी जुड़ने की खबर आई थी। सूत्रों के मुताबिक, आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स में बतौर मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की वापसी हो सकती है। आरआर फ्रेंचाइजी इस संबंध में द्रविड़ से लगातार बातचीत कर रही है।

भारत के मुख्य कोच की भूमिका के बाद राहुल द्रविड़ का पहला कार्यभार लगभग तय हो चुका है। द वॉल के नाम से मशहूर द्रविड़ इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी करने के लिए तैयार है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि द्रविड़ का राजस्थान रॉयल्स के साथ मुख्य कोच के रूप में जुड़ना तय हो चुका है और जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने वाली है। बता दें, द्रविड़ का राजस्थान रॉयल्स के साथ पुराना नाता रहा है। वह बतौर खिलाड़ी, कोच और मेंटर टीम के साथ काम कर चुके हैं। द्रविड़ 2011 में कप्तान के रूप में रॉयल्स में शामिल हुए और रिटायर होने से पहले तीन सीज़न तक खेले। 2014 में, उन्होंने फ्रेंचाइज़ी के मेंटर के रूप में पदभार संभाला। द्रविड़ ने अब तक इस बारे में कुछ नहीं कहा है। लेकिन भारत के टी20 विश्व कप जीतने के बाद बतौर कोच अपने आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्रविड़ ने मज़ाक में कहा था कि अब वे बेरोजगार हैं और किसी भी ऑफर का स्वागत है। हालांकि, भारत के कोच के रूप में काम करते हुए द्रविड़ की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि इसके लिए कितना समय, यात्रा और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। 51 साल की उम्र में द्रविड़ अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का इरादा रखते हैं। टी20 लीग में द्रविड़ को साल में सिर्फ़ 2-3 महीने ही फ्रेंचाइज़ी के साथ रहना होगा, जो उनके लिए एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या द्रविड़ एक बार फिर क्रिकेट के मैदान में लौटेंगे।



पेरिस ओलम्पिक के बाद संन्यास लेंगे एंडी मरे

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व विश्व नंबर 1 एंडी मरे ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संन्सास लेने का ऐलान किया है। वह 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद टेनिस को अलविदा कह देंगे। 37 वर्षीय एंडी मरे, जिन्होंने 2008 में बीजिंग खेलों में अपना पहला ओलंपिक खेला था। पेरिस में एकल और युगल स्पर्धा में भाग लेंगे, जो उनका पांचवां ओलंपिक होगा। एंडी मरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिए पेरिस पहुंचा हूं। टीम ब्रिटेन के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे करियर का अब तक का सबसे यादगार सप्ताह रहा है और मुझे इसे अंतिम बार खेलने का मौका पाकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है! ब्रिटिश खिलाड़ी ने 2012 लंदन ओलंपिक में अपना पहला ओलंपिक एकल स्वर्ण जीता, जहां उन्होंने स्विस दिग्गज रोजर फेडरर को हराया था। रियो 2016 खेलों में, वह अर्जेंटीना के जुआन मार्टिन डेल पोत्रो को हराकर दो ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले पुरुष टेनिस खिलाड़ी बने। पेरिस में टेनिस की शुरुआत 27 जुलाई को रोलां गैरो में होगी और 4 अगस्त को समाप्त होगी, जिसमें पदक राउंड 2 अगस्त से खेले जाएंगे।

टी-20 विश्व कप 2024 से आईसीसी को 167 करोड़ का नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप आयोजन ने आईसीसी के कुछ पदाधिकारियों के बीच चिंता पैदा कर दी है। समझा जाता है कि आईसीसी को न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास में मैचों के आयोजन पर दो करोड़ डॉलर (करीब 167 करोड़ रुपये) से अधिक का नुकसान हुआ है। पता चला है कि टूर्नामेंट के अमेरिकी चरण के लिए आवंटित बजट लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। यह पाया गया कि बजट में काफी इजाफा हुआ। इस पर आईसीसी के कुछ प्रभावशाली बोर्ड सदस्यों ने आपत्ति जताई। खराब स्तर की 'ड्रॉप इन' पिचों, टिकट प्रणाली और साजो-समान से जुड़े मुद्दों ने आईसीसी की परेशानी और बढ़ा दी है।

विभिन्न निविदाएं सौंपे जाने को लेकर भी चिंता जताई गई है। समझा जाता है कि समिति आईसीसी के कुछ शीर्ष पदाधिकारियों की भूमिका की भी गहन जांच करेगी। आईसीसी के प्रतियोगिता प्रमुख क्रिस टेटली ने पहले ही इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, आधिकारिक कारण यह बताया गया था कि हर साल होने वाले आईसीसी के प्रमुख टूर्नामेंटों (पुरुष और महिला) का असर पड़ रहा है। आईसीसी ने टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की। समिति में न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर ट्वोस और आईसीसी के अन्य दो निदेशक लॉसन नायडू तथा इमरान ख्वाजा को जगह मिली है। 'आईसीसी के अनुसार, 'आईसीसी बोर्ड पुष्टि करता है कि टी-20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा होगी। यह 3 निदेशक रोजर ट्वोस, लॉसन नायडू और इमरान ख्वाजा के मार्गदर्शन में होगा। ये इसी

अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड पर लटकी निष्कासन की तलवार



साल रिपोर्ट सौंपेंगे।'आईसीसी के एसोसिएट सदस्यता मानदंडों के अनुसार, यूएसएसी दो नियमों संचालन (2.2 बी (द्व)) और प्रशासन तथा कार्यकारी ढांचे (2.2 बी पर खरा नहीं उतरता। पता चला है कि यूएसएसी ने यूएसए ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) के मानदंडों का पालन नहीं किया है, जो 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों का हिस्सा बनने के लिए राष्ट्रीय शासी निकाय (एनजीबी) के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है, जहां क्रिकेट पदक कार्यक्रमों में से एक है।

यदि यूएसएसी, अपने वर्तमान स्वरूप में यूएसओपीसी दिशानिर्देशों का पालन करने में विफल रहता है तो लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स आयोजकों को पूर्व की मान्यता रद्द करने और एक नया एनजीबी बनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। दूसरा कारण सीईओ की नियुक्ति न होना माना जाता है, जो किसी भी क्रिकेट बोर्ड के लिए जरूरी है। बयान के मुताबिक, 'अमेरिका क्रिकेट और क्रिकेट चिली को औपचारिक रूप से नोटिस दिया गया है और आईसीसी सदस्यता मानदंडों के अपने वर्तमान गैर अनुपालन को सुधारने के लिए उन्हें 12 महीने का समय दिया गया है।

हैलो इंडिया, आइए एक साथ आएं- पेरिस ओलंपिक में गए भारतीय एथलीट्स के लिए बोले ऋषभ पंत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं दीं। भारतीय दल, जिसमें 117 एथलीट शामिल हैं, पेरिस में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदक जीतने पर नजर लगाए होंगे, जो 26 जुलाई से शुरू होगा।

ग्रीष्मकालीन खेलों से पहले, टी20 विश्व कप चैंपियन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर एथलीटों के लिए एक वीडियो संदेश साझा किया और इसे कैप्शन दिया- पेरिस में तिरंगा ऊंचा लहराए। हमारे भारतीय ओलंपिक एथलीटों को पेरिस 2024 के लिए शुभकामनाएं।पंत ने वीडियो संदेश में कहा कि हैलो इंडिया, आइए एक साथ आएं और हमारे भारतीय ओलंपिक एथलीटों का समर्थन करें जो हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए वर्षों से अथक प्रयास कर रहे हैं। आइए उनकी कड़ी मेहनत के लिए अपनी सराहना दिखाएं वे दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चमकते हैं। भारत ने टोक्यो संस्करण में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित सात पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ पदक हासिल किया।

ओलंपिक में मेडल को दांतों से क्यों काटते हैं खिलाड़ी... क्या यह कोई नियम है

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 का आगाज इसी हफ्ते 26 जुलाई को होगा. यह गेम्स 11 अगस्त तक चलेंगे. इस बार ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे. इनसे रिकॉर्ड मेडल जीतने की उम्मीद है. मगर यहां हम कुछ जरा हटकर बात करने वाले हैं. यह किसी एथलीट के मेडल जीतने के बाद उसे दांतों से काटने के बारे में है.ओलंपिक हो, कॉमनवेल्थ या फिर एशियन गेम्स... फैन्स ने अक्सर पोडियम पर खड़े होकर अपने मेडल को काटते हुए एथलीट्स की तस्वीरें देखी हैं. अब सवाल यह भी है कि किसी भी बड़े टूर्नामेंट में जब कोई एथलीट मेडल जीतता है, तो वो पोडियम पर खड़े होकर उसे दांतों से क्यों काटता है?

जब मुद्रा के रूप में सोने के सिक्के चलते थे

क्या यह कोई नियम है या कोई परंपरा है? फैन्स हमेशा ही इस सवाल को लेकर कन्फ्यूज और जवाब जानने को उत्सुक होते हैं. मगर जब इसी सवाल को मन में लेकर जब इतिहासकारों की बातों पर ध्यान केंद्रित किया जाए तो माजरा कुछ अलग ही दिखता है.



इतिहास के मुताबिक, पुराने समय में जब मुद्रा के रूप में कीमती धातु का इस्तेमाल होता था. तब सोने के सिक्कों की प्रामाणिकता की जांच के लिए व्यापारी उनको काटते थे. क्योंकि सोना नरम धातु है और थोड़े ही दबाव में फट सा जाता है. यदि उसे कुतरा जाए तो वो अपनी छाप छोड़ देता है.

1912 के बाद सोने के शुद्ध मेडल देना बंद हुआ

मगर मेडल को दांतों से काटने का मतलब उसकी शुद्धता की परख करना नहीं होता है. खिलाड़ियों के बारे में ऐसा कहना भी ठीक नहीं होगा. बता दें कि 1912 से पहले शुद्ध सोने के मेडल दिए जाते थे. मगर इसके बाद से इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी ने शुद्ध स्वर्ण पदक देना बंद कर दिया था. मगर ऐसा नहीं है कि उन्होंने मेडल को दांतों से काटने के कारण ऐसा किया है.

ऐसा भी कहा जाता है कि 1912 से पहले भी एथलीट मेडल को अपने दांतों से काटते थे. तब वे सोने की शुद्धता के लिए करते थे. मगर यह परंपरा 1912 के बाद अब भी कायम है. हालांकि अब मेडल को दांतों के काटने के पीछे दूसरी धारणा मानी जाती है. कहा जाता है कि एथलीट ऐसा करके अपनी प्रतियोगिता में उनकी कड़ी मेहनत, टक्कर और जोश को दर्शाता है.

इसके अलावा एथलीट अपने मेडल को दांतों से क्यों काटते हैं इसको लेकर ओलंपिक की वेबसाइट पर भी एक जानकारी दी गई है. ओलंपिक के मुताबिक एथलीट सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए मेडल को दांतों से काटते हैं. जब एथलीट अपना मेडल लिए पोडियम पर खड़े होते हैं, तब फोटोग्राफर उनसे मेडल दांतों से काटने जैसा पोज बनाने को कहते हैं.

फोटोग्राफर के लिए एथलीट ऐसा पोज देत हैं

इसको लेकर फोटोग्राफर का मानना कुछ अलग ही होता है. वो हमेशा ही एथलीट से इस पोज की मांग करते हैं. फोटोग्राफर के लिए यह पोज एक शान होती है और उनका मानना है कि यह शानदार पोज अगले दिन अखबार के फ्रंट पेज पर छपेगा. यही कारण है कि फोटोग्राफर खुद ही एथलीट्स से इस पोज की अपील करते हैं. इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ओलंपिक हिस्टोरियंस के पूर्व अध्यक्ष डेविड वालेचिन्स्की ने सीएनएन को बताया था, यह फोटोग्राफरों के लिए एक जरूरी पोज बन गया है. मुझे लगता है कि वे इसे एक प्रतिष्ठित शॉट के रूप में देखते हैं, जिसे शायद वे आसानी से बेच सकते हैं. मुझे नहीं लगता कि यह ऐसा कुछ है जो एथलीट खुद से करें.

इम्तियाज अली की हीरोइन बनाने के लिए भगवान से मांगी है मन्नतः पारूल गुलाटी



हा लिया रिलीज हुई वेबसीरीज ब्लूटिक में पल्लवी की भूमिका को निभाती दिख रही हैं.यह सीरीज सोशल मीडिया की सच्चाई से रूबरू करवाती है. ऐसे में हमने पारुल से सोशल मीडिया पर उनकी उपस्थिति, फॉलोअर्स,ट्रोलिंग सहित कई मुद्दों पर बातचीत की.

ब्लूटिक की पल्लवी और आप में क्या समानताएं है ?

समानता ये है कि सोशल मीडिया हमदोनों की ज़िंदगी में बहुत ही अहम भूमिका अदा करता है .हम दोनों ही सोशल मीडिया के जरिये अपना मुकाम तलाश रहे हैं. अभिनय में मुझे मौका फेसबुक के जरिए ही मिला था.मेरी प्रोफेशनल लाइफ में अभी भी सोशल मीडिया बहुत महत्वपूर्ण है.

पल्लवी से आप कितनी अलग हैं ?

वो सोशल मीडिया के लाइक ,फॉलो के पीछे भागती है . सीरीज में एक डायलॉग भी है कि जब तक मेरे इतने फॉलोअर्स नहीं हो जाते हैं . मैं नॉन वेज और दारू को हाथ नहीं लगाऊँगी .वह माता से मन्नत मांगती है .मैं इसके लिए तो कभी मन्नत नहीं मांगूगी.

तो पारुल किन चीजों के लिए भगवान से मन्नत मांगती है ?

एक इम्तियाज अली मुझे अपनी हीरोइन बना ले. धर्मा की एक बड़ी फ़िल्म में मेरी कास्टिंग हो जाए और निश हेयर मेरा जो ब्रांड है . वो 100 करोड़ कर ले.मेरी बस यही तीन मन्नत है .

फॉलोअर्स को लेकर आपकी चाहत कितने मिलियन तक पहुंचने की है ?

जब तक मेरे एक मिलियंस नहीं हुए थे,तब तक लगता था कि ये आंकड़ा कब पहुंचेगा.अब जब पहुंच गया है तो मैं सभी की बहुत आभारी हूं. सभी चाहते हैं कि उनके 50 मिलियन फ़ॉलोवर्स हो . मैं भी अलग नहीं हूं ,लेकिन इसे पाने के लिए मैं किसी रेट रेस में नहीं हूं .

कोई शो जिसने आपके फॉलोअर्स की संख्या में रातों रात बहुत बड़ा इजाफा लाया हो ?

टीवीएफ के लिए मैंने गर्ल्स हॉस्टल्स एक शो किया था .उसके तीन सीजन आ चुके हैं . उसके पहले सीजन के बाद मेरे दो से तीन लाख फॉलोअर्स बढ़ गये थे .हर सीजन के साथ नंबर में इजाफा होता गया और तीसरे सीजन के साथ मैंने एक मिलियन पार कर लिया . एक शो से इतने फॉलोअर्स बढ़ सकते हैं . मैंने कभी सोचा नहीं था .

सोशल मीडिया पर आप किसी को स्टॉक करती हैं ?

प्रियंका चोपड़ा ,मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं और कायली जेनर को उनकी बिजनेस सेंस मुझे बहुत सही लगती है.इनदोनों को मैं सोशल मीडिया पर हर दिन जरुर स्टॉक करती हूं.

बिजनेस की बात चली है तो आप बिजनेस वुमन भी हैं और एक्ट्रेस भी ,किस तरह से दोनों चीजें मैनेज करती हैं ?

सच कहूं तो बतौर एक्ट्रेस में उस मुकाम पर नहीं हूं कि मेरे पास इतना काम हो कि दूसरे चीजों के लिए वक़्त ना हो .अभी मेरे पास वक़्त है ,तो मैनेज कर ले रही हैं. इसके साथ ही मैं ऐसी स्ट्रांग टीम भी बना रही हूं कि कल को अगर मैं बिजी हो गयी तो मेरी टीम सबकुछ मेरे लिए मैनेज करेगी .

आपने बिजनेस सेंस कहां से पाया है ?

(हंसते हुए) मेरी ग़रीबी से,जब आपके पास कुछ नहीं होता है ,तोआप पाने के लिए कोशिश करते हो.एक एक्टर के तौर पर मुझे मेरा नाम बनाना है .मुझे काम करना बहुत पसंद है.जब एक्टिंग का काम नहीं आ रहा था,तो लगा कि मैं कोई ऐसा प्रोडक्ट बना लूं.अपना नाम किसी चीज पर देखने का इतना लालच है कि मैंने निश हेयर का बिजनेस ही शुरू कर दिया.

ट्रॉलिंग का भी आप शिकार हुई हैं अपने बिजनेस सेंस की वजह से ,जब आपने गोवा में एयर बीएनबी की बात की थी ?

हां मुझे बुरा लगा था. मैंने सोचा कि मैंने ऐसा क्या कह दिया.मैंने किसी को ग़लत नहीं बोला . किसी के पैसे नहीं चुराये.मेरे गोवा में घर खरीदने और उसको रेंट पर देने से लोगों को इतना क्या बुरा लग गया.हां उस घटना से मैंने ये समझा कि लोग किसी भी बात का कुछ भी मतलब निकाल सकते हैं ,तो सोच समझकर बोलना चाहिए.

क्या आप अपने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में हर कमेंट को पढ़ती हैं?

मुझे लगता है कि वहां क्या दिमाग लगाना ,जहां आप कुछ नहीं कर सकते हैं.लोगों की सोच पर मैं कंट्रोल नहीं कर सकती हूं. मेरा कंट्रोल इस बात पर हो सकता है कि मैं कितना काम कर सकती हूं.सभी चीजों को करने में मेरे 18 से 20 घंटे जाते हैं ,तो अपना दिन में उस हिसाब से बनाती हूं.वैसे मैं कमेंट करने में माहिर हूं.कुछ भी फनी होता है ,तो मैं उस पर जरुर कमेंट करती हूं.

20 घंटे काम करती हैं,तो सोती कितने घंटे हैं?

चार से पांच घंटे की नींद मेरे लिए काफी होती है .मेरी मां की वजह से मेरा मेटाबोलिज्म भी बहुत अच्छा है , तो फिटनेस पर एक घंटे दिन में बहुत होता है. उसके बाद सारा समय मेरे काम को मैं देती हूं.

अक्सर ये बहस होती रहती है कि इंफ्ल्यूएंसर को एक्टिंग में नहीं होना चाहिए?

इस शो में पल्लवी का किरदार वही कर रहा है.उसे हीरोइन ही बनना है ,जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं.ऑडिशन की बात सुनने को मिलती है ,लेकिन एक हकीकत ये भी है कि कोई भी ऑडिशन नहीं दे सकता है कि गए और ऑडिशन के लिया.ऐसे में सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म है ,जिससे वह अपने टैलेंट को दिखा सकते हैं .

हमारे शो में भी यही दिखाया गया है कि कुछ भी सही या गलत नहीं होता है ,लेकिन अगर आपको कोई मौका मिल जाता है ,तो आप सबसे पहले खुद को पॉपुलर बनाते हो फिर आप अपने मनचाहे प्रोफेशन में खुद को पिच कर पाते हो .

ब्लूटिक में आपकी फैमिली को आपके सोशल मीडिया के कई सारे पोस्ट से ऐतराज है ,क्या निजी जिंदगी में भी आपकी फैमिली आपको बताती है कि ऐसे पोस्ट मत करना ?

मुझे याद है ,जब ऑरकुट नया — नया आया था . मुझे अपनी तस्वीर लगाने की मम्मी की तरफ से मनाही थी ,लेकिन मुझे चाहिए था तो मैंने जब फेसबुक पर अकाउंट बनाया तो चोरी से बनाया और उसमें अपनी तस्वीर लगायी थी .उसी अकाउंट ने मुझे एक्टिंग का ऑफर दिलवाया.जिसके बाद घरवाले भी समझ गए कि बेटी हाथ से निकल गई है .अब क्या ही सुनेगी.

आनेवाले प्रोजेक्ट कौन से हैं?

एक और सीरीज में इस साल नजर आऊंगी और एक वेब सीरीज की शूटिंग कर रही हूं.



रश्मिका को ❤ से खूबसूरत मानते हैं विक्की कौशल !

एक्ट्रेस की तारीफ में कही प्यारी बातें

रश्मिका मंदाना, जो अपनी प्यारी मुस्कान और जबरदस्त करिश्मा से सबका दिल जीत लेती हैं, उन्हें फैंस और दर्शक प्यार से गोल्डन गर्ल और नेशनल क्रश कहना पसंद करते हैं। उन्होंने सिर्फ अपनी एक्टिंग स्किल से ही नहीं, बल्कि अपनी प्यारी और आकर्षक पर्सनालिटी से भी दुनिया भर के दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, विक्की कौशल, रश्मिका द्वारा भेजे गए एक वीडियो मैसेज को देख सरप्राईज हो गए। सच कहें तो विक्की का रिएक्शन बहुत प्यारा था। उन्हीं रश्मिका मंदाना के साथ काम करने के अपने सफर पर चर्चा की। विक्की कहते हैं, रश्मिका इकलौती ऐसी इंसान हैं, जो 56 तरीकों से दिल जीत सकती हैं। लेकिन एक प्यारी इंसान हैं। साथ में हमारी अगली फिल्म छावा है, जिसमें रश्मिका और मुझे पहली बार साथ में काम करने का मौका मिला है। और वह सेट पर बहुत पॉजिटिविटी लेकर आती हैं। वह ऐसी ही इंसान हैं। इसलिए वह दिल से खूबसूरत हैं।

किसी भी कमरे को रोशन करने वाली मुस्कान के साथ, रश्मिका मंदाना इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में गर्मजोशी और पॉजिटिविटी की मिसाल बन गई हैं। उनके फैंस न सिर्फ उनके टेलेंट के लिए बल्कि उनके साथ उनके मजबूत कनेक्शन के लिए भी उन्हें पसंद करते हैं। अपने फैंस को हमेशा अपडेट रखने के लिए उत्सुक, एक्ट्रेस इस बात का ध्यान रखती हैं कि वह अपने फैंस को अपनी लाइफ और करियर के हर पहलू के बारे में अपडेट करती रहें।

जूनियर एनटीआर 18 अगस्त से वॉर 2 का दूसरा शेड्यूल करेंगे शुरू

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों यशराज स्पाई यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म वॉर 2 को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म के जरिए वह बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। जल्द ही फिल्म का दूसरा शेड्यूल शुरू करेंगे। देवरा फिल्म में एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा। इसको कोरातला शिवा डायरेक्ट कर रहे है। इसमें वह देवराजू या देवरा का किरदार निभाते दिखाई देंगे। उनके अपोजिट बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर नजर आएंगी, जो इस फिल्म के जरिए तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। वहीं सैफ अली खान विलेन के रोल में दिखाई देंगे।



इनके अलावा, फिल्म में प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टॉम चाको, नरैन, मीरा जैस्मिन सहित कई सितारे हैं।

यह हिंदी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। एक सूत्र ने कहा, जूनियर एनटीआर वॉर 2 का दूसरा शेड्यूल शुरू करने से पहले देवरा से जुड़े सभी कामों को पूरा कर रहे हैं। वह बड़े एक्शन सीक्वेंस का प्लान बनाकर एक शानदार शुरुआत करेंगे। अयान वॉर 2 में जूनियर एनटीआर को पहले कभी न देखे गए अवतार में पेश करने जा रहे हैं, और इस शेड्यूल में निर्देशक उन हिस्सों को फिल्माते हुए दिखाई देंगे।

सूत्र ने आगे बताया, जूनियर एनटीआर पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं, और अयान अच्छे से जानते हैं कि वॉर 2 में उन्हें किस अवतार में पेश करना है, ताकि दर्शकों को आकर्षित किया जा सके। ऐसा करने के लिए वह कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। जूनियर एनटीआर 18 अगस्त को मुंबई में इसका दूसरा शेड्यूल शुरू करेंगे।

प्रियंका चोपड़ा बनीं समंदर की लुटेरी

- **द ब्लफ के सेट से लीक हुआ लुक,लोग होए हैरान**

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा हाल ही में पति निक जोनस के साथ राधिका-अनंत की शादी में शामिल हुई थी। ये कपल कुछ समय के लिए इंडिया आया था। दोनों ने अंबानी परिवार की शादी में जमकर मस्ती की थी। वहीं अब ये कपल वापस लौटकर अपने प्रोजेक्ट में बिजी हो चुका है। दरअसल प्रियंका चोपड़ा जल्द फ्रैंक ई टावर्स की पीरियड एक्शन फिल्म द ब्लफ में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग वो पिछले कुछ महीनों से ऑस्ट्रेलिया में कर रही है। इस फिल्म में वह एक समुद्री डाकू की भूमिका निभाती दिखाई देगी। उन्हें डाकू के किरदार में देखना काफी दिलचस्प होगा।

अब सोशल मीडिया पर इस लुक में उनकी फोटो भी सामने आ चुकी है। वैसे ,इस फिल्म द ब्लफ के लिए कितनी बार प्रियंका घायल भी हो चुकी है। कभी उनके सर पर चोट लगी तो कभी पैर बुरी तरह से घायल हुए। वीडियो शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कहा था कि, जब आप एक्शन फिल्में करते हैं तो सब बहुत ग्लैमरस होता है। इस फिल्म द ब्लफ का निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स कर रहे हैं। इसके अलावा प्रियंका ने हेड्स ऑफ स्टेट की शूटिंग पूरी कर ली है।





सैफ अली खान अक्सर कहते है...

अच्छा हुआ करिश्मा नहीं करीना से हुई मेरी शादी

सैफ अली खान और करीना कपूर खान बॉलीवुड के पावर कपल में से एक हैं. उनकी सिजलिंग केमस्ट्री की दुनिया दीवानी है. स्टार्स ने 16 अक्टूबर 2012 में हुई थी. आज ये दो बच्चों के माता-पिता है, जिनका नाम तैमूर और जेह अली खान है. अब करीना संग शादी के बाद सालों बाद सैफ ने खुलासा किया है कि भगवान का शुक्र है कि उनकी शादी बेबो से हुई है, न कि लोलो से. बता दें कि करिश्मा कपूर को उनके फैमिली और फैंस प्यार से लोलो कहते हैं, वहीं करीना का निक नेम बेबो है. द वीक के साथ एक इंटरव्यू में, करीना कपूर खान ने खुलासा किया कि कपल अक्सर एयर कंडीशनर के टेम्परेचर को लेकर झगड़ते हैं. सैफ 16 डिग्री सेल्सियस पर एसी सेट करना पसंद करते हैं, क्योंकि उन्हें अक्सर गर्मी लगती है, जबकि मुझे 20 डिग्री ज्यादा कंफर्टेबल लगता है. करीना के मुताबिक, सैफ मजाक में यह भी कहते हैं कि ऐसी पर लड़ाई कई बार तलाक तक की नौबत पर ला देता है. करीना ने शेयर किया, हम निश्चित रूप से एसी के टेम्परेचर पर लड़ते हैं क्योंकि सैफ 16 डिग्री चाहते हैं, मैं इसे 20 पर पसंद करती हूं, इसलिए लास्ट में 19 डिग्री पर हमारी डील फाइनल हो जाती है, जो बहुत बुरा नहीं है. जब करिश्मा कपूर उनके घर आती हैं तो माहौल बदल जाता है. करीना ने मजाकिया अंदाज में बताया कि उनकी बहन को 25 डिग्री पर एसी सेट पसंद है. करीना ने कहा, जब भी करिश्मा डिनर के लिए आती हैं, तो वह चालाकी से टेम्परेचर 25 कर देती हैं. इसके बाद सैफ कहते हैं, 'हे भगवान! भगवान का शुक्र है कि मैंने बेबो से शादी कर ली है, क्योंकि कम से कम वह 19 पर तो ठंडी हवा खाने देती है.

राहत फतेह अली खान दुबई एयरपोर्ट पर हुए गिरफ्तार ?

सिंगर राहत फतेह अली खान को लेकर खबरें आ रही थीं कि उन्हें दुबई एयरपोर्ट से हिरासत में ले लिया गया है। कहा जा रहा था कि प्लेन में बैठने जा रहे राहत फतेह अली खान को रोककर अरेस्ट कर लिया गया और कई घंटों तक उनसे पूछताछ चली। मगर अब राहत फतेह अली खान के इंस्टाग्राम अकाउंट से सिंगर का एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें इन खबरों को बेसलेस बताया जा रहा है। राहत फतेह अली खान ने गिरफ्तारी पर सीधा सीधा कुछ नहीं बोला है मगर इन खबरों को नकारते नजर आ रहे हैं।



राहत फतेह अली खान की टीम की तरफ से जो वीडियो शेयर किया या है, उसमें सिंगर अरेस्ट होने की खबरों पर सफाई देते दिख रहे हैं, सिंगर कहते हैं, मैं यहां पर दुबई में अपने गाने रिकॉर्ड करने के लिए आया हूं। सबकुछ ठीक है। मैं यही आपसे गुजारिश करूंगा कि घटिया अफवाहों पर बिल्कुल भी कान न धरें। ऐसा कुछ नहीं है जैसा दुश्मन मेरे सोच रहे हैं। इंशाअल्लाह मैं जल्द अपने देश वापस आऊंगा, आप सबके पास वापस आऊंगा। इन घटिया अफवाहों पर बिल्कुल भी भरोसा न करें। पहले जानकारी आई थी कि राहत फतेह अली खान के एक्स मैनेजर सलमान अहमद ने दुबई में सिंगर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

बोमन ईरानी ने की फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी के फिल्म मेकिंग स्टाइल की तारीफ

फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी और बोमन ईरानी ने साथ मिलकर कई हिट फिल्में और यादगार किरदार दिए हैं। 3 इडियट्स, मुन्ना भाई एमबीबीएस और लगे रहो मुन्ना भाई जैसी फिल्मों में उनका खास टीमवर्क साफ झलकता है। बोमन ईरानी ने राजकुमार हिरानी की फिल्मों में कई यादगार भूमिकाएँ निभाई हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में बोमन ने राजकुमार हिरानी की तारीफ़ करते हुए कहा, हमने अपने करियर की शुरुआत एक साथ की थी और हर फिल्म से पहले मेरी उनसे जो बातचीत होती थी, वो बहुत कीमती होती थी। चाहे वह 3 इडियट्स हो, लगे रहो हो या फिर संजू में बूढ़े आदमी का किरदार हो, उनकी नज़र में यह सब अनमोल है और स्क्रिप्ट लिखने में बहुत समय लगता है। मुझे पसंद है कि वह किस तरह से अपना पूरा अस्तित्व फिल्म में डाल देते हैं।

बोमन ईरानी ने बताया कि हिरानी एक डायरेक्टर के तौर पर बहुत डेडीकेटेड हैं और फिल्में बनाने में बहुत मेहनत करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लगे रहो मुन्ना भाई और 3 इडियट्स जैसी फिल्मों के लिए स्क्रिप्ट्स लिखना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन राजकुमार हिरानी का बारीकियों पर ध्यान देना ही इन फिल्मों को शानदार बनाता है।



मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बेहद महत्वपूर्ण: सुम्बुल तौकीर

अपने करियर पर बात करते हुए एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की ओर काम कर रही है। काव्या - एक जज्बा, एक जुनून में मुख्य भूमिका निभाने वाली सुम्बुल ने बताया कि मैं हर अनुभव से सीखने और अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करती हूं। आजकल मैं अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ अपने काम में भी सुधार लाने की कोशिश कर रही हूं। उन्होंने कहा कि ये कौशल मुझे बेहतर प्रदर्शन करने और उद्योग में विभिन्न भूमिकाओं और चुनौतियों के लिए लचीला बने रहने में मदद करते हैं। एक्ट्रेस को लगता है कि मनोरंजन उद्योग में सामाजिक होना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे नए कनेक्शन और संपर्क बनाने में मदद मिलती है। सुम्बुल ने बताया कि मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे हमें नए अवसरों और सीखने की ओर ले जाते हैं।

-साभार एजेंसी